केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
16 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार
हर व्यक्ति के जीवन में कुछ न कुछ कमी ज़रूर रह जाती है ताकि उसे ध्यान रहे कि दुनिया मनुष्य नहीं ईश्वर चलाते हैं...

वर्ष : 16 अंक : 357
उज्जैन, सोमवार 08 जून 2026
पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

जनकल्याण शिविर के माध्यम से मिलेगा योजनाओं का लाभ, समस्याओं का होगा निराकरणः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विकासखंड और नगरीय निकाय मुख्यालयों पर लगेंगे शिविर

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 12 से 18 जून 2026 की अवधि में जिले के प्रत्येक विकासखण्ड एवं नगरीय निकाय मुख्यालयों पर 03 दिवसीय 'जनकल्याण शिविर' आयोजित किये जायेंगे। इन शिविरों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करना और आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जायेगा। जिले में संचालित केन्द्र एवं राज्य शासन की प्रमुख हितग्राहीमूलक योजनाओं (सेचुरेशन एवं लक्ष्य आधारित) के पात्र किन्तु वंचित हितग्राहियों की पहचान विभागीय मैदानी अमले के सहयोग से कर उनका पंजीयन, स्वीकृति एवं लाभ वितरण की कार्यवाही प्राथमिकता से की जायेगी। साथ ही विभिन्न विभागों की हितग्राहीमूलक योजनाओं के साथ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों (आईएचएचएल) के लिये भी हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त कर उनका पंजीयन एवं निराकरण सुनिश्चित किया जायेगा।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस संबंध में सभी संभागायुक्त, कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, आयुक्त, नगर पालिक निगम और नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश जारी किये गये है। निर्देशों में कहा गया है कि शिविरों का रोस्टर इस प्रकार तैयार किया जाए कि यथासंभव कलेक्टर/अपर कलेक्टर/मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जिले के समस्त विभागों के जिला अधिकारियों के साथ प्रत्येक शिविर में उपस्थित रहें और विभागीय योजनाओं, सेवाओं, शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों का परीक्षण कर यथासंभव मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

अभियान के दौरान चिन्हांकित योजनाओं में प्राप्त आवेदनों को दर्ज करने एवं निराकरण संबंधी कार्यवाही सी.एम. हेल्पलाइन पोर्टल (http://cmhelpline.mp.gov.in) के माध्यम से की जायेगी। पोर्टल में एक पृथक मॉड्यूल तैयार कर अधिकारियों को लॉगइन उपलब्ध कराने की सुविधा दी जा रही है।

अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि अभियान की सम्पूर्ण कार्ययोजना जैसे शिविरों की तिथियां, नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की जाकर सी.एम. हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज कराना सुनिश्चित करें। सी.एम. हेल्पलाइन, लोकसेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत लंबित प्रकरणों, राजस्व मामलों और अन्य जनशिकायतों के निराकरण हेतु शिविर अवधि में विशेष अभियान चलाया जाये। यथासंभव समस्त लंबित आवेदनों के निराकरण का प्रयास किया जाए। शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदाय की जाने वाली सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी हेतु विभागीय स्टॉल स्थापित किये जायें और पात्र हितग्राहियों को आवेदन, पंजीयन एवं सेवा वितरण की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाये। इन शिविरों में भारत सरकार एवं राज्य सरकार के विकास एवं प्रगति की प्रदर्शनी आयोजित की जाये। इसमें प्रबुद्ध जनों/आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। शिविरों में लाभ वितरण, हितग्राही संवाद, सफलता की कहानियों का प्रस्तुतिकरण तथा योजनाओं के संबंध में जनजागरुकता गतिविधियाँ भी आयोजित की जायें। शिविर स्थल पर पर्याप्त छाया, पेयजल, स्वच्छता आदि की पर्याप्त व्यवस्था हो।

शिविर में प्राप्त होने वाले ऐसे आवेदन जिनका निराकरण तत्काल संभव न हो, उनके लिए समय-सीमा निर्धारित कर आवेदक को सूचित किया जाये और प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाये। जिला कलेक्टर शिविरों के आयोजन, विभागीय समन्वय, प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध निराकरण और पात्र हितग्राहियों को लाभ वितरण के लिए उत्तरदायी होंगे। शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार विभिन्न संचार माध्यमों से किया जाये, जिससे अधिकतम नागरिक लाभान्वित हो सकें। शिविर आयोजन के लिये जिले के प्रभारी मंत्री का अनुमोदन प्राप्त किया जाये और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाये।

जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि उक्त अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्थानीय परिस्थितियों एवं आवश्यकता अनुसार जनहित में समुचित निर्णय लें और अपने स्तर पर ऐसे नवाचार एवं पहल भी करें, जिससे अभियान के लक्ष्यों को समय-सीमा में प्राप्त करने में सहायता मिले। नागरिकों को उन समस्त योजनाओं का लाभ मिले, जिनकी वे पात्रता रखते हों। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक जानकारी प्राप्त करने एवं समस्याओं के निराकरण के लिए राज्य स्तर पर नोडल अधिकारी की नियुक्त किये गये हैं।

न्यूज ब्रीफ

एनसीआर में कागजों पर साफ हवा की जंग, फैक्ट्रियों के प्रदूषण का डेटा ही गायब! सीएसई रिपोर्ट ने खोली पोल

नई दिल्ली/ जीएनएस। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में औद्योगिक उत्सर्जन की निगरानी एवं नियंत्रण के लिए कई नियामक प्रणालियां होने के बावजूद, इनकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए आवश्यक डेटा पूरी तरह बिखरा हुआ और दुर्गम है। सेंटर फार साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) के एक नए विश्लेषण में सामने आया है कि सार्वजनिक पोर्टलों पर उत्सर्जन निगरानी डेटा लगातार उपलब्ध नहीं है और वायु गुणवत्ता रिपोर्ट विभिन्न प्रशासनिक प्रणालियों में फंसी हुई है। सीएसई की नवीनतम रिपोर्ट बिहाइंड द स्मोक~ इंडस्ट्रियल फ्यूल यूज, एमिशन मानिटरिंग एंड रेगुलेटरी ब्लाइंड स्पाट्स इन द नेशनल कैपिटल रीजन के अनुसार, इस लचर व्यवस्था के कारण औद्योगिक उत्सर्जन की पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं। सीएसई के सतत औद्योगिकीकरण इकाई के कार्यक्रम निदेशक निवित कुमार यादव ने बताया कि एनसीआर में प्रदूषण की समस्या का मूल कारण केवल सर्दियों में बढ़ने वाला स्मॉग नहीं है, बल्कि गर्मियों में डेटा-आधारित ठोस कार्रवाई का अभाव भी है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक नियामक निकायों को इस डेटा को संकलित और समझने के लिए तकनीकी रूप से सक्षम नहीं किया जाता, तब तक निगरानी नेटवर्क पूरी तरह बेकार है। इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए शोधकर्ताओं ने राजस्थान और हरियाणा के एनसीआर क्षेत्रों में स्थित 142 औद्योगिक इकाइयों के कंटीन्यूअस एमिशन मानिटरिंग सिस्टम (सीईएमएस) डेटा का बारीकी से विश्लेषण किया। नियमानुसार, इस डेटा को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होना चाहिए ताकि उद्योगों से निकलने वाले प्रदूषकों पर नजर रखी जा सके। हालांकि, विश्लेषण में पाया गया कि केवल 58 फैक्ट्रियों (40.8 प्रतिशत) का डेटा ही डाउनलोड के लिए उपलब्ध था, जबकि शेष 84 फैक्ट्रियों (59.2 प्रतिशत) के डेटा तक कोई पहुंच नहीं थी।

हाथ लगाकर देखो..., मुंबई में ऑटो ड्राइवर ने महिला से की छेड़छाड़

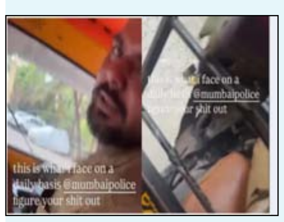

मुंबई/ जीएनएस। मुंबई, जिसे महिलाओं के लिए देश के सबसे सुरक्षित शहरों में एक माना जाता है, वहां से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक ऑटो ड्राइवर ने महिला यात्री के साथ अश्लील बातें की और उसे परेशान किया। महिला ने इस घटना का वीडियो भी बनाया और उसे सोशल मीडिया पर मुंबई पुलिस को टैग करते हुए शेयर कर दिया। ये वीडियो तेजी के साथ वायरल हुआ और कई लोगों ने पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की मांग की। महिला की तरफ से सोशल मीडिया शेयर किए वीडियो में पता चलता है कि ऑटो ड्राइवर, महिला से उसके प्राइवेट पार्ट को छूने के लिए बार-बार कहता है, वीडियो में सुना जा सकता है कि ऑटो ड्राइवर कहता है कि एक बार हाथ लगाकर तो देखो। महिला, ऑटो ड्राइवर की ऐसी अभद्र और अश्लील टिप्पणियों के बाद जल्दी से ऑटो से बाहर निकल जाती है। मुंबई पुलिस ने इस घटना के सामने आने के बाद आज रविवार, 7 जून को बताया है कि उसने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। मुंबई पुलिस ने एक्स पर इस वायरल पोस्ट का जवाब देते हुए जांच के लिए कॉन्टैक्ट डिटेल्स मांगी हैं। कई लोगों ने वीडियो में दिख रहे लाइसेंस प्लेट नंबर की जानकारी भी दी और ड्राइवर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। मुंबई में हुई इस छेड़छाड़ की घटना ने महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस घटना पर एक्स पर एक यूजर ने लिखा, यह चौंकाने वाली बात है, क्योंकि मुंबई को भारत में महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित शहर माना जाता है। 2025 में, महिलाओं की सुरक्षा पर राष्ट्रीय वार्षिक रिपोर्ट और इंडेक्स में मुंबई को महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित शहरों में से एक का दर्जा दिया गया था। रिपोर्ट में सामने आया था कि कोहिमा, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, आइजोल, गंगटोक, ईटानगर और मुंबई राष्ट्रीय सुरक्षा रैंकिंग में सबसे आगे हैं।

INDI गठबंधन बैठकः 23 दल होंगे शामिल, TMC का समर्थन; DMK ने बनाई दूरी, AAP की क्या है मजबूरी?

नई दिल्ली/ जीएनएस। विपक्षी गठबंधन INDI (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार 8 जून को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित होगी। यह बैठक हालिया विधानसभा चुनावों के बाद गठबंधन की पहली बड़ी बैठक मानी जा रही है, ऐसे समय में जब कई सहयोगी दलों के बीच मतभेद भी सामने आए हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि बैठक में 23 राजनीतिक दलों ने भाग लेने की पुष्टि की है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच X पर लिखा, भारत की तरह INDIA जनबंधन भी अपनी विविधता के साथ एकजुट है।

ममता बनर्जी दिल्ली पहुंचीं, ञ्रस्ष्ट ने जताया समर्थन

तृणमूल कांग्रेस ने बैठक को लेकर मजबूत समर्थन जताया है। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी रविवार को दिल्ली पहुंचीं। TMC सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि सभी दल साझा उद्देश्य और स्पष्ट इरादे के साथ बैठक में शामिल हो रहे हैं।

बैठक में ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई बड़े नेता शामिल हो सकते हैं।

हालांकि बैठक का आधिकारिक एजेंडा जारी नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि कई राष्ट्रीय और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा होगी।

नीतीश कुमार 40 साल बाद अचानक पहुंचे मौसी के घर

हरनौत/ जीएनएस। बिहार के पूर्व सीएम सह जद(यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार रविवार सुबह नालंदा जिले के हरनौत नगर पंचायत में स्थित अपने मौसी के यहां जाकर परिवार वालों से शिष्टाचार मुलाकात किए।

पूर्व मुख्यमंत्री का काफिला गांव में तकरीबन सवा ग्यारह बजे पहुंचा। जहां नीतीश कुमार जिंदाबाद के नारे से गूंज उठा। इस दौरान पूर्व सीएम ने गाड़ी में से हाथ जोड़कर लोगों का स्वागत किया।

तकरीबन पांच मिनट तक पूर्व सीएम गांव में ठहरे, जहां अपने मौसी स्व. देव लगन देवी एवं मौसा स्व रामानंद सिंह के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

बिरयानी, गुपचुप शादी-तलाक और मासूम की मौतः बेंगलुरु केस में नए मोड़, मां फरार; प्रेमी गिरफ्तार

नई दिल्ली/ जीएनएस। बेंगलुरु में छह साल की बच्ची वेन्नेला की संदिग्ध मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। घटना के करीब दो महीने बाद कडुगोडी पुलिस ने इसे हत्या का मामला मानते हुए बच्ची की मां अधिवक्ता पी. प्रियंका और उसके करीबी दोस्त मोहन जी. महालिंगप्पा के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस ने मोहन को गिरफ्तार कर सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है, जबकि प्रियंका फिलहाल फरार बताई जा रही है।

जन्मदिन की रात से शुरू हुआ शक

पुलिस के अनुसार, घटनाक्रम 24 मार्च की रात से शुरू हुआ, जो प्रियंका का जन्मदिन था। प्रियंका ने परिवार को बताया था कि उसने बेटी वेन्नेला को बिरयानी और आइसक्रीम खिलाई थी। इसके बाद बच्ची को कार में एसी चालू करके सुला दिया गया और वह अपने दोस्त मोहन के साथ कॉफी शॉप चली गई। वापस लौटने पर प्रियंका बच्ची को घर ले गई और बिस्तर पर सुला दिया। अगली सुबह वेन्नेला नहीं जागी। उसे तुरंत व्हाइटफील्ड के व्यदेही अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पहले फूड पॉइजनिंग का शक, फिर बदली जांच की दिशा- शुरुआत में पुलिस ने मामले को अस्वाभाविक मौत मानते हुए फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई थी।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में लगी भीषण आग, 8 दुकानें जलकर राख; सेना के जवानों ने संभाला मोर्चा

पुंछ/ जीएनएस। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में रविवार को भीषण आग लग गई। बुफलियाज बाजार में आग लगने से आठ दुकानें जलकर राख हो गईं। गनीमत है कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

हालांकि, संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। दुकानों के अंदर मौजूद सारा सामान जलकर राख हो गया। इस बीच भारतीय सेना के जवानों ने बिना देरी किए मोर्चा संभाल लिया। रोमियो फोर्स के जवानों ने पानी के टैंकर तैनात किए।

स्थानीय लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आग पर काबू पाया। भारतीय सेना ने कहा कि हमारे जवान न केवल सीमाओं का, बल्कि जम्मू-कश्मीर में हर जीवन और आजीविका का रक्षक है।

शॉर्ट सर्किट से लगी बाजार में आग- बता दें कि आग सुबह करीब 5 बजे लगी और लकड़ी और टिन से बनी दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने सेना की मदद से आग बुझाने का अभियान शुरू किया। बाद में अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग की एक टीम भी इसमें शामिल हो गई।

आग पर 30 मिनट के भीतर काबू पा लिया गया और आसपास की इमारतों और घरों को नुकसान से बचा लिया गया। शुरुआती जांच से पता चला है कि आग एक दुकान में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी।

मुंबई में म्यूजिक इवेंट के दौरान युवक की मौत, महिला की तबीयत बिगड़ी; ऑर्गनाइजर की तलाश जारी

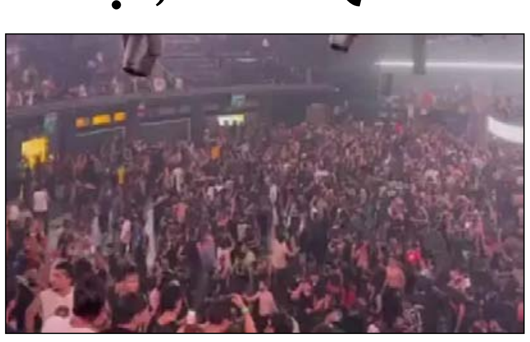

मुंबई/ जीएनएस। मुंबई के वर्ली इलाके में रविवार तड़के आयोजित एक म्यूजिक इवेंट के दौरान एक 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि एक महिला की तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शुरुआती जांच में ड्रग्स के इस्तेमाल का कोई सबूत नहीं मिला है, हालांकि दोनों ने शराब का सेवन किया था।

यह घटना वर्ली के एनएससीआई डोम में आयोजित क्लैंगकुएन्स्टलर ऑल नाइट लॉन्ग नामक म्यूजिकल शो के दौरान हुई। तारदेव पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान युवक को अचानक मेडिकल इमरजेंसी का सामना करना पड़ा। उसे तुरंत मालाबार हिल स्थित ब्रीच कैंडी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया।

अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में डिहाइड्रेशन को मौत का एक संभावित कारण माना जा रहा है, हालांकि मौत की सटीक वजह आगे की मेडिकल जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

महिला ने शराब और एनर्जी ड्रिंक का किया था सेवन- इसी इवेंट में एक 31 वर्षीय एक महिला की तबीयत खराब हो गई। उसे इलाज के लिए जसलोक अस्पताल ले जाया गया, जहां फिलहाल उसकी हालत स्थिर है। पुलिस के अनुसार, महिला ने पूछताछ में बताया है कि उसने शराब के साथ कुछ एनर्जी ड्रिंक का सेवन किया था।

पुलिस ने ड्रग्स के ओवरडोज जैसी किसी भी आशंका से फिलहाल इनकार किया है। अधिकारी ने कहा, ÷हमारी अब तक की जांच में किसी भी प्रकार के ड्रग्स के उपयोग का कोई सबूत सामने नहीं आया है। घटनाओं की पूरी कड़ी को समझने के लिए इवेंट वेन्यू और उसके आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सबूतों की जांच की जा रही है।÷ पुलिस ने बताया कि तारदेव पुलिस स्टेशन में दोनों घटनाओं की अलग-अलग एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच ऐक्शन में पीएम मोदी, आर्थिक सलाहकार समिति के साथ बैठक

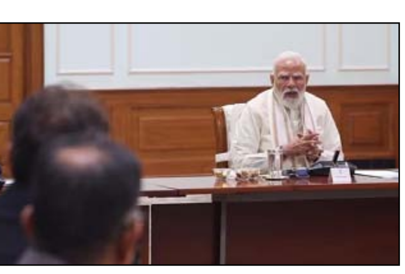

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने पूरे विश्व को ऊर्जा संकट में धकेल दिया है। ऊर्जा के लिए इस क्षेत्र पर निर्भर रहने वाला हमारा देश भी इस आर्थिक संकट से अछूता नहीं है।

ऐसे में इस संकट से निपटने के उपायों पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। इस बैठक में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और तमाम संकटों के बीच व्यापार को सुचारु रूप से चलाए रखने के लिए विभिन्न सुधारों पर बातचीत हुई।

सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में देश की आर्थिक विकास दर को बढ़ाने और बाहरी आर्थिक झटकों से देश को बचाने के ऊपर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्यों ने बदलते वैश्विक परिदृश्य को लेकर भारत की क्या भूमिका हो सकती है और हमारे देश के ऊपर जो आर्थिक प्रभाव पड़ रहे हैं, इनसे कैसे बचा जा सकता है। इसका आकलन प्रस्तुत किया।

बता दें, प्रधानमंत्री की तरफ से आर्थिक सलाहकार समिति की यह बैठक ऐसे समय में बुलाई गई है, जब पूरी दुनिया समेत भारत भी ऊर्जा आयात को लेकर चिंतित है। होर्मुज पर ईरान और अमेरिका के बीच लड़ाई चल रही है, जिसकी वजह से ऊर्जा संकट बढ़ा हुआ है दूसरी तरफ भारत के सबसे बड़े ऊर्जा निर्यातकों में से एक रूस के ऊर्जा भंडारों पर यूक्रेन लगातार हमला कर रहा है।

इससे और भी ज्यादा संकट बढ़ने के आसार बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने हाल ही में अपने भाषणों में भी दुनिया के सामने आने वाले संकट का जिक्र किया था। शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्तमान दशक चुनौतियों से भरा हुआ रहा है। इस पूरे दशक को कोविड-19 महामारी और सैन्य संघर्षों के लिए याद रखा जाएगा।

ब्रिक्स सम्मेलन की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा, पुलिस कमिश्नर ने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में आगामी दिनों में आयोजित होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन के मद्देनजर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने शनिवार को पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सम्मेलन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी कार्यक्रमों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) आर.के. सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) मयंक अवस्थी सहित शहर के सभी पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सम्मेलन के दौरान सभी कार्यक्रम स्थलों, होटलों, भ्रमण स्थलों और निर्धारित मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए। पुलिसकर्मियों को आवश्यक संसाधनों से लैस कर उनकी पूर्व ब्रीफिंग सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए और सभी संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता रखी जाए।

बैठक में वीवीआईपी, विदेशी प्रतिनिधियों एवं मंत्रियों की सुरक्षा को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पीएसओ और लाइजनिंग अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाए। साथ ही पायलट वाहनों, निर्धारित रूट, ड्राइवरों तथा कार्यक्रम स्थलों पर कार्यरत स्टाफ का सत्यापन अनिवार्य रूप से कराया जाए। होटल परिसर और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का भी सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस कमिश्नर ने संवेदनशील क्षेत्रों की विशेष निगरानी, हॉटस्पॉट और शैडो एरिया में पेट्रोलिंग बढ़ाने तथा असामाजिक तत्वों और निगरानीशुदा बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के दौरान ड्रोन, सीसीटीवी कैमरों और अन्य आधुनिक तकनीकी संसाधनों के माध्यम से सतत निगरानी रखी जाए।

यातायात व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को प्रभावी ट्रैफिक प्लान तैयार करने तथा उसके अनुरूप पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही एम्बुलेंस, अस्पताल, फायर ब्रिगेड जैसी आपातकालीन सेवाओं को अलर्ट मोड पर रखने और विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में अधिकारियों ने सम्मेलन की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि ब्रिक्स सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय स्तर का महत्वपूर्ण आयोजन है और इसकी सुरक्षा एवं सफलता सुनिश्चित करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उद्यान पुनर्जीवन अभियान से बदली एलसीसी रतलाम की तस्वीर, एक वर्ष में बढ़ी हरियाली और पर्यावरणीय गुणवत्ता

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल स्थित लोकोमोटिव केयर सेंटर (एलसीसी) में एक वर्ष पूर्व शुरू किए गए उद्यान पुनर्जीवन अभियान ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जून 2025 में शुरू किए गए इस अभियान के परिणामस्वरूप आज एलसीसी परिसर हरियाली, सौंदर्य और पर्यावरणीय गुणवत्ता के मामले में नई पहचान बना चुका है।

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (डीजल) मनोज छाबड़ा के मार्गदर्शन में विभिन्न क्वालिटी यूनिटों के पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों ने उपेक्षित एवं जर्जर हो चुके उद्यानों को पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया था। नियमित देखरेख, सतत निगरानी और सुनियोजित प्रयासों के कारण एक वर्ष के भीतर परिसर का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी जानकारी के अनुसार अभियान को सफल बनाने के लिए पूरे वर्ष नियमित निरीक्षण और मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई। उद्यान विकास कार्यों का मूल्यांकन करने के लिए प्रत्येक तिमाही में ऑडिट आयोजित किए गए तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अनुभागों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इससे कर्मचारियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित हुई और सभी ने अपने कार्यक्षेत्र को अधिक हरित और स्वच्छ बनाने में सक्रिय योगदान दिया।

अभियान की विशेषता यह रही कि उद्यानों के विकास और रखरखाव का अधिकांश कार्य कर्मचारियों ने अपने नियमित दायित्वों के साथ-साथ किया। कर्मचारियों ने उपलब्ध समय का उपयोग करते हुए उद्यानों की संरचना में रचनात्मक बदलाव किए और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

उद्यान विकास कार्यों में संसाधनों के पुनः उपयोग पर भी विशेष ध्यान दिया गया। फेंसिंग, प्रवेश द्वार, सजावटी संरचनाओं और गमलों के निर्माण में अनुपयोगी सामग्री का उपयोग किया गया, जिससे 'रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल' की अवधारणा को व्यवहारिक रूप दिया गया।

अगले एक सप्ताह इंदौर में जारी रहेगा बादल व बारिश का दौर, भीषण गर्मी से मिलेगी निजात

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में आगामी सप्ताह में बादल छाने के साथ वर्षा का दौर जारी रहेगा। दक्षिण पश्चिम मानसून केरलम से आगे बढ़कर अब गोवा तक पहुंच गया है। इसके प्रभाव के कारण इंदौर में हवाओं का रूख आगामी दिनों में दक्षिण पश्चिमी रहेगा। अरब सागर से नमी मिलने के कारण आगामी दिनों में शहर में वर्षा की गतिविधियां जारी रहेगी। ऐसे में शहरवासियों को आगामी दिनों में गर्मी व उसम से राहत मिलेगी। इंदौर जिले सहित संभाग में वर्षा की गतिविधियों में निरंतरता देखने को मिलेगी। खंडवा व खरगोन में तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। प्री मानूसन की वर्षा का दौर जारी रहेगा

वहीं इंदौर में तापमान सामान्य के आसपास रहेगे। इस तरह इंदौर में प्री मानूसन की वर्षा का दौर जारी रहेगा। दोपहर में धूप निकलेगी और उसके बाद शाम के समय शहर के अलग-अलग हिस्सों में वर्षा भी होगी। आगामी सप्ताह में इंदौर में आंधी चलने की भी संभावना है। हवाएं 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलेगी।

वर्तमान में जम्मू कश्मीर पर एक पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है- भोपाल स्थित मौसम केंद्र के विज्ञानियों के मुताबिक वर्तमान में जम्मू कश्मीर पर एक पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है। वही उत्तर पश्चिमी राजस्थान पर एक प्रेरित हवा का चक्रवाती घेरा बना हुआ है। वहां से उत्तर पूर्व अरब सागर तक एक द्रोणिका भी जा रही है। इसके अलावा उत्तरी पश्चिम उत्तर प्रदेश व पूर्वी उत्तर प्रदेश पर दो चक्रवाती हवाओं के घेरे बने हुए हैं।

पुलिस अधीक्षक इंदौर ग्रामीण श्री वर्मा ने जनसंवाद कार्यक्रम में सुनी आमजन की समस्याएं

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक इंदौर ग्रामीण श्री राजेंद्र कुमार वर्मा ने आज थाना चंद्रावतीगंज का भ्रमण कर जनसंवाद कार्यक्रम में आमजन से संवाद किया। इस दौरान कार्यक्रम में अनुभागीय अधिकारी पुलिस श्री धवेश सिंह, उप पुलिस अधीक्षक श्री नितिन सिंह यादव, रक्षित निरीक्षक श्री योगेंद्र भाटी, थाना प्रभारी चंद्रावतीगंज श्री विनय आर्य सहित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में चंद्रावतीगंज एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से लगभग 200 महिला एवं पुरुष नागरिकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्री वर्मा ने पुलिस विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी देते हुए राहगीरी योजना, राहत योजना, हिट एंड रन योजना, महिला सुरक्षा, नाबालिगों से संबंधित अपराधों की रोकथाम तथा कानून व्यवस्था संबंधी महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग आमजन की सुरक्षा, सहायता एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निरंतर कार्यरत है तथा इसमें नागरिकों का सहयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने आगामी त्योहारों, सार्वजनिक आयोजनों, हाट-बाजारों एवं यातायात व्यवस्था के दौरान पुलिस प्रशासन को सहयोग प्रदान करने की अपील की। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने थाना चंद्रावतीगंज की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए थाना भवन की सुव्यवस्थित व्यवस्था एवं पुलिस स्टाफ के कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। नागरिकों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने तथा अतिरिक्त वाहन उपलब्ध कराने संबंधी सुझाव भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक श्री वर्मा ने क्षेत्र के बाजारों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं आवासीय कॉलोनियों में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए जनसहयोग का आह्वान किया।

होटल, लॉज और हॉस्टलों में पुलिस की सख्त कार्रवाई, 17 प्रकरण दर्ज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा होटल, धर्मशाला, लॉज, हॉस्टल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में विशेष जांच अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जोन-1 क्षेत्र में पुलिस ने पुलिस आयुक्त के प्रतिबंधात्मक आदेशों का उल्लंघन करने वाले होटल संचालकों, प्रतिष्ठान संचालकों और अन्य लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 17 प्रकरण दर्ज किए हैं।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत बाहर से आकर रहने वाले किरायेदारों, कामगारों, श्रमिकों, कर्मचारियों तथा होटल में ठहरने वाले व्यक्तियों की जानकारी संबंधित थाने को उपलब्ध कराना अनिवार्य किया गया है। इसके लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत आदेश जारी किए गए हैं। आदेश का पालन नहीं करने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जोन-1 नरेंद्र सिंह रावत एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में थाना एरोड्रम, राजेंद्र नगर और राऊ पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान चलाया गया। जांच के दौरान होटलों और प्रतिष्ठानों के संचालकों द्वारा कर्मचारियों, किरायेदारों और आगंतुकों की जानकारी पुलिस को उपलब्ध नहीं कराने पर धारा 223 बीएनएस के तहत 15 प्रकरण दर्ज किए गए।

थाना एरोड्रम क्षेत्र में होटल श्रीवन्या, होटल एयरपोर्ट व्यू, होटल मन, होटल विनायक श्री तथा सुविधी नगर स्थित एक बैग निर्माण इकाई के संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। वहीं थाना राजेंद्र नगर क्षेत्र में होटल रुद्राक्ष, ढाबा जंक्शन, रामा होटल, होटल सरकार-356, एसपी-14 होटल, एसपी-7 होटल और होटल गोल्डन ग्लोरी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किए गए।

इसी प्रकार थाना राऊ क्षेत्र में होटल हेवन एक्स, होटल ग्रेविटी और होटल एटरनिटी स्टे के संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा बल्ले-बल्ले ढाबा और कनक ढाबा में सार्वजनिक स्थान पर मदिरापान कराए जाने की शिकायत सही पाए जाने पर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 36(बी) के तहत कार्रवाई करते हुए शराब जब्त की गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शहर की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। इंदौर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने यहां कार्यरत कर्मचारियों, किरायेदारों, होटल या हॉस्टल में ठहरने वाले व्यक्तियों की जानकारी समय पर संबंधित थाने को उपलब्ध कराएं, ताकि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

महिला सुरक्षा के लिए इंदौर पुलिस का 'सीक्रेट मिडनाइट' अभियान, सात स्थानों पर स्टिंग ऑपरेशन

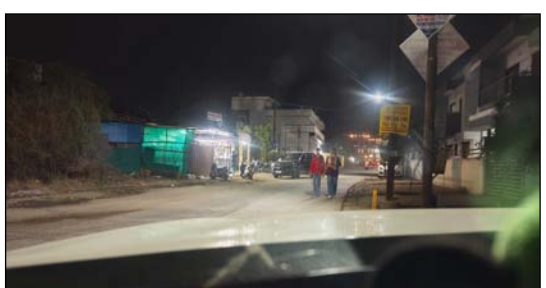

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला सुरक्षा को लेकर इंदौर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत राऊ थाना पुलिस ने देर रात तक 'ऑपरेशन सीक्रेट मिडनाइट' संचालित कर क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों पर स्टिंग ऑपरेशन किया। अभियान का उद्देश्य महिलाओं के प्रति होने वाली छेड़छाड़, अभद्र व्यवहार एवं अन्य असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त जोन-1 नरेंद्र रावत, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सुमित केरकेट्टा तथा सहायक पुलिस आयुक्त गांधीनगर निधि सक्सेना के मार्गदर्शन में थाना राऊ पुलिस ने विशेष कार्रवाई की।

अभियान के तहत महिला पुलिसकर्मियों सहित एक विशेष टीम का गठन किया गया। राऊ क्षेत्र के मन मंदिर, मंत्री मोटर्स चौराहा, एडीसीटी के पास, पुलक सिटी, आराध्य धाम, बालाजी चौराहा, एबिवेट कैफे और चाय सुट्टा बार सहित सात प्रमुख स्थानों को चिन्हित कर स्टिंग ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों को सादा वर्दी में देर रात तक तैनात कर संदिग्ध गतिविधियों और असामाजिक तत्वों पर नजर रखी गई।

पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों पर निगरानी रखकर आने-जाने वाले लोगों की गतिविधियों पर नजर रखी। अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार की शिकायत सामने नहीं आई। पुलिस अधिकारियों ने इसे सकारात्मक संकेत बताते हुए कहा कि ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे। पुलिस का कहना है कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और शहर में सुरक्षित माहौल बनाए रखने के लिए समय-समय पर विशेष अभियान संचालित किए जा रहे हैं। इन अभियानों का उद्देश्य महिलाओं में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना तथा असामाजिक तत्वों में कानून का भय कायम करना है।

इंदौर पुलिस ने नागरिकों से भी अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या महिला सुरक्षा से जुड़े मामले की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

ईवी शोरूम में लगी आग की जांच ठंडी, न फुटेज निकाले न एफएसएल बुलाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्कीम-136 में लगी आग की जांच फायर ब्रिगेड,नगर निगम और पुलिस ने ठंडी कर दी। 20 लोगों की जान आफत में पड़ गई पर अफसरों ने न तो सीसीटीवी फुटेज निकाले न ही मौके पर एफएसएल एक्सपर्ट बुलाए। पुलिस और निगम अफसरों ने तो सुरक्षा में चूक की जांच नहीं की।

खालसा चौक के समीप चार मंजिला इमारत (परमेश्वरी विला) में शुक्रवार तड़के आग लग गई थी। इस इमारत में 9 फ्लैट और पेंट हाउस बना हुआ है। इमारत के मालिक हर्ष अग्रवाल (गीता भवन) का तल मंजिल पर इलेक्ट्रानिक व्हीकल का शोरूम है। शेष फ्लैट हर्ष ने अजय नागवाल को लीज पर दे रखे है। अजय उन्हें बीएनबी एयर एप के माध्यम से किराये पर देता है। हर्ष के शोरूम में स्कूटर और आटो रिक्शा रखे हुए थे। पार्किंग में लाइन से ई-रिक्शा खड़े कर चार्जिंग पर लगाए गए थे। इसी से तार सुलगे और जलते हुए शोरूम तक चले गए। रेगजिन और बैटरी होने के कारण आग ने विकराल रुप ले लिया और पूरी इमारत धुएं से भर गई। फ्लैट में रहने वाला भानूसिंह (शिवपुरी) का परिवार अंदर ही फंसा रह गया।

भानू निजी कॉलेज में काम करता है। पुलिस ने घटना को गंभीरता से नहीं लिया है। सुरक्षा में चूक और आग के कारणों की जांच तक नहीं की। इमारत में लगे सीसीटीवी कैमरा भी नहीं खंगाला गया। रहवासियों के अनुसार जरा सी देर ओर होने पर तिलकनगर की तरह बड़ी घटना घट सकती थी।

ईवी की आग सामान्य आग से क्यों अलग होती है?

अधिकांश ई-स्कूटर और ई-रिक्शा में लिथियम-आयन बैटरी होती है। शार्ट सर्किट, ओवरहीटिंग, खराब सेल, बीएमएस (बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम) की खराबी या गलत चार्जिंग के कारण बैटरी में थर्मल रनअवे की स्थिति बन सकती है। इसमें तापमान तेजी से बढ़ता है और आग एक सेल से दूसरे सेल तक फैलने लगती है।

ईवी की आग क्यों होती है ज्यादा खतरनाक- आग का तापमान सामान्य आग से अधिक हो सकता है।

घना और दम घोंटने वाला धुआं निकलता है।

विषैली गैसें वातावरण में फैल सकती हैं।

आग बुझने के बाद भी बैटरी दोबारा सुलग सकती है।

बंद जगहों में धुआं तेजी से भरता है, जिससे रेस्क्यू मुश्किल हो जाता है।

आग लगने के प्रमुख कारण-

शार्ट सर्किट, ओवरचार्जिंग, खराब या क्षतिग्रस्त बैटरी, लोकल या असंगत चार्जर का उपयोग, बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम (बीएमएस) की खराबी, अत्यधिक गर्म वातावरण में चार्जिंग।

इन सावधानियों से टाला जा सकता है खतरा-

केवल कंपनी द्वारा अनुमोदित चार्जर का उपयोग करें।

चार्जिंग के दौरान पर्याप्त वेंटिलेशन रखें।

क्षतिग्रस्त बैटरी या चार्जर का उपयोग न करें।

बैटरी में असामान्य गर्मी, सूजन या गंध महसूस हो तो तुरंत उपयोग बंद करें।

शोरूम, गोदाम और पार्किंग में फायर सेफ्टी उपकरण अनिवार्य रखें।

इंदौर पुलिस की देर रात कॉम्बिंग गश्त, 652 बदमाशों पर कार्रवाई, शराब पीकर वाहन चलाने वाले 220 चालक पकड़े गए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा देर रात विशेष कॉम्बिंग गश्त और सघन जांच अभियान चलाया गया। पुलिस की इस कार्रवाई में गुंडे-बदमाशों, आदतन अपराधियों, अवैध गतिविधियों में संलिप्त तत्वों तथा शराब पीकर वाहन चलाने वाले लापरवाह चालकों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुल 1348 बदमाशों और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की गई, जिनमें से 652 के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह और मयंक अवस्थी के मार्गदर्शन में 6 और 7 जून की दरमियानी रात शहर के सभी थाना क्षेत्रों में विशेष कॉम्बिंग गश्त की गई। अभियान में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, थाना प्रभारियों और पुलिस बल ने संयुक्त रूप से भाग लिया।

कार्रवाई के दौरान विभिन्न मामलों में वांछित 257 से अधिक वारंटों की तामील कराई गई। इनमें 100 स्थायी वारंट, 72 गिरफ्तारी वारंट और 85 जमानती वारंट शामिल हैं। इसके अलावा 140 समंस भी तामील किए गए। पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे कई आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है।

यातायात नियमों के उल्लंघन और सड़क सुरक्षा को लेकर भी पुलिस ने सख्ती दिखाई। शराब पीकर वाहन चलाने वाले 220 वाहन चालकों की जांच की गई, जिनमें से 185 के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे ताकि नशे की हालत में वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

अभियान के दौरान अवैध मादक पदार्थों का सेवन करने वाले लोगों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत तीन प्रकरण दर्ज किए गए, जबकि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध 23 मामले दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई। वहीं अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सदर बाजार, लसूडिया, बाणगंगा और सराफा थाना पुलिस ने चार आरोपियों को चाकू सहित गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किए।

पुलिस ने आदतन अपराधियों और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। विभिन्न धाराओं के तहत 145 बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा 703 से अधिक गुंडे-बदमाशों, नकबजनों, लुटेरों, चाकूबाजों, निगरानीशुदा अपराधियों तथा जिलाबदर बदमाशों की जांच कर उन्हें भविष्य में अपराध नहीं करने की सख्त चेतावनी दी गई।

अभियान के दौरान शहर के हॉटस्पॉट और शैडो क्षेत्रों में ड्रोन पेट्रोलिंग कर निगरानी रखी गई। संवेदनशील इलाकों में पुलिस अधिकारियों ने पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी।

पुलिस अधिकारियों ने सक्रिय और आदतन अपराधियों को थानों में बुलाकर उनके डोजियर भरवाए तथा दोबारा अपराध करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में जनसंवाद कर नागरिकों को साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, नशे के दुष्परिणाम और सड़क सुरक्षा जैसे विषयों पर जागरूक भी किया गया।

द्वितीय चरण की आवंटन सूची जारी, स्नातक एवं स्नातकोत्तर के 1.25 लाख से अधिक विद्यार्थियों को मिला महाविद्यालय आवंटन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए द्वितीय चरण की आवंटन सूची जारी कर दी गई है। इस चरण में प्रदेशभर के 1 लाख 25 हजार 917 विद्यार्थियों को विभिन्न महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए सीट आवंटित की गई है।

जारी सूची के अनुसार स्नातक स्तर पर 93 हजार 546 विद्यार्थियों तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 32 हजार 371 विद्यार्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं। द्वितीय चरण में महाविद्यालय आवंटित विद्यार्थियों को 7 से 13 जून 2026 के बीच निर्धारित शुल्क जमा कर प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी। निर्धारित अवधि में प्रवेश शुल्क जमा नहीं करने की स्थिति में आवंटित सीट निरस्त हो जाएगी। विभाग द्वारा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की गई है कि वे समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए शीघ्र प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें।

ब्रिक्स कृषि सम्मेलन की तैयारियों को दिया गया अंतिम रूप, कलेक्टर शिवम वर्मा ने व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में 9 से 13 जून तक आयोजित होने वाले ब्रिक्स देशों के महत्वपूर्ण कृषि सम्मेलन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने शनिवार को रेसीडेंसी में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की। बैठक में सम्मेलन से जुड़ी व्यवस्थाओं, सुरक्षा, आवागमन, आवास, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन तथा अतिथियों के स्वागत-सत्कार सहित अन्य सभी आवश्यक तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में एमडी मंडी श्री कुमार पुरुषोत्तम, नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, किसान कल्याण विभाग के उप सचिव श्री रोहित सिसोनिया सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने निर्देश दिए कि सम्मेलन में शामिल होने वाले राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को सर्वोत्तम सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन इंदौर तथा मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी न रहने दें। उन्होंने आयोजन स्थलों पर स्वच्छता, पेयजल, विद्युत, चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि 9 जून से प्रारंभ होने वाला यह सम्मेलन कृषि एवं कृषि से जुड़े विविध विषयों पर केंद्रित रहेगा।

अपनों की गद्दारी से टूटी सब्र, अपनी ही पार्टी के नेताओं को बताया बिका हुआ विपक्ष, नाम के कांग्रेसी, काम के भाजपाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में कांग्रेस पार्टी के भीतर मची अंदरूनी खींचतान अब खुलकर सड़कों और सोशल मीडिया पर आ गई है। कांग्रेस के नीमच जिला संगठन मंत्री बृजेश कुमार मित्तल की एक हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने जिले की राजनीति में भारी भूचाल ला दिया है। इस पोस्ट के बाद यह साफ हो गया है कि संगठन के भीतर कुछ नेताओं की निष्क्रियता और भूमिका को लेकर गंभीर असंतोष पनप रहा है।

क्या है पूरा मामला- जिला संगठन मंत्री बृजेश मित्तल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें लिखा है-

बिका हुआ पत्रकार, डरा हुआ विपक्ष और मुर्दा अवाम, तीनों लोकतंत्र के लिए घातक हैं।

इस तस्वीर को पोस्ट करते हुए मित्तल ने ऊपर अपनी तरफ से बेहद तीखा तंज कसते हुए लिखा– और बिक चुके विपक्षी।

अपनी ही पार्टी के नेताओं पर साधा निशाना- राजनीतिक गलियारों में इस पोस्ट के गहरे मायने निकाले जा रहे हैं। सूत्रों और जानकारों के मुताबिक, बृजेश मित्तल की यह पोस्ट सीधे तौर पर कांग्रेस के ही उन बड़े चेहरों और नेताओं पर हमला है जो सिर्फ नाम के लिए पदों पर बैठे हैं। मित्तल की इस पीड़ा से साफ झलकता है कि नीमच कांग्रेस के कुछ नेता धरातल पर पूरी तरह गायब हैं। वे न तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं और न ही एक मजबूत विपक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

बिक चुके नेता कांग्रेस के लिए घातक- कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा है कि संगठन मंत्री का यह गुस्सा जायज है। जब पार्टी को सड़क पर उतरकर जनता की लड़ाई लड़नी चाहिए, तब कुछ कथित नेता केवल मूकदर्शक बने हुए हैं। मित्तल का यह लिखना कि विपक्ष बिक चुका है, यह दर्शाता है कि पार्टी के अंदर कुछ लोग अंदरूनी तौर पर सत्तापक्ष से मिले हुए हैं या अपनी व्यक्तिगत सेटिंग में व्यस्त हैं। ऐसे निष्क्रिय और बिके हुए लोग निश्चित रूप से कांग्रेस के भविष्य के लिए बेहद घातक साबित हो रहे हैं।

राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेजइस पोस्ट के वायरल होने के बाद भाजपा को भी कांग्रेस पर चुटकी लेने का मौका मिल गया है। वहीं दूसरी ओर, नीमच कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं में इस बात को लेकर सहमति दिख रही है कि अब समय आ गया है जब सिर्फ मलाई काटने वाले नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाया जाए और संघर्ष करने वाले चेहरों को आगे लाया जाए। अब देखना यह होगा कि जिला संगठन मंत्री के इस तेवर और गंभीर आरोपों पर कांग्रेस आलाकमान क्या रुख अपनाता है।

कौन है बृजेश मित्तल आइये जानते है कांग्रेस के संकटमोचक कार्यकर्ता के रूप में पहचान रखते हैं बृजेश मित्तल बृजेश कुमार मित्तल कांग्रेस के उन कट्टर, ईमानदार और समर्पित कार्यकर्ताओं में गिने जाते हैं, जिन्होंने हमेशा निस्वार्थ भाव से तन, मन और धन से पार्टी की सेवा की है। वर्षों से संगठन में सक्रिय रहने के बावजूद उन्होंने कभी किसी बड़े पद या व्यक्तिगत लाभ की अपेक्षा नहीं की। पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी, उसे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाया।

विपरीत राजनीतिक परिस्थितियों में भी जब कई बड़े नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे थे, तब बृजेश मित्तल पूरी मजबूती के साथ कांग्रेस के झंडे के साथ खड़े रहे। एक अवसर पर उन्होंने यहां तक कहा था कि, यदि जिले में कांग्रेस का कोई कार्यकर्ता नहीं बचेगा, तब भी मैं अकेला कांग्रेस का झंडा लेकर खड़ा रहूंगा।

नीमच जिला मुख्यालय पर आयोजित कांग्रेस के कार्यक्रमों की प्रशासनिक अनुमति लेने से लेकर कलेक्टर कार्यालय में होने वाली विभिन्न राजनीतिक बैठकों में पार्टी का पक्ष मजबूती से रखने तक, बृजेश मित्तल हमेशा अग्रिम पंक्ति में नजर आते हैं। मतदाता सूची पुनरीक्षण, संगठनात्मक गतिविधियों और जनहित के मुद्दों पर भी वे लगातार सक्रिय रहते हैं।

ऐसे समर्पित और अनुशासित नेता द्वारा सोशल मीडिया पर अपनी ही पार्टी के कुछ नेताओं की कार्यशैली को लेकर सार्वजनिक रूप से नाराजगी जताना यह संकेत देता है कि जिले में विपक्ष की भूमिका कहीं न कहीं कमजोर पड़ रही है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि बृजेश मित्तल जैसे जमीनी और प्रतिबद्ध कार्यकर्ता को इस प्रकार की पोस्ट करने के लिए मजबूर होना पड़ा है, तो निश्चित रूप से संगठन के भीतर आत्ममंथन की आवश्यकता है। यह स्थिति कांग्रेस नेतृत्व के लिए भी गंभीर चिंतन का विषय बन गई है।

कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन : पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस एवं महंगाई पर विरोध दर्ज कराया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर कांग्रेस एवं मन्दसौर ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस द्वारा पेट्रोल, डीजल, घरेलू रसोई गैस, खाद्य सामग्री की बढ़ती कीमतों तथा स्मार्ट मीटर के कारण बढ़े हुए बिजली बिलों के विरोध में केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष इष्टा भाचावत एवं मन्दसौर ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विकास दशोरा के नेतृत्व में भारत माता चौराहे से घंटाघर तक रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बढ़ती महंगाई को आम जनता पर बढ़ता आर्थिक बोझ बताया। वक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत आर्थिक एवं विदेश नीति के कारण पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे आमजन का जीवन प्रभावित हो रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मांग की कि पेट्रोल, डीजल, घरेलू गैस सिलेंडर एवं आवश्यक वस्तुओं की मूल्य वृद्धि को तत्काल वापस लिया जाए तथा स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं पर पड़ रहे अतिरिक्त आर्थिक भार को कम किया जाए। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से डॉ. प्रीतिपाल सिंह राणा, सुरेंद्र कुमावत, दिलीप देवड़ा, अम्बालाल हिंगोरिया, महेश गुप्ता, अजय मारू, लियाकत नीलगर, विजय मारू, पंकज जोशी, संजय बारेट, सुनील बसेर, विजय जैन, संजय नाहर, मनोहर नाहटा, आमीन खान, विजय सिसोदिया, रविंद्र कुमावत, विश्वनाथ सोनी, मनोहर गुर्जर, राखी सत्रावाला, सुनीता बंडी, साबीर इलेक्ट्रिक, जयस पालीवाल,बल्लू चौहान,कमल नकुम, मांगीलाल परमार, डॉ. चंद्रशेखर अहिरवार, दीपक दलोर, राजेश चौधरी, सुखदेव कुमावत, मंगल गवली, विकास जटिया, मजहर खान, वकार खान, आयुष माली, अखिलेश शर्मा, फारूक कुरैशी, नम्रता सत्रावाला, वर्षा सांखला, सुनीता माली, शैलेश माली, संजय मालवीय आदी।

नाहरगढ़ पुलिस की धरपकड़ में पिकअप ने उगला 260 किलो डोडाचूरा, 2 दिन रिमांड पर आरोपी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाहरगढ़ थाना निरीक्षक वरुण तिवारी के नेतृत्व में थाना पुलिस की धरपकड़ जारी है। ताजा मामले में एक पिकअप वाहन को पकड़ा है, जिसने 260 किलो डोडाचूरा उगला है। एक आरोपी को गिरफ्तार करना बताया है, जबकि एक आरोपी को फरार घोषित किया गया है। पकड़ाया आरोपी 2 दिन के रिमांड पर है। घटना में विनोद मीणा पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देशो के तारतम्य में टीएस बघेल अति. पुलिस अधीक्षक एवं कीर्ति बघेल एसडीओपी के मार्गदर्शन में कार्रवाई की अंजाम दिया गया है। मामले में मादक पदार्थ खरीद फरोख्त के संदर्भ में कड़ी से कड़ी जोड़ी जाएगी।

घटना अनुसार 07 जून को थाना नाहरगढ पर पदस्थ कार्यवाहक सउनि रशीद पठान को मुखबिर ने सूचना दी, बताया कि एक व्यक्ति पिकअप क्रमांक आरजे 17 जीए 4404 में अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा भरकर बडोद खंडेरिया काचर तरफ से कयामपुर रिस्थल विशन्या होते हुए झालावाड राजस्थान तरफ जाने वाला है। नाकाबन्दी की जावे तो आरोपी को मय अवैध मादक पदार्थ के साथ पकड़ा जा सकता हैं। इस पर तत्काल टीम द्वारा डिगांव बसई रोड बोलिया फंटा पर नाकाबंदी की गई। थोडी देर बाद रुपनी तरफ से एक पिकअप आती दिखी, जिसको गठित टीम द्वारा पकडा।

पिकअप वाहन चेक करते पिकअप में 13 प्लास्टिक के कट्टो में अवैध 260 किलो डोडाचूरा जप्त किया गया। गिरफ्तार आरोपी कुशाल सिंह पिता मानसिंह सोंधिया उम्र 42 वर्ष निवासी गुराडी का खेडा थाना भवानीमंडी जिला झालावाड है, जिसने बताया कि वह डोडाचूरा उसके जिले के शिवराज सिंह को देने जा रहा था। पुलिस ने उसे भी आरोपी बनाकर खोजबीन शुरू की है।

सीतामऊ में स्टेट अंडरआर्म क्रिकेट टूर्नामेंट विजेता मंदसौर इलेवन रहा, इंदौर इलेवन रहा उपविजेता

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश अंडरआर्म क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा तीन दिवस 5 से 7 जून को प्रतियोगिता का सीतामऊ नगर में पहली बार मेजबानी की। श्री राम विद्यालय खेल मैदान पर खेल महोत्सव का भव्य समापन हुआ। आयोजन में मुख्य आतिथ्य नगर परिषद अध्यक्ष मनोज शुक्ला, भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र बामनिया नप सभापति विवेक सोनगरा, जनपद सभापति कन्हैयालाल राठौर, करणी सेना तहसील पदाधिकारी दशरथ सिंह, लोकेंद्र सिंह, समाजसेवी सुनील परमार, सूरज चौहान, अभिनंदन क्लब उपाध्यक्ष लखन त्रिवेदी, युवा मोर्चा अध्यक्ष रोहित सोनी, मीडिया प्रभारी रोहित गुप्ता, नेपाल सिंह नकेडिया सहित उपस्थित अतिथियों खेल एसोसिएशन मध्यप्रदेश के सदस्यों द्वारा खेल खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर ट्रॉफ़ी एवं पुरस्कारों से पुरस्कृत सम्मानित किया गया। निर्णायक फाइनल मुकाबला इंदौर इलेवन एवं मंदसौर के बीच खेला गया, जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुवे इंदौर ने निर्धारित 6 ओवर में 57 रन 7 विकेट नुकसान पर बनाए। लक्ष्य का

पीछा करने उतरी मंदसौर इलेवन ने 5.5 गेंद में 58 रन 5 विकेट के नुकसान पर बनाकर फायनल निर्णायक मुकाबला जीत लिया। टूर्नामेंट बेस्ट खिलाड़ी रिहान इंदौर रहा, टूर्नामेंट का विजेता मंदसौर इलेवन बना उपविजेता इंदौर इलेवन रहा। टूर्नामेंट में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों नरसिंहपुर, मंदसौर, इंदौर, उज्जैन, रतलाम, से बालक बालिकाओं ने भाग लिया। भोजन एवं रहने की व्यवस्था खेल समिति द्वारा की गई। इस अवसर पर विशेष आतिथ्य मध्यप्रदेश अंडर आर्म खेल एसोसिएशन के सहसचिव देवेंद्र नायक, कोषाध्यक्ष पवन गंगोलिया, जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह बालावत, डिजिटल टेक्निकल जिला प्रभारी दानिश, तनीषा परसाई जिला प्रभारी, मप्र टेक्निकल डायरेक्टर रेफरी विश्वजीत सिंह तंवर ऑफ़िशल टीम सदस्य, खेल खिलाड़ियों,दर्शकगण उपस्थित रहे। टूनामेंट समापन कार्यकम मंच का संचालन अभिनंदन खेल क्लब अध्यक्ष विवेक सोनगरा ने किया। स्टेट टूर्नामेंट तीन दिवसीय आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग के करने वाले सभी का आभार मध्यप्रदेश अंडरआर्म खेल सदस्य कोच विश्वराजसिंह तंवर ने माना।

सिंगोली में 80 से अधिक मकान मालिक को डिस्मेंटल के नोटिस, नगर परिषद ने जारी किए आदेश

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद सिंगोली द्वारा नगरीय क्षेत्र में जर्जर एवं खतरनाक भवनों के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी गई है। परिषद ने नगर के 80 से अधिक मकान मालिकों को अपने भवनों को डिस्मेंटल (ध्वस्त) करने के आदेश जारी किए हैं। आदेश के तीन दिन में मकान मालिक उक्त जर्जर मकान को स्वयं हटाए अन्यथा नगर परिषद हटाएगी तो फिर उसका व्यय स्वयं को वहन करना पड़ेगा, प्राप्त जानकारी के अनुसार हाल ही में नगर में जर्जर मकान की छत गिरने से हुए मां बेटे की दर्दनाक मौत हो जाने एवं हादसे के बाद प्रशासन सतर्क हो गया है। जिला कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने जिले की सभी नगर निकाय ग्राम पंचायत नगर परिषद को इस बाबत सूचना पत्र निकाल कर के आगामी वर्षाकाल के पूर्व संबंधित कार्यवाही पूर्ण करने के लिए कहा गया हे निकाय द्वारा सर्वे कर ऐसे भवनों की पहचान की गई है जो काफी पुराने, क्षतिग्रस्त एवं जनहानि की आशंका वाले हैं। संबंधित भवन मालिकों को नोटिस

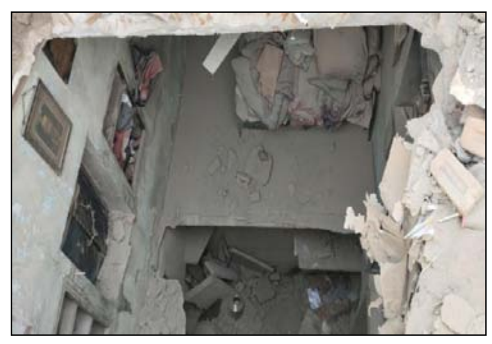

जारी कर निर्धारित समय सीमा में भवनों को सुरक्षित रूप से हटाने अथवा मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रभारी नगर परिषद अधिकारी कपिल सिंह राजावत ने बताया कि आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कार्रवाई की जा रही है। संबंधित वार्ड प्रभारियों से सर्वे करवा करके भवन मालिक को नोटिस जारी किया गया हे एक बार ओर इंजीनियर को साथ लेकर के उक्त भवन को चिन्हित किया जाएगा यदि निर्धारित समय में भवन मालिक आवश्यक कदम नहीं उठाते हैं तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा सकती है।

नगर में जारी इस कार्रवाई के बाद भवन मालिकों में हलचल देखी जा रही है। वहीं नागरिकों ने भी जर्जर भवनों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई का स्वागत करते हुए इसे जनहित में आवश्यक कदम बताया है।

मुनिश्री प्रणम्यसागरजी के मंगल प्रवेश पर उमड़ी श्रद्धा, मार्ग को रंगोलियों से सजाया गया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिगम्बर जैन मुनि अर्हं योग प्रणेता मुनिश्री प्रणम्यसागरजी महाराज का 11 वर्षो पश्चात संघ सहित नगर आगमन हुआ। मुनिश्री के आगमन को लेकर समाज में अत्यंत उत्साह का माहौल बना हुआ था। मुनिश्री का रविवार प्रातः 5.30 बजे बोतलगंज गांधी हर्बल से पद विहार प्रारंभ हुआ। 7.30 बजे महावीर द्वार चौराहा पर बैंडबाजों, ढोल व हाथी घोड़ों के साथ विशाल जन सैलाब ने मुनि संघ की अगवानी की। सकल जैन समाज द्वारा मुनिश्री का पाद प्रक्षालन कर पूजन आरती की गई।

मंगल प्रवेश की शोभायात्रा में महिला मंडल सर पर मंगल कलश व जैन चिन्ह के साथ आगे चल रही थी। समाज के युवा नाचते गाते भक्ति करते हुए मुनिश्री के साथ चल रहे थे। जय जय गुरुदेव की गूंज के साथ भक्तगणों ने पूरे मार्ग को भक्ति के रंग से सराबोर कर दिया। विहार पूरे मार्ग को सुन्दर रंगोलीयों से सजाया गया था।बमुनिश्री के तार बंगला मंदिर पहुंचने पर समाज के नन्हे बच्चों ने गुरुदेव की मंगल अगवानी करते हुए भक्ति नृत्य किया। मंदिर परिसर के बाहर पंडाल में बने विशाल मंच पर प्रणम्यसागरजी महाराज व चारों ऐलक महाराज विराजित हुए। मुनिश्री ने विशाल जनसमुदाय को संबोधित करते हुए प्रवचन में कहा कि अपनी आत्मा के विकास के लिए ''ऊँ अर्हं नमः'' का जाप करे। इस छोटे से मंत्र के उच्चारण से पंच परमेष्ठी और चौबीस तीर्थंकर के स्मरण का जाप हो जाता है। मुनिश्री ने कहा ऊँ अर्हं आत्मिक व मानसिक शांति प्रदायक मंत्र है। उन्होंने कहा धर्म के मर्म को समझें क्योंकि धर्म दिखावे का नाम नहीं,धर्म तो स्वयं के भीतर महसूस करने का नाम है। प्रवचन से पूर्व नमन जैन व चिन्मय कियावत द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से अर्हं योग की दस वर्षीय यात्रा की झलकियां दिखाई गई, उन्होंने बताया भारत के साथ 14 देशों में अर्हं योग पहुंच गया है। विश्व के 10 लाख श्रद्धालु इससे जुड़े हैं। अर्हं योग के माध्यम से गौशाला, चिकित्सा, समाजसेवा, धर्म सेवा, शिक्षा, संस्कार सहित अनेक प्रकल्प चलाये जा रहे हैं। धर्मसभा के प्रारंभ में चैत्या बड़जात्या, गर्वी जैन, प्रांजल जैन व पीहू जैन ने मंगलाचरण किया, आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के चित्र का अनावरण व दीप प्रज्वलन राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिला महामंत्री विजय सुराणा, सकल जैन समाज अध्यक्ष श्री लोकेन्द्र जैन, महामंत्री शेखर कासमा संयोजक श्री सुरेन्द्र लोढ़ा, श्री शांतिलाल जयकुमार बड़जात्या, विजयेन्द्र कुमार मनीष सेठी, राजकुमार अजय बाकलीवाल, अनिल कियावत व संजय मुरड़िया ने किया। पाद प्रक्षालन का लाभ श्री पं. विजयकुमार नेमकुमार समर गांधी परिवार को प्राप्त हुआ। समाज की महिला मण्डलों के अध्यक्ष, सचिव द्वारा मुनिश्री को शास्त्र भेंट किये गये। मुनिश्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लेने वालो में मुनिप्रणम्य सागर प्रवास समिति अध्यक्ष जयकुमार बड़जात्या, सकल दिगम्बर जैन समाज अध्यक्ष अनिल जैन, मुनि सेवा समिति अध्यक्ष अरविंद मेहता, संजय दोशी, भूपेन्द्र कोठारी, संजय कोठारी, विनोद जैन आदि शामिल थे। धर्मसभा का संचालन डॉ. चंदा भरत कोठारी ने किया। इस अवसर पर दिल्ली मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद, फिरोजाबाद, उदयपुर, नीमच, दलौदा, मनासा आदि अनेक स्थानों के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

रात के अंधेरे में ट्रैक्टर चोरी, कंजार्डा पुलिस ने 6 दिन में किया खुलासा; एक गिरफ्तार, एक फरार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की कंजार्डा चौकी पुलिस ने चोरी गए ट्रैक्टर को महज 6 दिनों के भीतर बरामद कर बड़ी सफलता हासिल की है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 8 लाख रुपये कीमत का ट्रैक्टर बरामद किया है। वहीं वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है।

पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया एवं एसडीओपी निकिता सिंह के मार्गदर्शन में संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार फरियादी का लाल रंग का मेसी फर्गुसन 1035 ट्रैक्टर 27-28 मई 2026 की दरमियानी रात अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गए थे। मामले में 1 जून को थाना मनासा में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

विवेचना के दौरान मुखबिर तंत्र और साइबर टीम की सहायता से कंजार्डा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अजय पिता गोपाल धाकड़ (21 वर्ष), निवासी चौकड़ी, थाना मनासा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी मनीष पिता गोपाल प्रजापत निवासी बलकुंडी, थाना जावदा, जिला चित्तौड़गढ़ के साथ मिलकर ट्रैक्टर चोरी करना स्वीकार किया।

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर करीब 8 लाख रुपये कीमत का मेसी फर्गुसन 1035 ट्रैक्टर बरामद कर लिया। साथ ही घटना में उपयोग की गई करीब 1.50 लाख रुपये कीमत की एक्सट्रीम मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। इस प्रकार पुलिस ने कुल 9.50 लाख रुपये का मशरूका बरामद किया है।

फिलहाल फरार आरोपी मनीष प्रजापत की तलाश जारी है और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निलेश अवस्थी, उपनिरीक्षक श्याम कुमावत, एएसआई पन्नालाल चौहान, प्रधान आरक्षक प्रदीप शिंदे (जिला साइबर टीम), आरक्षक मोहन, कृष्णपाल एवं ईश्वर सहित कंजार्डा चौकी और साइबर टीम की सराहनीय भूमिका रही।

डीएपी के विकल्प के रूप में एसएसपी तथा यूरिया की जगह अमोनियम सल्फेट का उपयोग किया जा सकता है-अशोक कुमठ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध के कारण उर्वरकों की उपलब्धता प्रभावित होने की आशंका के बीच किसानों को संतुलित एवं वैकल्पिक खादों के उपयोग पर जोर देना चाहिए। यह बात एफएआई (फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया), नई दिल्ली के सदस्य अशोक कुमठ (पिपलिया मंडी) ने रेवास देवडा में आयोजित संतुलित एवं वैकल्पिक खाद की उपयोगिता विषयक कार्यशाला में कही।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुमठ ने कहा कि देश में प्रतिवर्ष बड़ी मात्रा में डीएपी और यूरिया की खपत होती है, लेकिन खाड़ी क्षेत्र में युद्ध जैसी परिस्थितियों के कारण उर्वरकों के आयात पर असर पड़ रहा है। इससे खाद की उपलब्धता प्रभावित होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में सरकार पर अनावश्यक दबाव बनाने के बजाय किसानों को धैर्य, संयम और समझदारी के साथ उपलब्ध विकल्पों को अपनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि सरकार किसानों को राहत देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूरिया के दाम बढ़ने के बावजूद किसानों को भारी सब्सिडी देकर सस्ती दरों पर उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके बावजूद किसानों को अंधाधुंध यूरिया के उपयोग से बचना होगा और मिट्टी की वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही खाद का प्रयोग करना चाहिए। कुमठ ने कहा कि प्रत्येक किसान को अपने खेत का सॉयल हेल्थ कार्ड अनिवार्य रूप से बनवाना चाहिए तथा उसमें दी गई अनुशंसाओं के अनुसार ही उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए। इससे उत्पादन लागत कम होगी, भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहेगी और फसलों को संतुलित पोषण मिलेगा। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वर्तमान परिस्थितियों में डीएपी के विकल्प के रूप में सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) तथा यूरिया के विकल्प के रूप में अमोनियम सल्फेट का उपयोग किया जा सकता है। ये उर्वरक फसलों की पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ मिट्टी के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाए रखने में सहायक हैं। कार्यशाला में उपस्थित किसानों को संतुलित पोषण प्रबंधन, उर्वरकों के वैज्ञानिक उपयोग तथा उपलब्ध वैकल्पिक खादों की जानकारी दी गई। किसानों ने भी उर्वरकों की उपलब्धता और उपयोग से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछकर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

खिमला प्लांट में बड़ा हादसा, ग्रीनको के सुरक्षा दावों की खुली पोलः 100 फीट ऊपर से गिरी लिफ्ट, 5 मजदूर घायल, 1 गंभीर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के रामपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खिमला में निर्माणाधीन ग्रीनको हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में रविवार को एक बार फिर सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ गईं। प्लांट में करीब 100 फीट की ऊंचाई से एक लिफ्ट धड़ाम से अचानक नीचे आ गिरी।

लिफ्ट में 7 लोग सवार थे, इस भीषण हादसे में 5 मजदूरों के घायल होने की खबर आ रही है, जिनमें से एक की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है । हादसे के बाद प्लांट प्रबंधन में हड़कंप मच गया।

आनन-फानन में प्लांट के निजी डॉक्टरों ने घायलों को संभालने की कोशिश की, लेकिन स्थिति बिगड़ती देख सभी 7 मजदूरों को तीन अलग-अलग एम्बुलेंस के जरिए जिला चिकित्सालय नीमच रेफर किया गया है।

सच छुपाने की कोशिश- कर्मचारियों के मोबाइल छीने !

सूत्रों से मिली बेहद चौंकाने वाली जानकारी और चर्चा के मुताबिक, हादसे के तुरंत बाद ग्रीनको प्रोजेक्ट के जिम्मेदार अधिकारियों ने सच को दबाने और मामले को दबाने की कवायद शुरू की...बताया जा रहा है कि मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों और कर्मचारियों के मोबाइल फोन जबरन छीन लिए गए ताकि कोई वीडियो या

तस्वीर बाहर न आ सके। हालांकि एसडीएम किरण आंजना ने ऐसे किसी भी आरोप को खारिज कर दिया है।

बड़ा सवाल- क्या सिर्फ टूरिज्म और स्वागत-सत्कार के लिए आए थे मंत्री जी?

इस पूरे घटनाक्रम ने प्रदेश के नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला के दावों और प्रशासनिक समीक्षा की पोल खोलकर रख दी है। गौर करने वाली बात यह है कि महज तीन दिन पहले, 4 तारीख (गुरुवार) को ही मंत्री राकेश शुक्ला ने इस निर्माणाधीन साइट का दौरा किया था।

बढ़ा चढ़ा कर बताया गया था कि मंत्री जी ने प्रोजेक्ट साइट पर पहुंचकर निर्माण कार्यों की प्रगति और सुरक्षा मानकों का विस्तृत जायजा लिया। अधिकारियों की बैठक लेकर उच्च गुणवत्ता और सुरक्षा के कड़े निर्देश दिए। इस दौरान रामपुरा एसडीएम किरण आजना, अक्षय ऊर्जा विभाग के अधिकारी राठौर सहित कई विभागों के आला अफसर भी मौजूद थे।

उठ रहे तीखे सवाल- मंत्री राकेश शुक्ला के दौरे के ठीक तीसरे दिन ही इतना बड़ा हादसा होना यह साबित करता है कि वह दौरा सिर्फ एक पॉलिटिकल टूरिज्म टूर था। बीजेपी कार्यकर्ताओं और नेताओं से मिलना, गले में दुपट्टे डलवाना और अधिकारियों के साथ बैठकर पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन देखना ही क्या असली समीक्षा है ? अगर सुरक्षा मानकों की गंभीरता से जांच हुई थी, तो 100 फीट ऊपर चल रही लिफ्ट का मेंटेनेंस क्यों नहीं परखा गया?

विकास की लापरवाहीपूर्ण दौड़ में कब तक बहेगा मजदूरों का खून- आए दिन सुर्खियों और विवादों में रहने वाले खिमला ग्रीनको प्लांट में मजदूरों की सुरक्षा को हमेशा दांव पर रखा जाता रहा है।

आज का यह हादसा प्रबंधन की आपराधिक लापरवाही का नतीजा है। प्रशासन वाकई इस घटना को गंभीरता से लेता है तो हाथ पर हाथ धरे बैठने के बजाए सक्रियता दिखाते हुए कुछ कड़े कदम उठाने होंगे।

सबूतों की सुरक्षा- प्रशासन तुरंत दखल दे ताकि उपलब्ध मोबाइल फुटेज (यदि कोई है तो) और मौके पर मौजूद तकनीकी साक्ष्यों से ग्रीनको प्रबंधन छेड़छाड़ न कर सके।

घायलों का निशुल्क उच्च स्तरीय इलाज- जिला चिकित्सालय में लाए जा रहे मजदूरों को बिना किसी लापरवाही के त्वरित इलाज मिले।

कारवाई की दरकार- लापरवाह अधिकारियों को गिरफ्तार कर उन पर और ग्रीनको के शीर्ष प्रबंधन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए ।

जब तीन दिन पहले हुए मंत्रियों और अफसरों के दौरों का यह हश्र है, तो भगवान भरोसे चल रहे इस खिमला प्रोजेक्ट में मजदूरों की जान की कीमत आखिर क्या रह जाती है, इसका जवाब अब शासन-प्रशासन को देना होगा।

हादसे के वक्त लिफ्ट में कुल 7 लोग सवार थे, जिनमें से 2 मजदूर पूरी तरह सामान्य हैं। शेष 5 घायलों में से एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

सभी घायलों को तुरंत उपचार के लिए एम्बुलेंस के माध्यम से नीमच के निजी अस्पताल भेजा गया है। घटना की सूचना मिलते ही हम सभी प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे हैं । जहां तक प्रबंधन द्वारा लापरवाही बरतने या घटना को छुपाने के प्रयास की बात है, तो फिलहाल ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। प्रबंधन द्वारा हादसे के तुरंत बाद प्रशासन को इसकी सूचना दे दी गई थी।

– किरण आंजना, एसडीएम, मनासा

सम्पादकीय

वैश्विक व्यवस्था में बढ़ा सौदेबाजी का चलन, क्या भारत बनेगा नई उम्मीद?

वर्तमान समय में अंतराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ राष्ट्रों की विदेश नीति से जुड़े व्यवहार को सौदेबाजी की तरह देखते हैं। यह सौदेबाजी द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अस्तित्व में आई नियम आधारित अंतराष्ट्रीय वैश्विक व्यवस्था की साख में सेंध लगने का सबूत माना जा रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद तैयार अंतराष्ट्रीय व्यवस्था में भी तमाम खामियां और असमानताएं थीं मगर इनके बावजूद इसका एक अपना रसूख हुआ करता था।

यह व्यवस्था संयुक्त राष्ट्र जैसे सशक्त अंतराष्ट्रीय संस्थानों के साथ-साथ उन मुद्दों से निपटने के लिए बहुपक्षीय प्रक्रियाओं में भागीदारी पर आधारित थी जिनके दुनिया के लिए दूरगामी परिणाम हो सकते थे।

17वीं शताब्दी से चरणों में विकसित अंतराष्ट्रीय कानूनों को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता था। राष्ट्रों के बीच द्विपक्षीय संबंध प्राथमिक समीकरण बने रहे मगर उन्हें एक व्यवस्थित राजनीतिक वातावरण को ध्यान में रखकर आगे बढ़ाया जाता था। शक्ति को वैधता के साथ संतुलित करना आवश्यक था। अंतराष्ट्रीय संबंधों में होने वाली सौदेबाजी में ताकत स्वयं वैधता का स्रोत बन जाती है और फिर बेलगाम हो जाती है। इस नई सौदेबाजी वाली व्यवस्था में द्विपक्षीय लेनदेन को प्राथमिकता दी जाती है जहां प्रभाव प्रत्यक्ष होता है और परिणाम तत्काल दिखने लगते हैं।

पारस्परिकता पर जोर दिया जाता है और रियायतें सशर्त और अस्थायी होती हैं। बहुपक्षीय मंचों में परिणाम अव्यवस्थित हो सकते हैं, लाभ सामाजिक हो सकते हैं और दीर्घकालिक रूप से अधिक व्यापक हो सकते हैं।

भले ही बहुपक्षीय मंच बने रहें और राष्ट्र जलवायु परिवर्तन या साइबर सुरक्षा जैसे वैश्विक मुद्दों पर बातचीत करने के लिए एकत्रित होते रहें मगर परिस्थितियां अब भिन्न हैं। ये मंच अब सहयोगात्मक नतीजे हासिल करने वाले स्थान नहीं रह गए हैं। इसके बजाय वे भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्द्धा के मंच बन गए हैं। सौदेबाजी पर आधारित वैश्विक व्यवस्था की एक और विशेषता अंतर-राज्यीय संबंधों के संचालन में चपलता और रफ्तार पर दिया जाने वाला जोर है। किसी अंतराष्ट्रीय घटना पर त्वरित प्रतिक्रिया, सोच-समझकर और सावधानीपूर्वक की गई प्रतिक्रिया से अधिक अहम मानी जा रही है।

इसका कारण यह है कि सोशल मीडिया ने राजनीतिक समयसीमा को संकुचित कर दिया है और व्यावसायिक निर्णयों की तरह ही भू-राजनीतिक दांवपेंच में प्रतिस्पर्द्धियों को पछाड़ना आवश्यक हो गया है।

राष्ट्रों की विदेश नीति में सौदेबाजी का चलन अक्सर एक नेता के प्रभाव वाली विदेश नीति से जुड़ा होता है जिसकी प्राथमिकते घरेलू राजनीतिक शक्ति होती है। यद्यपि, घरेलू राजनीति हमेशा विदेश नीति को प्रभावित करेगी मगर इस सौदेबाजी के अंतर्गत विदेश नीति अक्सर घरेलू राजनीति का एक साधन बन जाती है। इस प्रकार, राष्ट्रीय हित से सरोकार रखे बिना अंतराष्ट्रीय स्तर पर नेता की एक असाधारण छवि बनाना विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य बन सकता है। यह डॉनल्ड ट्रंप के अमेरिका में सबसे अधिक दिखाई दे रहा है मगर यह केवल वहीं तक सीमित नहीं है।

वैश्विक शासन के मूल में एक गहरा विरोधाभास निहित है। हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जब वैश्विक आयाम वाले अंतराष्ट्रीय मुद्दों का महत्व काफी बढ़ गया है। हम जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौती का सामना कर रहे हैं। हम कोविड-19 महामारी के कारण हुई मानवीय क्षति का गवाह रहे हैं जो किसी एक राष्ट्र तक सिमट कर नहीं रही।

इसी प्रकार साइबर सुरक्षा भी एक वैश्विक चुनौती है और केवल अंतराष्ट्रीय सहयोग ही आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) पर लगाम लगा सकता है। एआई हमारे जीवन को पूरी तरह से बदल सकती है। ये वास्तव में वैश्विक चुनौतियां हैं जिनका समाधान केवल वैश्विक, सहयोगात्मक उपायों से ही संभव है। ठीक ऐसे समय में जब इन उपायों को लागू करने के लिए सशक्त अंतराष्ट्रीय संस्थानों और प्रभावी बहुपक्षीय प्रक्रियाओं की सबसे अधिक आवश्यकता है, दुनिया विपरीत दिशा में आगे बढ़ रही है। आखिर, इस विरोधाभास का कारण क्या है? क्या राजनेताओं और नीति निर्माताओं के बीच समझ की कमी है या कुछ गहरी संरचनात्मक शक्तियां काम कर रही हैं जो सामूहिक और समन्वित कार्रवाई की अनिवार्यता को तर्कसंगत स्तर पर स्वीकार करने से इनकार कर रही हैं?

क्या पुतिन ने एक वाक्य में बदलती दुनिया का सच कह दिया?

इतिहास के कठिन दौर ही रिश्तों की असली परीक्षा लेते हैं। ऐसे समय में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भारत को ÷दुनिया के सबसे भरोसेमंद साझेदारों में से एक÷ बताना महज़ कूटनीतिक वाक्य नहीं है। 4 जून 2026 को सेंट पीटर्सबर्ग में दिया गया उनका बयान ऐसे समय आया, जब यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया नए राजनीतिक खाँचों में बँटती दिख रही है। प्रतिबंधों से घिरा रूस अपने विश्वसनीय मित्रों को पहचान रहा है और भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से अलग सम्मान पा रहा है। पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए भारत पर पश्चिमी दबाव को ÷निष्फल और प्रतिकूल÷ बताया। यह केवल मित्रता की प्रशंसा नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत के बढ़ते महत्व की स्वीकारोक्ति है।

अंतराष्ट्रीय संबंधों में शब्द अक्सर परिस्थितियों का आईना होते हैं। पुतिन की भारत-प्रशंसा को भी इसी संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिए। यूक्रेन संघर्ष के बाद रूस पश्चिमी प्रतिबंधों और राजनीतिक दबाव का सामना कर रहा है। ऐसे समय में भारत उन विरले देशों में रहा, जिसने अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार रूस से संबंध बनाए रखे। न उसने किसी दबाव के आगे झुकना स्वीकार किया, न अपनी विदेश नीति का मार्ग बदला। पुतिन भलीभांति समझते हैं कि भारत जैसा मित्र केवल आर्थिक सहयोगी नहीं, बल्कि कूटनीतिक संबल भी है। इसलिए उनका यह बयान प्रशंसा से अधिक उस विश्वास की अभिव्यक्ति है, जिस पर रूस भविष्य की अपनी रणनीति का एक महत्वपूर्ण आधार देखता है।

पुतिन के बयान का एक संभावित संकेत चीन की ओर भी है। रूस और चीन भले ही अटूट साझेदारी का दावा करें, लेकिन उनके संबंधों में रणनीतिक सतर्कता बनी रहती है। चीन की बढ़ती आर्थिक, तकनीकी और सैन्य शक्ति ने एशिया का शक्ति-संतुलन बदल दिया है। मॉस्को समझता है कि बीजिंग पर अत्यधिक निर्भरता उसकी स्वतंत्र भूमिका को सीमित कर सकती है। ऐसे में भारत के साथ मजबूत संबंध उसे संतुलन देते हैं। यही कारण है कि पुतिन ने ब्रह्मोस, रक्षा सहयोग और उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकी साझेदारी का विशेष उल्लेख किया। इसे मुख्य रूप से चीन के विरुद्ध संदेश न मानकर, एशिया में शक्ति-संतुलन साधने की रूस की दीर्घकालिक कूटनीतिक रणनीति के रूप में देखा जाना चाहिए।

भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी पहचान उसकी स्वतंत्रता है। यही कारण है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत पर पड़ रहे अमेरिकी दबाव के बीच उसकी नीति की सराहना की। अमेरिका लंबे समय से रूस से जुड़े ऊर्जा और रक्षा संबंधों को लेकर भारत को अपने अधिक निकट लाने का प्रयास करता रहा है। इसके बावजूद नई दिल्ली ने स्पष्ट किया है कि उसके निर्णय राष्ट्रीय हितों से संचालित होंगे, किसी बाहरी दबाव से नहीं। पुतिन ने इसी आत्मविश्वास की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत जैसे उभरते राष्ट्र पर दबाव डालना उलटा पड़ सकता है। उनका संदेश केवल वाशिंगटन के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए था कि भारत अब अपनी राह स्वयं तय करने वाली शक्ति है।

आज भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक शक्ति उसका संतुलित और स्वतंत्र दृष्टिकोण है। भारत एक ओर रूस से ऊर्जा, रक्षा उपकरण और सामरिक सहयोग प्राप्त कर रहा है, तो दूसरी ओर अमेरिका के साथ तकनीक, निवेश और सुरक्षा साझेदारी भी मजबूत कर रहा है। चीन से प्रतिस्पर्धा के बावजूद व्यापारिक संबंध भी बने हुए हैं। यही संतुलन भारत को वैश्विक राजनीति में अलग पहचान देता है। पुतिन ने मोदी सरकार की आर्थिक उपलब्धियों और तेज विकास दर की सराहना करते हुए संकेत दिया कि भारत अब किसी शक्ति-गुट का अनुसरण करने वाला देश नहीं, बल्कि विश्व राजनीति का एक स्वतंत्र और प्रभावशाली शक्ति केंद्र बन चुका है।

भारत-रूस संबंध अब केवल कूटनीति तक सीमित नहीं, बल्कि आर्थिक सहयोग से भी नई मजबूती हासिल कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में दोनों देशों का व्यापार लगभग 68.7 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें रूसी तेल, गैस और कोयले की प्रमुख भूमिका रही। पुतिन द्वारा 100 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य का उल्लेख इस बात का संकेत है कि रूस भारत को केवल मित्र नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक साझेदार मानता है। ऊर्जा, अंतरिक्ष, परमाणु सहयोग, रक्षा उत्पादन और उन्नत प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार विस्तार पा रहा है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच दोनों देश एक-दूसरे की क्षमताओं को अपने विकास का महत्वपूर्ण आधार मान रहे हैं।

मित्रता जितनी गहरी होती है, उसकी चुनौतियां भी उतनी ही वास्तविक होती हैं। भारत-रूस संबंधों के सामने भी व्यापार असंतुलन, भुगतान व्यवस्था की बाधाएं, रक्षा खरीद में भारत की नई प्राथमिकताएं और रूस-चीन की बढ़ती निकटता जैसे प्रश्न मौजूद हैं। इसलिए पुतिन ने भारत-चीन सीमा पर तनाव कम करने के प्रयासों का स्वागत किया। यह केवल एक टिप्पणी नहीं, बल्कि रूस का यह संदेश था कि वह एशिया में स्थिरता और संतुलन का पक्षधर है। साथ ही, वह यह भरोसा भी दिलाना चाहता है कि चीन से उसके संबंध भारत के हितों की कीमत पर नहीं हैं। भारत के लिए यह आश्वासन महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसकी विदेश नीति का आधार केवल राष्ट्रीय हित है।

विश्व राजनीति में कुछ वक्तव्य तत्कालीन घटनाओं से आगे जाकर भविष्य की दिशा भी बताते हैं। पुतिन का भारत को ÷भरोसेमंद साझेदार÷ कहना ऐसा ही संकेत है। यह केवल भारत-रूस संबंधों की निकटता नहीं, बल्कि आकार ले रही नई वैश्विक व्यवस्था की झलक है। एकध्रुवीय प्रभुत्व का दौर पीछे छूट रहा है और नई शक्तियां उभर रही हैं। ब्रिक्स का विस्तार, वैश्विक दक्षिण का बढ़ता प्रभाव और भारत की भूमिका इसी परिवर्तन के संकेत हैं। रूस का यह सार्वजनिक विश्वास एक स्पष्ट संदेश देता है–भारत अब किसी समीकरण का हिस्सा नहीं, बल्कि स्वयं एक निर्णायक समीकरण है। इसलिए पुतिन का यह बयान केवल कूटनीतिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की स्पष्ट स्वीकारोक्ति है।

-प्रो. आरके जैन

घर पर सहज योग ध्यान कैसे करें

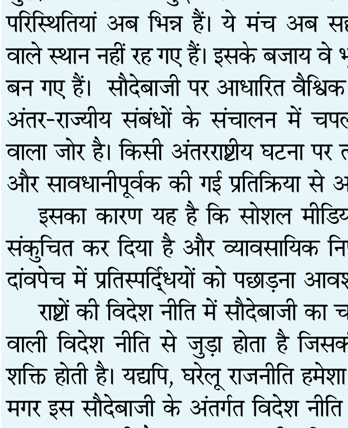

यदि किसी कारणवश सेंटर जाने की असमर्थता हो तो हम घर बैठे भी आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर सकते हैं। इससे भी हमें सहज योग माध्यम से प्राप्त होने वाले चैतन्य की अनुभूति हो सकती है व नियमित ध्यान से गहनता भी प्राप्त हो सकती है। तो चलिये स्टेप बाय स्टेप ध्यान की प्रक्रिया को समझते हैं।

सबसे पहले घर का एक शांत कमरा चुनें और जमीन पर या कुर्सी पर आराम से बैठें। हमें अपनी परमपूज्य माताजी श्री निर्मला देवी की एक फोटो को सामने रखना है। यदि फोटो नहीं है तो मोबाइल पर भी एक बार माँ को ध्यान से देखकर आंखें बंद कर लें। अपने हृदय में आदि शक्ति (श्री माताजी) का आह्वान करें, उनसे प्रार्थना करें कि,हे परमपूज्य श्री माताजी कृपया मेरे हृदय मे आइये। माँ, मैं आत्मसाक्षात्कार पाना चाहता/चाहती हूँ। माँ मुझपर कृपा करें और मुझे मेरा आत्मसाक्षात्कार प्रदान कीजिये। अपना ध्यान अपने सिर के सबसे ऊपरी भाग (तालु) पर केंद्रित करें, जिसे योग की भाषा में सहस्त्रार कहते हैं। यदि विचार ज्यादा आयें तो श्वास प्रक्रिया पर ध्यान देना है, कुछ पल श्वास को रोक लेना है, विचार भी थम जायेंगे।

ध्यान के स्टेप्स को पहले अच्छी तरह समझ लेना है फिर ध्यान शुरु करना है। ध्यान के दौरान दोनों हथेलियों की स्थिति पर ध्यान रखना है। हथेलियों व सिर के तालु भाग में दिव्य चैतन्य की अनुभूति होती है। ध्यान के स्टेप्स इस प्रकार हैं-

1) बायाँ हाथ गोद में खुला रखेंगे। अपना दाहिना हाथ अपने हृदय पर रखकर हम प्रार्थना करेंगे, हे परमपूज्य श्री माताजी आपकी असीम कृपा से मैं एक पवित्र आत्मा हूँ। (इसे सात बार दोहरायें)। हाथ ऐसे ही रखते हुए कुछ पल हृदय में ध्यान करेंगे।

2) दाहिने हाथ को धरती पर रखेंगे प्रार्थना करेंगे, हे परमपूज्य श्री माताजी मेरे बांयी ओर की समस्त बाधाओं को धरा तत्व में खींच लें। मेरे बांयी नाडी को संतुलन प्रदान करें। हाथ ऐसे ही रखते हुए कुछ पल ध्यान करेंगे।

3) बांये हाथ को कोहनी से मोड़कर आकाश की ओर करेंगे। दाहिना हाथ खुला हुआ गोद में। प्रार्थना करेंगे, हे परमपूज्य श्री माताजी कृपा कर मेरी दाहिनी ओर की समस्त बाधाओं को आकाश तत्व में खींच लें। मेरी दाहिनी ओर की नाड़ी को स्वच्छ कर दें। कुछ पल इसी स्थिति में ध्यान करेंगे।

4) दाहिना हाथ अपने माथे पर रखते हुए अपने सिर को श्रद्धापूर्वक सामने की ओर झुकायेंगे। प्रार्थना करेंगे, हे परमपूज्य श्री माताजी मैंने सभी को क्षमा कर दिया है, मैंने स्वयं को भी क्षमा कर दिया है। इसी अवस्था में कुछ देर ध्यान करेंगे।

5) अपने दाहिने हाथ को अपने सिर के उपर तालु भाग पर रखेंगे। प्रार्थना करेंगे, हे परमपूज्य श्री माताजी हमें हमारा आत्मसाक्षात्कार प्रदान करें। हथेली को अपने तालु भाग पर गोल गोल घुमाते हुये इस प्रार्थना को सात बार दोहरायेंगे। हाथ को एक दो बार तालु भाग में उपर नीचे करते हुये चैतन्य की अनुभूति लेने का प्रयास करेंगे।

धीरे से अपनी दोनों हथेलियों को आकाश की ओर करके अपनी गोद में रखेंगे। अपनी हथेलियों या सिर के ऊपर एक ठंडी हवा (डिवाइन वाइब्रेशन) का अनुभव करने का प्रयास करेंगे। किसी भी बात का विचार न करेंगे (निर्विचारिता)। बस शांत रहेंगे और इस दिव्य प्रेम (परम ऊर्जा) को महसूस करेंगे।

आर्थिक सुधारों को गति मिले

प्रधानमंत्री ने अपनी आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्यों के साथ बैठक कर मौजूदा आर्थिक समस्याओं से निपटने पर जो मंथन किया, वह समय की मांग थी। विश्व स्तर पर जारी उथल-पुथल और विशेष रूप से पश्चिम एशिया संकट ने अन्य देशों के साथ-साथ भारत की अर्थव्यवस्था के सामने भी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

सबसे बड़ी चुनौती खाड़ी के देशों से तेल एवं गैस की आपूर्ति में बाधा के कारण खड़ी हुई है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बावजूद हालात सामान्य होने के कोई आसार नहीं दिखते। हालात तब तक सामान्य होने वाले नहीं हैं, जब तक होर्मुज समुद्री मार्ग बाधित रहता है। अमेरिका तमाम प्रयासों के बावजूद ईरान पर ऐसा दबाव नहीं डाल पा रहा है, जिससे यह जलमार्ग जहाजों के सुरक्षित आवागमन के लिए खुल सके।

चूंकि युद्धविराम के बाद भी अमेरिका और ईरान एक-दूसरे के ठिकानों को निशाना बनाते रहते हैं, इसलिए तेल एवं गैस के दाम कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। यह ठीक है कि पश्चिम एशिया संकट ने अर्थव्यवस्था के समक्ष जो कठिनाइयां पैदा की हैं, उन्हें दूर करने के लिए अनेक उपाय किए गए हैं, लेकिन अभी उन्हें पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। ऊर्जा संसाधनों की बचत और मितव्ययिता बरतने के सुझावों पर कितना भी अमल हो, वह एक हद तक ही प्रभावी हो सकता है।

इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होने से भारत का आयात बिल बढ़ रहा है और उधर अमेरिका के साथ होने वाले व्यापार समझौते के संपन्न होने की कोई सूरत नहीं दिख रही है। अच्छी बात यह है कि देश के विशालकाय मध्य वर्ग की क्रय क्षमता के चलते वैसा कोई गंभीर आर्थिक संकट खड़ा होता नहीं दिख रहा है, जैसा कुछ विपक्षी नेता बता रहे हैं, लेकिन यदि पश्चिम एशिया संकट लंबा खिंचा तो समस्याएं और अधिक बढ़ सकती हैं। इससे कारोबार जगत के साथ आम लोग भी प्रभावित होंगे।

इन स्थितियों में यह आवश्यक है कि सभी वांछित आर्थिक सुधारों की दिशा में तेजी के साथ आगे बढ़ा जाए। यह समझा जाए कि कारोबारी सुगमता को वास्तव में और बेहतर बनाने की आवश्यकता है, क्योंकि हमारे प्रमुख उद्योगपति देश में उतना निवेश नहीं कर रहे हैं, जितना उन्हें करना चाहिए। इसी के साथ सरकार को यह भी देखना होगा कि विदेशी निवेशक पर्याप्त मात्रा में पूंजी का निवेश क्यों नहीं कर रहे हैं?

बीते दिनों उन्हें आकर्षित करने के लिए कुछ कदम अवश्य उठाए गए हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि उनके सकारात्मक परिणाम भी सामने आएं। भारत को इस पर विशेष ध्यान देना होगा कि आवश्यक वस्तुओं के आयात पर निर्भरता कम हो और निर्यात बढ़े। निःसंदेह यह तभी संभव होगा, जब सरकार और उद्योग जगत चुनौतियों का सामना मिलकर करेंगे।

-धनंजय राजौरा

संपत्ति की जांच कब होगी?

देश में जब भी भ्रष्टाचार, काले धन और आय से अधिक संपत्ति की चर्चा होती है, तब आम नागरिक के मन में एक सवाल बार-बार उठता है–आखिर संपत्ति की व्यापक और निष्पक्ष जांच कब होगी? शहरों के सेक्टरों, पॉश कॉलोनियों और विकसित क्षेत्रों में खड़ी होती आलीशान कोठियां, महंगे फार्म हाउस, बहुमंजिला इमारतें और करोड़ों रुपये की अचल संपत्तियां अक्सर लोगों को सोचने पर मजबूर कर देती हैं। यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि इन संपत्तियों का निर्माण किन आय स्रोतों से हुआ है और क्या इनकी कीमत संबंधित व्यक्तियों की घोषित आय के अनुरूप है। यह प्रश्न किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि व्यवस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा हुआ है।

लोकतंत्र में नागरिकों का विश्वास तभी मजबूत रहता है जब उन्हें यह भरोसा हो कि कानून सबके लिए समान है। यदि कोई व्यक्ति अपनी मेहनत, प्रतिभा, व्यवसाय, नौकरी या निवेश के माध्यम से संपन्न बनता है तो यह उसकी सफलता का प्रमाण है और उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन जब किसी व्यक्ति की आय और संपत्ति के बीच असामान्य अंतर दिखाई देता है, तब जांच की मांग भी स्वाभाविक हो जाती है। संपत्ति अर्जित करना अपराध नहीं है, लेकिन उसकी वैधता और स्रोत का स्पष्ट होना आवश्यक है। यही सुशासन और जवाबदेही का मूल आधार है।

आज भारत के अधिकांश शहरों में ऐसे क्षेत्र विकसित हो चुके हैं जहां करोड़ों रुपये की कोठियां और भवन खड़े हैं। इनमें से अधिकांश संपत्तियां निश्चित रूप से वैध साधनों से अर्जित की गई होंगी। देश में लाखों ऐसे व्यवसायी, उद्योगपति, डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, वैज्ञानिक और उद्यमी हैं जिन्होंने वर्षों की मेहनत और संघर्ष से आर्थिक सफलता प्राप्त की है। उनके परिश्रम और उपलब्धियों पर संदेह करना न केवल अनुचित होगा बल्कि समाज में नकारात्मक संदेश भी देगा। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि कुछ मामलों में संपत्ति का आकार और घोषित आय के बीच ऐसा अंतर दिखाई देता है जो सवाल पैदा करता है। ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच लोकतांत्रिक व्यवस्था की आवश्यकता है।

आम नागरिक की चिंता केवल संपत्ति को लेकर नहीं होती, बल्कि उस असमानता को लेकर भी होती है जो समाज में दिखाई देती है। एक ओर मध्यमवर्गीय परिवार जीवन भर की कमाई लगाकर एक घर बनाने के लिए संघर्ष करता है, बैंक ऋण लेता है और वर्षों तक उसकी किस्तें चुकाता है। दूसरी ओर कुछ लोग बहुत कम समय में अपार संपत्ति के मालिक बन जाते हैं। जब यह अंतर बहुत अधिक दिखाई देता है तो लोगों के मन में प्रश्न उठते हैं। यदि इन प्रश्नों का उत्तर पारदर्शी जांच और जवाबदेही के माध्यम से नहीं दिया जाता, तो व्यवस्था के प्रति अविश्वास बढ़ने लगता है।

किसी भी लोकतांत्रिक समाज में सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों से अधिक पारदर्शिता की अपेक्षा की जाती है। सरकारी अधिकारी, निर्वाचित जनप्रतिनिधि और सार्वजनिक संसाधनों के प्रबंधन से जुड़े लोग जनता के विश्वास के संरक्षक होते हैं। इसलिए उनकी आय और संपत्ति का विवरण अधिक स्पष्ट और सार्वजनिक होना चाहिए। यदि कोई सार्वजनिक सेवक अपनी वैध आय के अनुरूप संपत्ति अर्जित करता है तो उसे किसी जांच से डरने की आवश्यकता नहीं है। बल्कि ऐसी जांच उसकी ईमानदारी को प्रमाणित करने का माध्यम बन सकती है। लेकिन यदि कहीं अनियमितता है, तो उसे कानून के दायरे में लाना भी उतना ही आवश्यक है।

समस्या केवल घोषित संपत्तियों तक सीमित नहीं है। बेनामी संपत्ति भी देश के सामने एक बड़ी चुनौती है। अनेक बार वास्तविक मालिक अपनी संपत्ति किसी रिश्तेदार, कर्मचारी या परिचित के नाम पर दर्ज करा देता है। इससे वास्तविक स्वामित्व और धन के स्रोत का पता लगाना कठिन हो जाता है। सरकार ने बेनामी लेन-देन रोकने के लिए कानून बनाए हैं, लेकिन इनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी चुनौती बना हुआ है। जब तक संपत्ति के वास्तविक लाभार्थी की पहचान सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक वित्तीय पारदर्शिता का लक्ष्य अधूरा रहेगा।

तकनीकी दृष्टि से देखें तो आज संपत्ति की जांच पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो चुकी है। बैंकिंग व्यवस्था, आयकर रिटर्न, डिजिटल भुगतान, संपत्ति पंजीकरण, जीएसटी रिकॉर्ड और विभिन्न सरकारी डेटाबेस के माध्यम से किसी भी व्यक्ति की वित्तीय गतिविधियों का व्यापक विश्लेषण किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विश्लेषण जैसी तकनीकें यह पहचानने में सक्षम हैं कि कहां घोषित आय और वास्तविक संपत्ति के बीच असामान्य अंतर मौजूद है। यदि इन साधनों का प्रभावी उपयोग किया जाए तो जांच प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, त्वरित और निष्पक्ष बन सकती है।

यह भी आवश्यक है कि जांच का आधार केवल तथ्य और प्रमाण हों, न कि राजनीतिक या व्यक्तिगत हित। जनता का विश्वास तभी कायम रहेगा जब कानून का उपयोग चुनिंदा लोगों के खिलाफ नहीं बल्कि सभी के लिए समान रूप से किया जाएगा। यदि कोई सामान्य कर्मचारी अपनी आय का हिसाब देता है, तो प्रभावशाली व्यक्तियों, बड़े अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को भी वही मानक स्वीकार करने चाहिए। कानून की ताकत उसकी निष्पक्षता में होती है, न कि उसकी कठोरता में।

अवैध संपत्ति का प्रभाव केवल सरकारी खजाने तक सीमित नहीं रहता। यह सामाजिक असमानता को भी बढ़ाता है। जब कुछ लोग नियमों को दरकिनार करके अनुचित लाभ प्राप्त करते हैं, तो वे उन लोगों से आगे निकल जाते हैं जो नियमों का पालन करते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि ईमानदार नागरिक स्वयं को हतोत्साहित महसूस करने लगते हैं। युवाओं में यह धारणा बनने लगती है कि सफलता का मार्ग मेहनत और प्रतिभा से अधिक प्रभाव और संपर्कों से होकर जाता है। यह स्थिति किसी भी समाज के लिए घातक है क्योंकि इससे नैतिक मूल्यों और सामाजिक विश्वास का क्षरण होता है।

ईमानदार करदाताओं के सम्मान के लिए भी संपत्ति की पारदर्शी जांच आवश्यक है। जो लोग नियमित रूप से कर चुकाते हैं, अपनी आय का सही विवरण देते हैं और कानून का पालन करते हैं, उन्हें यह महसूस होना चाहिए कि व्यवस्था उनके साथ न्याय कर रही है। यदि भ्रष्टाचार और अवैध संपत्ति पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होती, तो ईमानदार नागरिकों के मन में भी निराशा उत्पन्न होती है। इसके विपरीत, जब कानून निष्पक्ष रूप से लागू होता है तो उनका विश्वास मजबूत होता है और वे स्वयं को व्यवस्था का सम्मानित हिस्सा महसूस करते हैं।

मीडिया और नागरिक समाज भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। खोजी पत्रकारिता, सूचना के अधिकार का उपयोग और सार्वजनिक विमर्श के माध्यम से अनेक मामलों में पारदर्शिता बढ़ी है। हालांकि इस प्रक्रिया में जिम्मेदारी भी आवश्यक है। बिना प्रमाण किसी व्यक्ति पर आरोप लगाना या अफवाहों के आधार पर उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। इसलिए पारदर्शिता की मांग तथ्यों और दस्तावेजों पर आधारित होनी चाहिए।

जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि जांच संस्थाएं राजनीतिक या अन्य प्रकार के दबाव में कार्य करेंगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा। इसलिए उन्हें पर्याप्त संसाधन, आधुनिक तकनीक और स्वतंत्र कार्य वातावरण प्रदान किया जाना चाहिए। एक ऐसी व्यवस्था विकसित होनी चाहिए जिसमें जांच का आधार केवल तथ्य, दस्तावेज और प्रमाण हों। इससे दोषियों के खिलाफ कार्रवाई प्रभावी होगी और निर्दोष लोगों को अनावश्यक परेशानियों से भी बचाया जा सकेगा।

संपत्ति की जांच केवल कानूनी विषय नहीं बल्कि सामाजिक चेतना का भी प्रश्न है। समाज को भी यह तय करना होगा कि वह किस प्रकार की सफलता को सम्मान देना चाहता है। यदि केवल भव्य भवन, महंगी गाड़ियां और बाहरी प्रदर्शन ही सफलता का पैमाना बने रहेंगे, तो भ्रष्टाचार को अप्रत्यक्ष सामाजिक स्वीकृति मिलती रहेगी। वास्तविक सम्मान उस व्यक्ति का होना चाहिए जिसने ईमानदारी, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के आधार पर सफलता प्राप्त की हो।

आज आवश्यकता किसी विशेष व्यक्ति या वर्ग की जांच की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने की है जिसमें हर बड़ी संपत्ति का स्रोत स्पष्ट हो और हर नागरिक को यह विश्वास हो कि कानून सबके लिए समान रूप से लागू होता है। यदि किसी ने अपनी वैध आय से कोठी बनाई है तो उसे गर्व के साथ उसका विवरण प्रस्तुत करने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। लेकिन यदि किसी ने अवैध साधनों से संपत्ति अर्जित की है, तो उसे जवाबदेह ठहराना भी लोकतंत्र की जिम्मेदारी है।

अंततः यह प्रश्न कि ÷संपत्ति की जांच कब होगी?÷ केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक, सामाजिक और लोकतांत्रिक प्रश्न है। इसका संबंध जनता के विश्वास, कानून की विश्वसनीयता और शासन की पारदर्शिता से है। जब आय और संपत्ति के बीच स्पष्ट संबंध स्थापित होगा, जब जांच निष्पक्ष होगी, जब बेनामी संपत्तियों पर प्रभावी नियंत्रण होगा और जब कानून सब पर समान रूप से लागू होगा, तभी लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होंगी।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

इंदौर में निकोबार का पहला स्टोर खुला, 'द एडिट' में मिलेगा डिज़ाइन और संस्कृति का अनूठा संगम

आधुनिक भारतीय लाइफस्टाइल ब्रांड निकोबार ने इंदौर में अपने पहले स्टोर का शुभारंभ किया है। यह लॉन्च भारत में ब्रांड के रिटेल विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समकालीन भारतीय जीवनशैली को नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने के लिए प्रसिद्ध निकोबार ऐसे शहर में पहुंचा है, जो लंबे समय से शिल्पकला, रचनात्मकता और सामुदायिक मूल्यों को महत्व देता रहा है। डिज़ाइन-केंद्रित अनुभवों और जागरूक उपभोग के प्रति बढ़ती रुचि के कारण इंदौर, निकोबार के लिए एक स्वाभाविक और उपयुक्त स्थान बनकर उभरा है।

शहर के प्रतिष्ठित 'द एडिट' में स्थित यह नया स्टोर कला, डिज़ाइन और लाइफस्टाइल अनुभवों का एक सुविचारित केंद्र है। यह स्थान और निकोबार दोनों ही सार्थक अनुभवों तथा सोच-समझकर चुनी गई चीज़ों को महत्व देते हैं। यह साझेदारी उस विचार को दर्शाती है कि डिज़ाइन केवल उत्पादों तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों के रहने, मिलने-जुलने और स्वयं को अभिव्यक्त करने के तरीकों का भी हिस्सा है।

नया स्टोर फैशन, होम डेकोर, एक्सेसरीज़ और लाइफस्टाइल उत्पादों की निकोबार की विशेष श्रृंखला को एक साथ प्रस्तुत करता है। दैनिक उपयोग के परिधानों, हस्तनिर्मित गृह-सज्जा उत्पादों और विचारपूर्ण उपहार विकल्पों से लेकर हर संग्रह ब्रांड की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें कालातीत, उपयोगी और समकालीन भारतीय जीवनशैली से जुड़े उत्पादों का निर्माण किया जाता है। प्रत्येक उत्पाद को इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि वह लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन सके और सुंदरता के साथ उपयोगिता का संतुलन बनाए रखे।

स्टोर का डिज़ाइन गर्मजोशी, सहजता और स्वागतपूर्ण वातावरण को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यहां आने वाले ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार उत्पादों को देख सकते हैं और उन वस्तुओं की खोज कर सकते हैं जो उनके रोज़मर्रा के जीवन का हिस्सा बन सकें। प्राकृतिक सामग्रियों, सूक्ष्म डिज़ाइन तत्वों और सहज लेआउट के माध्यम से यह स्थान निकोबार की सादगीपूर्ण सौंदर्य दृष्टि को दर्शाता है, जो मानती है कि अच्छा डिज़ाइन केवल देखने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में अपनाने के लिए होता है।

निकोबार के लिए 'द एडिट' में यह स्टोर खोलना विशेष रूप से उपयुक्त है। ब्रांड की तरह ही यह स्थान भी डिज़ाइन, संस्कृति और खोज को एक साथ लाकर लोगों को अपने जीवन में शामिल की जाने वाली चीज़ों के प्रति अधिक जागरूक बनने के लिए प्रेरित करता है। संग्रहों को प्रदर्शित करने के साथ-साथ यह स्टोर ग्राहकों को निकोबार की उस दुनिया से परिचित कराता है, जो शिल्पकला, रचनात्मकता और दैनिक जीवन की छोटी-छोटी परंपराओं के प्रति सम्मान पर आधारित है। जैसे-जैसे इंदौर डिज़ाइन और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के नए आयामों को अपनाता जा रहा है, यह स्टोर शहर और ब्रांड दोनों के लिए एक नए और रोमांचक अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है।

आकाशवाणी के 90 वर्ष पूर्ण - विशेष प्रस्तुति

आकाशवाणी के केंद्र उज्जैन की स्थापना का अभी प्रथम वर्ष है, जबकि भारत में आकाशवाणी का इतिहास लगभग 100 वर्ष पुराना है। 23 जुलाई 1927 को मुम्बई में पहले व्यावसायिक रेडियो स्टेशन (इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कम्पनी) का उद्घाटन हुआ था, इसका नाम 8 जून 1936 को ऑल इंडिया रेडियो कर दिया गया। केंद्र उज्जैन इस अवसर पर युवाओं में लोकप्रिय कार्यक्रम युववाणी के अंतर्गत आज विशेष प्रस्तुति दे रहा है। कार्यक्रम संयोजक सौरभ अवस्थी ,सूत्रधार आशुतोष तिवारी सहयोगी तनिषा जैन ने बताया कि वर्ष 1956 में ऑल इंडिया रेडियो का नाम आधिकारिक रूप से बदलकर आकाशवाणी कर दिया गया।

कभी बनते थे भारतीय डाक तार विभाग से रेडियो लाइसेंस-आशुतोष ने बताया कि उनके दादाजी पं. श्रीराम तिवारी ने रेडियो के लिए लाइसेंस बनवाया था। उज्जैन गुजराती समाज डाकघर से 15 मई 1972 को रजिस्ट्री संख्या 1422 पर उनके रेडियो ब्रास बैटरी चैचिस संख्या टी-आर 2 का पंजीकरण हुआ था।इसे प्रतिवर्ष निर्धारित शुल्क जमाकर नवीनीकरण करवाना पड़ता था।लाइसेंस डायरी अभी भी सुरक्षित है किंतु 25 वर्ष पूर्व वह रेडियो चोरी हो गया।

श्रोता आज युववाणी में हिंदी सिनेमा के उन यादगार गीतों को सुन सकेंगे,जिन्हें रुपहले पर्दे पर रेडियो के माइक से अभिनेता तथा अभिनेत्रियों को गाते और रेडियो पर सुनते हुए दिखाया गया है। आकाशवाणी उज्जैन एफ.एम. 102.5 मेगाहर्ट्ज साथ ही न्यूज़ ऑन एआईआर एप पर रेडियो से जुड़े अपने अनुभव और विचार साझा करने के लिए आज आप भी सायं 5 से 6 बजे के मध्य सजीव फोन इन कार्यक्रम में आकाशवाणी उज्जैन के दूरभाष नम्बर 0734-4054191 पर फोन लगाइए।

बच्चों को संस्कार देते हुए संघर्ष करना सिखाएंगे तो पांडव बनेंगे और सुख सुविधा आवश्यकता से अधिक मिलेगी तो कौरव ही बनेंगे

श्री विश्वकर्मा मंदिर परिसर महावीर नगर में चल रही संगीतमय भक्त श्रीमाल की कथा के चौथे दिन पंडित मधुसूदन नागर ने कहा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री विश्वकर्मा मंदिर परिसर महावीर नगर में चल रही संगीतमय भक्त श्रीमाल की कथा के चौथे दिन पंडित मधुसूदन नागर ने कहा बच्चों को संस्कार देते हुए संघर्ष करना सिखाएंगे तो पांडव बनेंगे और सुख सुविधा आवश्यकता से अधिक मिलेगी तो कौरव ही बनेंगे। और ऐसा होता है तो परिवार, समाज का विध्वंस हो जाता है। उन्होंने कहा वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए अपने बच्चों को संस्कारवान बनाएं उसके लिए सत्संग आवश्यक है। सत्संग में स्वयं भी जाएं और अपने बच्चों को भी ले जायें। पहले संयुक्त परिवार होते थे, रिश्ते नाते होते थे। अब एकल परिवार प्रचलन में है इसलिए एक दूसरे को भावना समझ नहीं पाते है और वृद्धाश्रम में संख्या बढ़ती जा रही है। लेकिन वर्तमान समय संगठित होकर रहने का है जिसकी शुरुआत अपने घर परिवार से ही होना चाहिए। आप स्वयं प्रयास करें। एक दिन समय फिर लौटकर आएगा और परिवार संयुक्त होकर रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि सर्वश्री विश्वकर्मा वंशज देवास, श्री विश्वकर्मा सामाजिक एवं धार्मिक लोक न्यास एवं विश्वकर्मा मंदिर समिति द्वारा सात दिवसीय श्री भक्तमाल कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा में प्रतिदिन समाज बंधुओं, मातृशक्ति, युवा साथियों एवं श्रद्धालुजनों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति इस आयोजन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा रही है। आयोजकों ने बताया प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक संगीतमय कथा हो रही है। 10 जून को कथा के समापन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन होगा। आयोजन की व्यवस्था में जुटे सर्वश्री विश्वकर्मा वंशज देवास अध्यक्ष पीडी शर्मा, सचिव ओम प्रकाश पेड़ीवाल, कोषाध्यक्ष राधेश्याम पांचाल, संगठन मंत्री छगनलाल पिपलोदिया, उपाध्यक्ष रमेशचंद विश्वकर्मा, विश्वकर्मा मंदिर समिति अध्यक्ष राकेश शर्मा, दिलीप आसलिया, जगदीश चवेल, राजेश सिलक, अशोक शर्मा, प्रमोद कारपेंटर, विष्णु विश्वकर्मा राजोदा, प्रमोद मालवीया, अनिल पांचाल राजोदा, देवकरण शर्मा सहित सर्वश्री विश्वकर्मा वंशज महिला मंडल देवास तथा श्री विश्वकर्मा मंदिर समिति महिला मंडल देवास की श्रीमती उर्मिला शर्मा, श्रीमती उषा शर्मा, श्रीमती रंजना शर्मा, श्रीमती माया अशोक शर्मा, श्रीमती निशा पिपलोदिया, श्रीमती अंतिम शर्मा, श्रीमती सारिका शर्मा, श्रीमती दुर्गा कैलाश चंद्र, श्रीमती संगीता शर्मा, श्रीमती रेखा राहुल शर्मा, धीरज शर्मा नवयुवक मंडल के अध्यक्ष, लोक न्यास मीडिया प्रभारी राजेश एम शर्मा आदि की हैं। यह जानकारी सर्वश्री विश्वकर्मा वंशज समाज देवास के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र पिपलोदिया ने दी।

आत्मा अंतर्गत सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार वर्ष 2025-26 के लिए आवेदन 30 जून तक आमंत्रित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। परियोजना संचालक ''आत्मा'' श्री एम.एल. सोलंकी ने बताया कि कृषि विस्तार सुधार कार्यक्रम आत्मा अंतर्गत सर्वोत्तम कृषक राज्य, जिला एवं विकासखंड के लिए 30 जून 2026 तक प्रविष्टियां आमंत्रित की गई है। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार एवं विकासखण्ड स्तरीय कृषक पुरस्कार निर्धारित आवेदन फार्म विकासखंड के ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर/असिस्टेंट टेक्नोलॉजी मैनेजर (आत्मा) एवं कृषि विस्तार अधिकारी एवं उद्यानिकी पशुपालन, मत्स्य, कृषि एवं कृषि अभियंत्रिकी विभाग से प्राप्त करें। साथ ही वर्ष 2025-26 पुरस्कार हेतु कृषकों द्वारा अपनाई गई कृषि तकनीकी, उपज एवं उत्पादकता के आधार पर इच्छुक कृषकों से पुरस्कार के लिए बंद लिफाफे में प्रविष्टि विकासखंड के ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर/असिस्टेंट टेक्नोलॉजी मैनेजर ''आत्मा'' एवं उद्यानिकी पशुपालन, मत्स्य, कृषि, एवं कृषि अभियंत्रिकी विभाग को 30 जून 2026 के पूर्व प्रस्तुत करें।

भावना पाल ने प्रथम वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप में रजत पदक प्राप्त किया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिला शिक्षा अधिकारी श्री अजय मिश्र ने बताया कि 4 जून से 8 जून तक अहमदाबाद ,गुजरात में अयोजित हो रही प्रथम वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप के व्दितीय दिवस में बैक बैंड इंडिविजुअल इवेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट विद्यालय देवास की शिक्षिका प्रतिभाशाली योगासन खिलाड़ी सुश्री भावना पाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन हुए रजत पदक प्राप्त किया। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 78 देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। चैंपियनशिप का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की वर्चुअल उपस्थिति में किया गया था । इस अवसर पर केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री मनसुख मांडविया, योग गुरु स्वामी रामदेव तथा गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल भी उपस्थित रहे। विश्व स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सुश्री भावना पाल की उपलब्धि ने देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

ई- विकास पोर्टल के माध्यम से किसानों को मिलेगा पर्याप्त उर्वरक

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ई-विकास पोर्टल के माध्यम से किसानों को उनके रकबे के अनुसार फसल जैसे मक्का धान, सोयाबीन आदि चयन करने पर एक ही बार में संपूर्ण उर्वरक मिल सकेगा। ई-टोकन प्रणाली में कृषक अपने मोबाइल से आसानी से टोकन जारी कर उर्वरक बुक कर सकते है अथवा एमपी ऑनलाइन केन्द्रों पर 15 रूपये का शुल्क देकर भी टोकन जारी करा सकते हैं। सिकमी (ठेकेदार/बटाईदार) किसान जो भूमि स्वामी नहीं है वे अपने भू-स्वामी की अनुमति से एग्री स्टेक पोर्टल के माध्यम से अधिकृत प्रतिनिधि किसान बनकर ई-टोकन बुक कर सकते है।

वन पट्टाधारी किसान एसडीएम के सत्यापन के उपरांत ई-विकास पोर्टल के माध्यम से उर्वरक बुक कर सकते हैं। मृत शारीरिक रूप से अक्षय एवं वृद्ध किसानों हेतु भी ई-विकास प्रणाली पर उर्वरक व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। संयुक्त खाताधारी कृषकों जिनमें से एक या अन्य सदस्य किसी अन्य शहर में या देश के बाहर रहते है जिस कारण उनका आधार ओ.डी.सी प्राप्त करना संभव नहीं हो पाता ऐसे किसानों अथवा संयुक्त खाता धारकों में से किसी एक किसान को नामांकित करने के लिए ई-विकास पोर्टल पर सुविधा उपलब्ध है।

ऐसे करें ई टोकन जारी- पंजीयन के लिए किसानों को अपना आधार नम्बर एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीकृत करना होगा। फार्मर आईडी पर रकबा, खसरा एवं फसल की जानकारी अद्यतन होना आवश्यक है। आधार से लिंक मोबाइल नम्बर पर ओटीपी के माध्यम से पंजीयन की प्रक्रिया करनी होती है इसलिए मोबाइल नम्बर का आधार से लिंक होना आवश्यक है। ई-टोकन जारी करने के लिए ई-विकास पोर्टल के डेशबोर्ड पर ऑप्शन पर क्लिक करने के उपरांत आधार नम्बर प्रविष्ट करना होगा। किसान के आधार से लिंक मोबाइल नम्बर पर ओ.टी.पी. डालने पर उस किसान की भूमि और पट्टे की जानकारी आयेगी। कृषक को भूमि के लिए फसल तय करना होगा जिससे वांछित खाद की मात्रा स्वतः पोर्टल पर प्रदर्शित होगी। यूरिया के साथ डीएपी अथवा एसएसपी या एनपीके का विकल्प चुनना होगा। चयनित फसल एवं उपलब्ध रकबे के अनुसार आवश्यक उर्वरक का प्रकार चुनने के उपरांत वितरण केन्द्र डबल लॉक केन्द्र एमपी एग्रो सहकारी समिति अथवा निजी विक्रेताओं पर उपलब्ध स्टॉक प्रदर्शित होगा जिसके चयन के उपरांत ई-टोकन जारी हो जायेगी।

801 पाइनएप्पल और 51 किलो संतरे से होगा श्री खेड़ापति मारुति का विशेष श्रृंगार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ज्येष्ठ माह के पावन अवसर पर शहर के प्रसिद्ध श्री खेड़ापति मारुति मंदिर में बड़े मंगलवार के उपलक्ष्य में पुनः श्री खेड़ापति सरकार का विशेष एवं आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर के पुजारी पं. दर्शन उपाध्याय ने बताया कि इस वर्ष ज्येष्ठ माह में कुल आठ बड़े मंगलवार पड़ रहे हैं, जिनमें प्रत्येक मंगलवार को भगवान का विशेष श्रृंगार एवं भव्य महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में छठे बड़े मंगलवार को महात्मा गांधी मार्ग स्थित श्री खेड़ापति मारुति मंदिर में भगवान श्री खेड़ापति सरकार के दरबार को 801 पाइनएप्पल एवं 51 किलो संतरे से सजाया जाएगा। फलों से सुसज्जित यह अनूठा श्रृंगार श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेगा। पं. उपाध्याय ने बताया कि भगवान हनुमानजी का मनोहारी एवं अलौकिक श्रृंगार भक्तों को आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कराएगा। आयोजन के दौरान विशेष पूजा-अर्चना एवं महाआरती भी संपन्न होगी। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की है कि जो भक्त इस विशेष श्रृंगार एवं धार्मिक आयोजन में सहयोग करना चाहते हैं, वे अपनी श्रद्धानुसार दान देकर सहभागी बन सकते हैं। आयोजन के कुछ दिनों बाद श्रृंगार में उपयोग किए गए फलों का प्रसादी के रूप में वितरण किया जाएगा। श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भगवान श्री हनुमानजी के दिव्य दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया है।

मछली पकड़ने गए मछुआरे की लखुंदर नदी में डूबने से मौत, 12 घंटे के रेस्क्यू के बाद मिला शव

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लालघाटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत जादमी पुलिया के पास लखुंदर नदी में मछली का शिकार करने गए एक मछुआरे की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद हरकत में आई पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने सघन सर्चिंग अभियान चलाया और करीब 12 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शनिवार शाम को शव नदी से बरामद कर लिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, शहर के भोईवाड़ा निवासी 45 वर्षीय उमराव सिंह केवट शुक्रवार सुबह घर से मछली पकड़ने के लिए निकले थे। देर शाम तक जब वे वापस नहीं लौटे, तो चिंतित परिजनों ने घाटों पर उनकी तलाश शुरू की। इसी बीच लखुंदर नदी के किनारे पर उनकी साइकिल, कपड़े और चप्पलें लावारिस हालत में रखी मिलीं। नदी किनारे सामान मिलने से किसी अनहोनी की आशंका के चलते परिजनों ने फौरन लालघाटी पुलिस को सूचना दी। इसके बाद शनिवार को एसडीआरएफ की मदद से संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई है।

बाड़े से 45 हजार के बकरा-बकरी चोरी, अज्ञात बदमाशों पर मामला दर्ज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मोहन बड़ोदिया थाना क्षेत्र के ग्राम मोहना में अज्ञात चोरों ने एक घर के बाड़े को निशाना बनाते हुए हजारों रुपये कीमत के बकरा-बकरी चुरा लिए। रविवार को फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ग्राम मोहना निवासी शब्बीर पिता अल्ला बेली ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि रात करीब 1 बजे घर के पीछे बाड़े में एक बकरा, एक बकरी और एक बच्चा बांधा था। रात करीब 1.30 बजे मां रशीदा बी ने उठकर देखा तो तीनों पशु बाड़े से गायब थे। परिजनों ने आसपास तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। चोरी गए पशुओं की कुल कीमत करीब 45 हजार रुपये बताई जा रही है। फरियादी ने बताया कि उसी रात गांव के बुंदू खां के घर भी अज्ञात चोरों ने चोरी का प्रयास किया था, लेकिन परिजनों की नींद खुलने से बदमाश वहां से भाग निकले। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बंदर की उछल-कूद से ट्रांसफार्मर में फाल्ट, एक घंटे बिजली गुल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मोहन बड़ोदिया क्षेत्र के दाल मिल इलाके में बंदर की उछल-कूद के चलते उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा।

दरअसल रविवार दोपहर करीब 1 से 2 बजे के बीच एक बंदर 200 केवी क्षमता के डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर (डीटीआर) पर कूद गया, जिससे ट्रांसफार्मर में जोरदार फाल्ट हो गया और उसका तेल रिसने लगा। अचानक तेल रिसने से मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया और इलाके की बिजली गुल हो गई।

विश्व साइकिल दिवस पर देवास में निकली भव्य साइकिल रैली

साइकिल चलाओ - स्वास्थ्य बनाओ, देवास सजाओ का दिया संदेश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा क्रीड़ा भारती देवास के संयुक्त तत्वावधान में रविवार सुबह साइकिल चलाओ ङ्क स्वास्थ्य बनाओ, देवास सजाओ अभियान के तहत भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया। फिट इंडिया-हिट इंडिया के संदेश के साथ निकाली गई इस रैली में बड़ी संख्या में युवाओं, खिलाड़ियों, विद्यार्थियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

रैली का शुभारंभ प्रातः 7-30 बजे सयाजी द्वार स्थित स्वामी विवेकानंद प्रतिमा स्थल से हुआ। जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि नियमित साइकिल चलाना न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

साइकिल रैली सयाजी द्वार से प्रारंभ होकर तहसील चौराहा, शनि मंदिर चौराहा, जिला अस्पताल, नगर निगम तथा पंप चौराहा सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होकर पुनः सयाजी द्वार पहुंचकर संपन्न हुई। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने फिट इंडिया, हिट इंडिया, साइकिल अपनाओ, स्वास्थ्य पाओ और स्वच्छ, स्वस्थ एवं हरित देवास जैसे नारों के माध्यम से नागरिकों को स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

आयोजकों ने कहा कि विश्व साइकिल दिवस केवल एक दिवस का आयोजन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छ पर्यावरण और फिट भारत के निर्माण का जनआंदोलन है। क्रीड़ा भारती द्वारा खेल, स्वास्थ्य और राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सकारात्मक जागरूकता का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

इस अवसर पर पूर्व प्राधिकरण अध्यक्ष राजेश यादव, अजय गुप्ता, हेमेन्द्र निगम काकू, गौरव कदम, मनीष जायसवाल, पार्षद अजय तोमर, अनिल श्रीवास्तव, जावेद पठान, राजीव श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, सामाजिक कार्यकर्ता, स्कूली विद्यार्थी एवं युवा उपस्थित रहे।

मप्र न्यायिक कर्मचारी संघ संभागीय अध्यक्ष बने गवली

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय न्यायलयीन कर्मचारी महासंघ से संबद्व मप्र न्यायिक कर्मचारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष राजकुमार प्रजापति ने कर्मचारी संघ का विस्तार किया है, जिसके तहत उन्होंने शाजापुर जिला न्यायालय में पदस्थ दिनेश गवली को मप्र न्यायिक कर्मचारी संघ संभागीय अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति पर गवली समाज के वरिष्ठजनों एवं कर्मचारी संगठन के ईष्ट मित्रों ने हर्ष व्यक्त किया है।

शाजापुर नगरपालिका में मची लूट, सिस्टम से विपक्ष ही नहीं, खुद अध्यक्ष भी त्रस्त

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के विकास का जिम्मा संभालने वाली शाजापुर नगरपालिका इन दिनों सियासी अखाड़े और भ्रष्टाचार के एक बड़े केंद्र में तब्दील हो चुकी है। सबसे बड़ी हैरानी की बात यह है कि यहां सिस्टम की नाकामी को लेकर सिर्फ विपक्ष ही हमलावर नहीं है, बल्कि खुद नगरपालिका अध्यक्ष अपनी ही परिषद के अधिकारियों के खिलाफ बगावत पर उतर आए हैं। कुत्तों की नसबंदी के नाम पर लाखों के वारे-न्यारे से लेकर करोड़ों के सीवरेज प्रोजेक्ट के डूबने तक, आरोप इतने गंभीर हैं कि अब यह प्रशासनिक विवाद एक बड़े राजनीतिक घमासान का रूप ले चुका है।

अध्यक्ष और सीएमओ के बीच चल रही वर्चस्व की इस जंग के बीच रविवार को कांग्रेस ने भी प्रेस वार्ता कर इस भ्रष्टाचार के महाकुंभ की पोल खोल दी। कांग्रेस पार्षद दल के नेता प्रतिपक्ष अजीज मंसूरी ने नगर पालिका अध्यक्ष के वायरल वीडियो को ही ढाल बनाकर अफसरों पर तीखे तीर छोड़े। उन्होंने सीधे तौर पर आरोप लगाया कि नगर पालिका में अब नियम-कानून का नहीं, बल्कि अधिकारियों और ठेकेदारों की मनमानी का राज चल रहा है। भ्रष्टाचार की इंतहा तो यह है कि आवारा कुत्तों की नसबंदी के नाम पर कोई जमीनी काम किए बिना ही, सिर्फ कागजों में 17 लाख रुपये डकार लिए गए। इतना ही नहीं, सरकारी खजाने को चूना लगाने के लिए नगर पालिका के वाहनों के मीटर तक बंद कर दिए गए हैं, ताकि हर महीने डीजल-पेट्रोल के नाम पर लाखों रुपये के फर्जी बिल पास कराए जा सकें। जनप्रतिनिधि बोर्ड निर्माण और वाहनों के बेजा इस्तेमाल को लेकर भी सिस्टम की बेशर्मी पूरी तरह उजागर हो चुकी है। मंसूरी ने कहा कि शहर के विकास की जो तस्वीरें कागजों पर रंगीन दिखाई जा रही हैं, वे जमीन पर उतनी ही बदरंग और खोखली हैं। वहीं पूर्व विधायक प्रतिनिधि आशुतोष शर्मा और कांग्रेस जिलाध्यक्ष नरेश्वरप्रताप सिंह ने करोड़ों रुपये की सीवरेज और नर्मदा जल योजना की पोल खोलकर रख दी। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि सीवरेज निर्माण में इतनी घटिया सामग्री का इस्तेमाल हुआ है कि लाइनें जगह-जगह चोक पड़ी हैं। आज आधा शहर इस प्रशासनिक लापरवाही और बदहाली का खामियाजा भुगत रहा है। सड़क चौड़ीकरण के नाम पर भी सिर्फ ठेकेदारों की जेबें भरी गई हैं। विपक्ष का सीधा आरोप है कि शिकायतों के अंबार लगे हैं, लेकिन ऊपर से नीचे तक बैठे जिम्मेदार अधिकारी कुंभकर्णी नींद सो रहे हैं।

सत्ता और विपक्ष के निशाने पर नपा प्रशासन- इस पूरी कहानी का सबसे हैरान करने वाला और स्याह पहलू नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन की वह पीड़ा है, जो अब खुलेआम छलक रही है। जो गंभीर आरोप विपक्ष लगा रहा है, कमोबेश वही दर्द खुद अध्यक्ष का भी है। अध्यक्ष ने सीएमओ भूपेंद्र दीक्षित के खिलाफ सीधा मोर्चा खोलते हुए यहां तक कह दिया है कि ठेकेदारों और सप्लायरों के इस बेलगाम गठजोड़ ने शाजापुर को समस्याओं का सजापुर बनाकर रख दिया है। मुख्यमंत्री द्वारा शहर के विकास के लिए घोषित 10 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि की फाइल भी लालफीताशाही की भेंट चढ़ गई है। अध्यक्ष की बेबसी का आलम यह है कि अधिकारी उनकी बात तक सुनने को राजी नहीं हैं। शहर के बुनियादी काम स्ट्रीट लाइट, पार्कों का रखरखाव, चीलर नदी की जालियों की मरम्मत और नालियों की सफाई सब पूरी तरह ठप पड़े हैं। अफसर अपने अध्यक्ष को ही दरकिनार कर केवल कलेक्टर कार्यालय या बैठकों का बहाना बनाकर कुर्सी से नदारद रहते हैं। अब आजिज आ चुके नगर पालिका अध्यक्ष ने इस बेलगाम अफसरशाही की शिकायत सीधे मुख्यमंत्री, नगरीय प्रशासन मंत्री और स्थानीय सांसद-विधायक से करने का मन बना लिया है। सत्ता और विपक्ष, दोनों के ही निशाने पर अब नगर पालिका का यह भ्रष्ट तंत्र आ चुका है। लेकिन इस पूरी सियासी और प्रशासनिक नूराकुश्ती में सबसे बड़ा सवाल यही है कि जिस जनता ने विकास की उम्मीद में वोट दिया था, उसके हिस्से में यह सजापुर क्यों आया? क्या शासन स्तर पर बैठे आका इस लूटतंत्र पर कोई सख्त कार्रवाई करेंगे, या शाजापुर की जनता यूं ही घोटालों की धूल फांकने को मजबूर रहेगी? प्रेसवार्ता के दौरान राजेश पारछे, सरदार मूसा आजम खान, सनी दुबे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता मौजूद थे।

कॉलेज में प्रवेश लेने और आगे की पढ़ाई जारी रखने की विद्यार्थियों से की गई अपील

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस की कॉलेज चलो अभियान समिति द्वारा 12वीं पास सभी विद्यार्थियों से उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने और आगे की पढ़ाई निरंतर जारी रखने की अपील की गई है। इस अभियान के अंतर्गत विशेष रूप से ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने किसी कारणवश अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ दी है उनके लिए पुनः शिक्षा से जुड़ने के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यदि किसी आर्थिक, पारिवारिक, सामाजिक या अन्य कारण से विद्यार्थी की पढ़ाई रुक गई है तो वे आगे आए और कॉलेज में प्रवेश लें। समिति द्वारा अपील की गई है कि विद्यार्थी की प्रवेश शुल्क, छात्रवृत्ति, दस्तावेज या अन्य किसी भी विषय से संबंधित समस्या को वे कॉलेज जाकर बताएं, समिति द्वारा उनकी हर संभव मदद की जाएगी।

प्राचार्य डॉ रोहिताश्व कुमार शर्मा ने बताया कि कॉलेज चलो अभियान के माध्यम से शासन और प्रशासन का यह प्रयास है कि कोई भी विद्यार्थी उच्च शिक्षा से वंचित न रहे और ड्रॉपआउट न करे। उच्च शिक्षा विद्यार्थी का उज्जवल भविष्य तथा सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। इसलिए विद्यार्थी अपने सपनों को अधूरा न छोड़े, बल्कि शिक्षा से जुड़ें और अपने भविष्य को नई दिशा दें।

प्रधानमंत्री आवास योजना से श्रीमती मनीषा के पक्के घर का सपना हुआ साकार

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा गरीबों के कल्याण के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना भी उन्हीं योजनाओं में से एक है। इस योजना के अंतर्गत गरीब परिवारों को पक्का मकान बनाने के लिए सहायता राशि प्रदान की जाती है। अपने सिर पर एक पक्की छत होना हर व्यक्ति का सपना होता है।

स्वयं का पक्का मकान, जहां वह अपने परिजनों के साथ एक खुशहाल जीवन व्यतीत करे। लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति के लिए पूरी जिन्दगी भर की पूंजी लगाने पर भी पक्का मकान बनाना संभव नहीं हो पाता।

सीहोर निवासी श्रीमती मनीषा मेवाड़ा ने कभी नहीं सोचा था कि उनका अपना पक्का मकान होगा। श्रीमती मनीषा कहती हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके पक्के घर के सपने को साकार किया है। अब वह अपने परिवार के साथ बिना किसी परेशानी के प्रधानमंत्री आवास में रह रही हैं।

श्रीमती मनीषा ने बताया कि कच्चे घर में बारिश के मौसम में रहने में बहुत परेशानी होती थी। छत से पानी टपकने के साथ ही सांप, बिच्छू आदि जहरीले जीवों का घर में घुस जाने का डर हमेशा बना रहता था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना ने हमें इन सब चिंताओं से मुक्त कर दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास की स्वीकृति मिली और कुछ महीनों बाद घर बनकर तैयार हो गया। श्रीमती मनीषा ने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद दिया हैं।

भाजपा नगर मंडल की मासिक कामकाजी बैठक संपन्न

विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड मां के नाम अभियान अंतर्गत किया पौधारोपण

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार महिदपुर नगर मंडल द्वारा पार्टी की रीति नीति एवं शासन द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्य व मंडल की कार्यप्रणाली को लेकर मासिक कामकाजी बैठक संपन्न। सर्वप्रथम श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर बैठक का शुभारंभ किया गया ।

बेठक स्थानीय श्री चारभुजा मंदिर चंद्रशेखर गली में भाजपा जिला मंत्री एवं मंडल सह प्रभारी अजीता परमार द्वारा ली गई। बेठक मे जिला उपाध्यक्ष पंकज यादव, नपा अध्यक्ष श्रीमती नानीबाई ओम प्रकाश माली उपस्थित थे । अतिथियों का परिचय महामंत्री दिनेश ग्रोवर ने दिया , उपस्थित सदस्यों का परिचय मंडल अध्यक्षा श्रीमती उमा पांडे ने करवाया ।

बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला मंत्री, मंडल सह प्रभारी अजीता परमार ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी का एक मात्र लक्ष्य है कि हमें अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचना है, पार्टी में पद नहीं कार्यकर्ता बड़ा होता है । पर्यावरण दिवस पर हमें पौधारोपण के साथ उसके भविष्य पर भी टीम बनाकर उसका संरक्षण भी करना होगा ,भारतीय जनता पार्टी के निर्देशानुसार प्रत्येक मंडल में हमें पूरे माह के अंतर्गत पृथक पृथक विषयों पर बैठकर उसकी समीक्षा करके जिन व्यक्तियों को जो शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं उन्हें चयनित कर लाभार्थी बनाना है साथ ही देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नेतृत्व वाली सरकार के 12 वर्ष के कार्यकाल सुशासन - समर्थ भारत एवं विकसित भारत के संकल्पों को जन-जन तक पहुंचना है ।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष पंकज यादव ने कहा कि भाजपा की प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में कामकाजी बैठक, तीसरे सप्ताह में शक्ति केन्द्रो एवं बुथो की बैठक, चौथे सप्ताह में मन की बात को लेकर बैठक कर आम जनता तक पूर्ण योजनाओं को पहुंचाने का कार्य आप सभी के द्वारा द्रुत गति से किया जाना चाहिए ।

भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार पर्यावरण संरक्षण हेतु विश्व पर्यावरण दिवस पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में %एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण भाजपा नगर मंडल द्वारा किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान प्रकृति और मातृशक्ति के प्रति सम्मान प्रकट करने का माध्यम भी है जिससे भविष्य में हरित और स्वच्छ वातावरण मिलेगा ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर श्री बजरंग व्यायाम शाला, शासकीय उत्कृष्ट बालक विद्यालय, कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास आदि स्थलों पर आम ,जामुन, बिल्वपत्र ,चमेली, जामफल आदि के पौधे भी रोपित कर उनके संरक्षण का दायित्व भी सोपा गया।

बैठक एवं पौधारोपण में नगर मंडल के समस्त पदाधिकारी, सभी शक्ति केन्द्रो के संयोजक ,प्रभारी ,सह प्रभारी ,मंडल मोर्चा के अध्यक्ष एवं प्रभारी सहित अपेक्षित समस्त कार्यकर्ता उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन महामंत्री निलेश सोलंकी ने किया तथा ।उक्त जानकारी मंडल मीडिया प्रभारी अर्जुनसिंह ठाकुर द्वारा दी गई ।

कृष्ण सूदामा के चरित्र के साथ भागवत कथा की पुर्ण आहूती हूई

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आलोट महिदपुर रोड स्थित कंथारिया फंटे पर पंच मूखी हनुमान मंदिर पर 1जून से 7जून तक आज कथा के सातवें दिन महां आरती कर महा प्रसादी वितरण की गई अधिक मास के पावन अवसर पर चोहान परिवार रिछा द्वारा आयोजित भागवत कथा का पुर्ण जजमान बनकर सभी खर्च वहन किया और परम पुज्य गूरूदेव श्री नारायणनद सरस्वती जी महाराज के सानिध्य में पंच भूखी हनूमान मंदिर का भव्य जिर्णोद्धार किया जा रहा है जिसमें इस पास क्षैत्र के धर्मालु जन भाग ले रहे सभी कै सहयोग से निर्माण कार्य चल रहा है आज ठा दिलीप सिंह ठा भरत सिंह चोहान ने आरती पूजा कर कथा का लाभ लिया वहीं बडि संख्या में श्रद्धालु जन पधारे और कथा की महा आरती व प्रसादी का लाभ लिया व कन्या भोजन करते हूवै हवन कर क्षेत्र में अछी बरसात हो सभी में सद्भावना बनी रहे की कामना को लेकर की गई भागवत कथा।

कृषि उपज मंडी के सामने बाइक फिसली, युवक घायल

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में रविवार रात्रि करीब 9 बजे कृषि उपज मंडी के सामने एक सड़क हादसा हो गया। बाइक सवार युवक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़ा, जिससे वह घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद मौके पर मौजूद युवाओं हर्ष जैन, गौरव जैन, धीरज शर्मा एवं राहुल माली ने तत्परता दिखाते हुए घायल को तत्काल सिविल अस्पताल सुसनेर पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार घायल युवक मुकेश कारपेंटर निवासी सुसनेर है। बताया जा रहा है कि बाइक अनियंत्रित होने से दुर्घटना हुई। घटना के बाद अस्पताल में परिजनों और परिचितों की भीड़ लग गई। युवक का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

हर मरीज के उपचार की बनेगी अलग कार्ययोजना- केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विदिशा मेडिकल कॉलेज में दूसरे दिन भी निशुल्क कैंसर जांच शिविर जारी रहा, दो दिवसीय इस शिविर में बड़ी संख्या में विदिशा संसदीय क्षेत्र सहित दूसरे जिलों के मरीजों की भी कैंसर जांच की गई। इस दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि,यह सेवा का महायज्ञ लगातार आगे बढ़ रहा है और जांच के दौरान बड़ी संख्या में कैंसर के संदिग्ध मामलों का सामने आना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि केवल जांच और परामर्श तक यह अभियान सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रत्येक मरीज के उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान टाटा मेमोरियल अस्पताल और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम भी मौजूद रही।

नशा मुक्ति अभियान से जुड़कर सामाजिक बदलाव का बनें हिस्सा- केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नशा मुक्ति अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि हम सब मिलकर नशे के खिलाफ ऐसी सामाजिक शक्ति खड़ी करेंगे, जो आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य दे सके। उन्होंने नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि इच्छुक लोग 8929629475 पर मिस्ड कॉल देकर या फिर www.shivrajsinghchouhan.co.in वेबसाइट पर जाकर 'Ask Shivraj' कैटेगरी में अपना पंजीयन करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी के माध्यम से गांव-गांव में समितियों का गठन किया जाएगा और व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि नशा मुक्त समाज ही स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र की मजबूत नींव होता है, इसलिए इस अभियान को समाज के हर वर्ग का सहयोग मिलना आवश्यक है।

हर मरीज के उपचार की बनेगी अलग कार्ययोजना- केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, जांच के लिए आने वाले हर मरीज का पूरा रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है और उनके मोबाइल नंबर दर्ज कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि, अब सभी मरीजों का वर्गीकरण कर यह तय किया जाएगा कि किसे कीमोथेरेपी, किसे रेडियोथेरेपी, किसे बायोप्सी और सर्जरी की आवश्यकता है। डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम मरीजों की स्थिति के अनुसार उपचार की रूपरेखा तय करेगी और संबंधित अस्पतालों को चिन्हित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र मरीजों का उपचार कराने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर अन्य व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएंगी। हमारा लक्ष्य है कि कोई भी मरीज उपचार से वंचित न रहे और प्रत्येक बहन-भाई का इलाज पूरी जिम्मेदारी के साथ कराया जाए।

कैंसर के खिलाफ व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया जाएगा- शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जांच के दौरान यह साफ हुआ है कि, विशेष रूप से महिलाओं में कैंसर के प्रति जागरूकता का अभाव है। संकोच और जानकारी की कमी के कारण कई महिलाएं समय रहते अपनी समस्या नहीं बतातीं, जिससे बीमारी गंभीर रूप ले लेती है। उन्होंने कहा कि स्तन कैंसर और गर्भाशय कैंसर जैसी बीमारियों की शुरुआती अवस्था में पहचान संभव है, लेकिन जांच नहीं होने से उपचार में देरी हो जाती है। उन्होंने कहा कि, उपचार व्यवस्था के साथ-साथ व्यापक जनजागरूकता अभियान भी प्रारंभ किया जाएगा।

कंटेनर में 4 फीट का गुप्त तहखाना, 26 लाख का डोडा चूरा पकड़ाया , तस्करों का दिमाग फेल वेल्डिंग खोलते ही निकली 3 क्विंटल मादक पदार्थ की खेप

आगर मालवा/भागीरथ देवड़ा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगर-मालवा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, गुप्त कैबिन में छुपा 71 लाख का माल जब्त ,पंजाब ले जाया जा रहा था 3 क्किंटल 21 किलो डोडा चूरा, चालक गिरफ्तार ।

अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान में कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक कंटेनर से 3 क्किंटल 21 किलो 820 ग्राम डोडा चूरा जब्त किया है। बरामद मादक पदार्थ की कीमत 26 लाख रुपये आंकी गई है। कंटेनर समेत कुल जब्ती 71 लाख रुपये की है।

एसपी विनोद कुमार सोनी के निर्देशन में शनिवार दोपहर सुनेरा मार्ग स्थित निपानिया जोड़ पर पुलिस ने कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना पर संदिग्ध कंटेनर को रोककर तलाशी ली गई। शुरुआती जांच में कंटेनर खाली मिला। लेकिन पुलिस को शक हुआ।

नापतोल करने पर खुलासा हुआ। कंटेनर बाहर से 20 फीट लंबा था, जबकि अंदर से केवल 16 फीट निकला। इसी आधार पर पुलिस ने बारीकी से जांच की। कंटेनर के भीतर करीब 4 फीट का गुप्त कैबिन बना हुआ था, जिसे ऊपर से वेल्डिंग कर बंद किया गया था।

पुलिस ने वेल्डिंग हटाकर कैबिन खोला तो उसके भीतर 16 बोरियों में भरा डोडा चूरा मिला। आरोपी चालक अनिल हाड़ा पिता लालूराम निवासी अनंत नगर आगर-मालवा को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

कैसे खुला राज - कंटेनर बाहर से 20 फीट, अंदर से 16 फीट मिला ।

शक होने पर वेल्डिंग तोड़ी गई, 4 फीट के गुप्त कैबिन से 16 बोरियां बरामद ।

थाना प्रभारी शशि उपाध्याय ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि डोडा चूरा बड़ौदा क्षेत्र के बीजनागरी से पंजाब ले जाया जा रहा था। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका - इस कार्रवाई में एएसआई अजय जाट, प्रधान आरक्षक कालूराम मंडलावद, सुनील पटेल, आनंद पंड्या तथा आरक्षक दीपक, अमन और राजेश की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अब मादक पदार्थों के सोर्स और तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

मझौली में हर साल लगेगा आदिवासी मेला, 15 लाख देगी सरकार- मंत्री डॉ. शाह

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने आज रविवार को मझौली स्थित बड़ादेव देवालय और आदिवासी समाज के लिए 40.96 लाख की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया।

इस दौरान उन्होंने मंच से कहा कि सामुदायिक भवन बनाने में विधायक श्री अजय विश्नोई का सबसे बड़ा योगदान है। साथ ही बड़ादेव देवालय के अधूरे कार्य को पूरा करने के लिए 25 लाख रुपए देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा की मप्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सभी आदिवासी देवालयो के जीर्णोद्धार के लिए 4 करोड़ की राशि स्वीकृति की है। इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। मंत्री श्री शाह ने कहा कि अब बड़ादेव देवालय परिसर में प्रतिवर्ष आदिवासी मेले का आयोजन होगा, जिसके लिए जनजातीय कार्य विभाग हर साल 15 लाख रुपए की सहायता देगा, शेष व्यवस्थाएं स्थानीय विधायक और समाजजन मिलकर करेंगे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि सरकार जनजातीय समाज के छात्र-छात्राओं की शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार के लिए लगातार योजनाएं बनाई है। आदिवासी समाज में वकील और जज बनने के लिए भी क्लेट परीक्षा की तैयारी भी की जाएगी। इसके अलावा यूपीएससी पीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी सरकार द्वारा करवाई जाएगी। साथ ही जो आदिवासी बच्चे डॉक्टर, या आईआईटी, ट्रिपलआईटी की तैयारी करना चाहते है उनके लिए जबलपुर, इंदौर, भोपाल में निशुल्क तैयारी सरकार द्वारा करवाई जाएगी। मंत्री श्री शाह ने कहा कि जो आदिवासी भाई-बहन व्यापार करना चाहते हैं उनके लिए सरकार द्वारा 2 से 5 लाख रूपये तक का ऋष्ण उपलब्ध कराया जायेगा। साथ ही उन्हें व्यापार का प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के 11 युवाओं का अग्निवीर में चयन होने पर सम्मान किया गया। साथ ही उन्होंने अपनी ओर से सभी चयनित युवाओं को 5-5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। मंत्री श्री शाह ने कहा कि आदिवासी युवाओं को अग्निवीर भर्ती की तैयारी कराने के लिए विशेष प्रशिक्षण योजना बनाई जाएगी। यदि सेना की ओर से प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है तो प्रशिक्षण अवधि के दौरान युवाओं के भोजन और अन्य आवश्यक खर्च जनजातीय कार्य विभाग द्वारा वहन किए जाएंगे।

उन्होंने घोषणा की कि स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान देने वाले वीर शंकर शाह और रघुनाथ शाह की गाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए उनके जीवन और योगदान को पाठ्यपुस्तकों में शामिल किया जाएगा। साथ ही उनके नाम पर जबलपुर में प्रतिवर्ष एक भव्य जनजातीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसके लिए 5 करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इस आयोजन में जनजातीय समाज के अन्य स्वतंत्रता सेनानियों और वीर शहीदों को भी याद किया जाएगा।

मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि जनजातीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए जबलपुर में भी एक सांस्कृतिक संरक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा। लगभग 20 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस केंद्र में आदिवासी युवक-युवतियों तथा महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा और पारंपरिक संस्कृति, कला एवं लोक परंपराओं को संरक्षित करने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार जनजातीय समाज के सांस्कृतिक और सामाजिक विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक श्री अजय विश्नोई ने कहा कि लगभग तीन साल पहले मंत्री श्री शाह यहाँ आए थे। उस समय यह भवन और मंदिर निर्माणाधीन थे। उन्होंने भवन निर्माण के आग्रह को स्वीकारा और भवन निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया, उन्हीं के सहयोग से यह भवन बनकर तैयार हुआ है।

इस दौरान उन्होंने भवन के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि गोंड समाज भारत के सबसे प्राचीन आदिवासी समाजों में से एक है। इस समाज की सबसे बड़ी विशेषता भाईचारे की भावना है। इस समाज ने अपनी परंपराओं और सामाजिक व्यवस्थाओं को सदैव जीवित रखा है। आज भी समाज अपने रीति-रिवाजों और सामाजिक नियमों का पालन कर रहा है।

कार्यक्रम के दौरान बड़ादेव समिति के अध्यक्ष प्रकाश सिंह सैयाम सहित बड़ी तादात में स्थानीय नागरिक व संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

प्री-मानसून मेंटेनेंस के तहत साढ़े चार घंटे बंद रही बिजली, पेड़ों की छंटाई कर सुधारी लाइनें

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। मानसून के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा रविवार को 11 केवी आगर रोड टाउन फीडर पर प्री-मानसून मेंटेनेंस कार्य किया गया। इस दौरान नगर के विभिन्न क्षेत्रों में करीब साढ़े चार घंटे तक बिजली आपूर्ति बंद रही। मेंटेनेंस कार्य के तहत विद्युत लाइनों के आसपास आए पेड़ों की शाखाओं की छंटाई की गई तथा लाइन और उपकरणों का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार कार्य किए गए। विभाग का कहना है कि बरसात के मौसम में पेड़ों की शाखाएं विद्युत लाइनों से टकराने के कारण होने वाले फॉल्ट और विद्युत व्यवधान को रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई। कार्य के दौरान बिजली कंपनी के कनिष्ठ अभियंता (जेई) इमरान खान स्वयं कर्मचारियों के साथ मौके पर मौजूद रहे और पूरे मेंटेनेंस कार्य की निगरानी की। विभागीय कर्मचारियों ने विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर लाइन सुधार एवं रखरखाव का कार्य किया। विद्युत कंपनी के अनुसार प्री-मानसून मेंटेनेंस अभियान का उद्देश्य आगामी वर्षा ऋतु में उपभोक्ताओं को बेहतर एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना है।कार्य पूर्ण होने के बाद संबंधित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति पुनः बहाल कर दी गई।

जैविक हाट बना स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं की पहली पसंद

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी परिसर में जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग के मार्गदर्शन में प्रत्येक रविवार को आयोजित किया जा रहा साप्ताहिक जैविक हाट लगातार लोकप्रियता हासिल कर रहा है। जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित यह हाट अब शुद्धता, गुणवत्ता और भरोसे की पहचान बनता जा रहा है।

इस रविवार को आयोजित हाट में जिले के विभिन्न विकासखंडों से लगभग 30 से 35 जैविक किसानों ने सहभागिता की। किसानों द्वारा जैविक अनाज, दलहन, गिर गाय के दूध का दही, बिलौना घी, ताजी सब्जियां, फल, कोल्ड प्रेस्ड तेल, मसाले, दाल, आटा, गेहूं, चावल, गुड़ तथा अन्य जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों का विक्रय किया गया।

उप संचालक कृषि यू के कटहरे ने जैविक हाट का निरीक्षण कर विक्रेताओं से जैविक उत्पाद तैयार करने की पद्धति तथा उनसे प्राप्त उत्पादों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों को अपने जैविक उत्पादों का पंजीकरण कराने के निर्देश दिए, जिससे उत्पादों की विश्वसनीयता बढ़े तथा उन्हें व्यापक बाजार उपलब्ध हो सके।

अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ. इंदिरा त्रिपाठी ने किसानों को आईडी कार्ड की अनिवार्यता संबंधी निर्देश दिए। उन्होंने पात्र किसानों से अपनी खेती का पूर्ण जैविक प्रमाणीकरण कराने हेतु शीघ्र आवेदन करने का आग्रह किया तथा प्रमाणीकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी। मौके पर दो किसानों ने जैविक प्रमाणीकरण पंजीयन करने की सहमति दी।

हाट में उपस्थित कृषि अधिकारियों ने किसानों को जैविक खेती, विपणन एवं ब्रांडिंग संबंधी आवश्यक जानकारी भी प्रदान की। जैविक हाट के सफल संचालन में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एस के परतेती, के के डेहरिया, सुश्री निधि भलावी, सुश्री सुषमा कुलेश, गौतम यादव सहित कृषि विभाग के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कृषि विभाग का पौधारोपण अभियान संपन्न

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर कृषि विभाग द्वारा करैयाखेड़ा रोड स्थित वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा अधिक से अधिक पौधारोपण को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा नीम एवं आम के पौधों का रोपण किया गया। पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, हरित क्षेत्र बढ़ाने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया। उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि सतत जनभागीदारी और सामूहिक जिम्मेदारी का विषय है। कार्यक्रम में उप संचालक कृषि श्री के. एस. खपेड़िया, सहायक संचालक कृषि श्रीमती अविना सिंह परिहार, सहायक संचालक उद्यान श्री श्यामलाल सोलंकी आदी।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन, द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को सुरक्षित, स्वच्छ एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थों के महत्व तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में नागरिकों, खाद्य कारोबारकर्ताओं, विद्यार्थियों तथा विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रमुख प्रावधानों की विस्तृत जानकारी देते हुए खाद्य पदार्थों के उत्पादन, भंडारण, परिवहन एवं विक्रय में स्वच्छता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने उपस्थित लोगों को खाद्य सामग्री खरीदते समय एफएसएसएआई लाइसेंस अथवा पंजीयन, निर्माण तिथि, उपयोग अवधि (एक्सपायरी डेट) तथा पैकेजिंग की सावधानीपूर्वक जांच करने की सलाह दी।

विशेषज्ञों ने स्वस्थ एवं संतुलित आहार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान तथा खाद्य जनित रोगों की रोकथाम के उपायों की जानकारी भी साझा की। कार्यक्रम में बताया गया कि सुरक्षित भोजन न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य की रक्षा करता है, बल्कि एक स्वस्थ, सक्षम और सशक्त समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई कि वे केवल स्वच्छ, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित खाद्य पदार्थों का ही उपयोग करें। साथ ही किसी भी प्रकार की खाद्य मिलावट, दूषित खाद्य सामग्री अथवा खाद्य सुरक्षा संबंधी अनियमितताओं की सूचना तत्काल संबंधित विभाग को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

इस अवसर पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री संदीप वर्मा, श्रीमती किरण श्रीवास्तव एवं सुश्री कुदसिया खान ने उपस्थित नागरिकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए पौष्टिक एवं संतुलित खाद्य पदार्थों के सेवन की सलाह दी।

कार्यक्रम में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्रीमती मिताली मेहरा, श्री रवि तलरेजा (अध्यक्ष, चैंबर ऑफ कॉमर्स), श्री महिपाल सिंह राजपूत एवं श्री आनंद अग्रवाल (होटल रेस्टोरेंट एसोसियेशन), श्री रामूराम जाट (राजस्थान स्वीट, किराना एवं व्यापार संघ), श्री श्याम सुंदर शर्मा (वरिष्ठ समाजसेवी, अपना घर) सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बेतवांचल कॉलेज के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कार्यक्रम के अंत में सुरक्षित भोजन, स्वस्थ जीवन और खाद्य सुरक्षा के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया गया तथा आमजन से खाद्य सुरक्षा मानकों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया गया।

समान नागरिक संहिता पर जनपरामर्श बैठक आयोजित, विभिन्न वर्गों से प्राप्त हुए सुझाव

यूसीसी पर जनपरामर्श बैठक में मिले महत्वपूर्ण सुझाव, सभी वर्गों की सहभागिता से तैयार होगा प्रारूप

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के संबंध में अध्ययन एवं परीक्षण हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति द्वारा जनसुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से रविवार को पूर्वान्ह 11:00 बजे कृषक सभागृह, कृषि विज्ञान केन्द्र, राजगढ़ नाका, झाबुआ में जनपरामर्श बैठक आयोजित की गई। बैठक में उच्च स्तरीय समिति की सदस्य एवं शिक्षाविद् डॉ. शोभा पैठणकर उपस्थित रहीं तथा विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों से सुझाव एवं विचार प्राप्त किए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. शोभा पैठणकर ने कहा कि समान नागरिक संहिता का प्रावधान भारतीय संविधान के नीति निदेशक तत्वों के अनुच्छेद-44 में किया गया है। उन्होंने बताया कि मौलिक अधिकार और नीति निदेशक तत्वों की प्रकृति भिन्न होने के बावजूद दोनों का उद्देश्य नागरिकों के कल्याण, समानता एवं न्यायपूर्ण व्यवस्था को सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा कि संविधान निर्माण के दौरान इस विषय पर व्यापक चर्चा हुई थी तथा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भी समान नागरिक संहिता लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया था। समय के साथ समाज में परिवर्तन होते हैं और आवश्यकतानुसार कानूनों में भी संशोधन किए जाते हैं। परिवर्तन जीवन का स्वाभाविक अंग है।

डॉ. पैठणकर ने कहा कि वर्तमान में विवाह, विवाह विच्छेद, भरण-पोषण, उत्तराधिकार एवं दत्तक ग्रहण जैसे विषय विभिन्न व्यक्तिगत कानूनों के अंतर्गत आते हैं। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य इन विषयों पर सभी नागरिकों के लिए समान कानूनी व्यवस्था स्थापित करना है, जिससे महिला एवं पुरुष दोनों को समान अधिकार एवं अवसर प्राप्त हो सकें।

डॉ. पैठणकर ने कहा कि राज्य शासन जनसंवाद एवं जनपरामर्श के माध्यम से नागरिकों के सुझाव प्राप्त कर रहा है। जो नागरिक बैठक में उपस्थित नहीं हो सके हैं, वे ह्वष्.द्वश्च.द्द्य1.द्वठ्ठ वेबसाइट के माध्यम से भी अपने सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने सभी वर्गों से रचनात्मक सुझाव देने का आग्रह किया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित समान नागरिक संहिता में अनुसूचित जनजातियों को शामिल नहीं किए जाने का प्रावधान विचाराधीन है। प्राप्त सुझावों के आधार पर यूसीसी का प्रारूप तैयार किया जाएगा, जिसे विधि विभाग की सहमति के उपरांत विधानसभा में प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों की राष्ट्र के प्रति निष्ठा समान है और समाज के विभिन्न वर्गों के विचारों को ध्यान में रखते हुए आगे की प्रक्रिया संचालित की जाएगी।

कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा समान नागरिक संहिता के संबंध में आमजन के सुझाव प्राप्त करने के लिए व्यापक स्तर पर जनपरामर्श की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। शासन की मंशा है कि विभिन्न वर्गों, समुदायों एवं क्षेत्रों के नागरिकों की राय प्राप्त कर उसे नीति निर्माण की प्रक्रिया में शामिल किया जाए, जिससे अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी निर्णय लिए जा सकें।

कलेक्टर ने जिले के नागरिकों से अपील की कि वे इस महत्वपूर्ण विषय पर आयोजित जनपरामर्श प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता करें तथा अपने सुझाव एवं विचार प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि जो नागरिक बैठक में उपस्थित नहीं हो सके हैं, उनके लिए शासन द्वारा ह्वष्.द्वश्च.द्द्य1.द्वठ्ठ वेबसाइट भी उपलब्ध कराई गई है, जिसके माध्यम से वे अपने सुझाव ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की आधारशिला है और नागरिकों के सुझाव नीति निर्माण को अधिक समावेशी एवं प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार ने कहा कि समाज में व्यवस्था, न्याय एवं कानून के प्रभावी संचालन के लिए शासन द्वारा विभिन्न विधिक प्रावधान बनाए गए हैं। आपराधिक कानून का उद्देश्य समाज में शांति, सुरक्षा एवं कानून का राज स्थापित करना है, वहीं नागरिक जीवन से जुड़े विषयों के लिए सिविल कानून महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि विवाह, विवाह विच्छेद, उत्तराधिकार, भरण-पोषण एवं अन्य नागरिक विषयों से संबंधित विभिन्न प्रावधानों में मौजूद असमानताओं को दूर करने तथा सभी नागरिकों के लिए समानता आधारित व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से समान नागरिक संहिता पर विचार किया जा रहा है। यूसीसी के माध्यम से उन विषयों को शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है, जिनमें समयानुकूल सुधार एवं एकरूपता की आवश्यकता महसूस की गई है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न सामाजिक एवं कानूनी मुद्दों के समाधान के विकल्प के रूप में यूसीसी एक महत्वपूर्ण व्यवस्था सिद्ध हो सकती है। इसलिए नागरिकों को इस विषय का गंभीरता से अध्ययन कर अपने सुझाव प्रस्तुत करने चाहिए।

जनसंवाद के माध्यम से प्राप्त हुए विविध सुझाव एवं विचार- बैठक में विभिन्न जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के सदस्यों, अधिवक्ताओं एवं पत्रकार बंधुओं द्वारा समान नागरिक संहिता के संबंध में अपने-अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए गए। प्रतिभागियों ने सामाजिक सरोकारों एवं स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिए। सुझावों में विवाह एवं विवाह विच्छेद के लिए सभी नागरिकों हेतु एक समान कानून बनाए जाने, विवाह के लिए महिला एवं पुरुष की आयु समान निर्धारित किए जाने तथा महिलाओं के उत्तराधिकार संबंधी नियमों में समानता सुनिश्चित किए जाने पर बल दिया गया।

बैठक में जनजातीय समाज की विशिष्ट संस्कृति, परंपराओं एवं रीति-रिवाजों की भिन्नता को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें यूसीसी के दायरे से पृथक रखने तथा जनजातीय वर्ग के लिए पृथक विधिक प्रावधान अथवा अलग कोड तैयार किए जाने संबंधी सुझाव भी प्राप्त हुए। साथ ही यह भी सुझाव दिया गया कि विकास की मुख्यधारा में जनजातीय वर्ग की भागीदारी एवं हित किसी भी स्थिति में प्रभावित न हों।

प्रतिभागियों द्वारा लिव-इन रिलेशनशिप से जन्मे बच्चों एवं सिंगल मदर के बच्चों के उत्तराधिकार संबंधी अधिकारों को स्पष्ट एवं न्यायसंगत रूप से परिभाषित किए जाने की आवश्यकता व्यक्त की गई। इसके अतिरिक्त नागरिकों को कानूनों की स्पष्ट जानकारी एवं समझ उपलब्ध कराने के लिए सहायता केंद्र स्थापित किए जाने तथा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाए जाने का सुझाव भी दिया गया।

वर्ल्ड क्लब फुट डे पर किया गया संवाद का आयोजन

बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ल्ड क्लबफुट डे के अवसर पर जिला बडवानी में क्लबफुट से प्रभावित परिवारों क साथ संवाद आयोजित किया गया, ताकि बच्चों में इस स्थिति की समय पर पहचान और शीघ्र उपचार के महत्व के बारे में जागरुकता बढ़ाई जा सके । इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन के मार्गदर्शन में आज विश्व क्लबफुट दिवस लोगो को जागरुक करने और परिवारों को समय पर उपचार लेने के लिए प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। स्वास्थ्य विभाग, फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और सहयोगी संस्थाओं के निरंतर प्रयासो से जिला बड़वानी में क्लबफुट से प्रभावित बच्चों को वह सहयोग मिल रहा है जिसकी मदद से वे चल, दौड और सामान्य जीवन जी सके । क्लबफुट एक जन्मजात स्थिति है, जिसमें बच्चें के पैर जन्म के समय अंदर ओर मुड़े होते है। यह लगभग हर 800 नवजात शिशुओं में से 1 को प्रभावित करता है। समय पर उपचार मिलने पर क्लबफुट वालें बच्चें सामान्य और सक्रिय जीवन जी सकते हैं। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यकम, जो कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की एक पहल है, के अंतर्गत क्लबफुट से प्रभावित बच्चों की समय पर पहचान कर उन्हें सरकारी स्वास्थ्य संस्थानो में उपचार के लिए भेजा जाता है। जिला बड़वानी में क्लबफुट उपचार सेवाएँ जिला अस्पताल में उपलब्ध हैं, जहा प्रभावित बच्चों के लिए साप्ताहिक क्लिनिक संचालित किए जाते हैं जिसमे डॉ. दीपक मुवेल सर एवं डॉ अर्पिता पॉल फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा उपचार किया जा रहा है, 153 बच्चें वर्तमान में क्लबफुट का उपचार प्राप्त कर रहे है। अतः आशा और एएनएम सहित फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ता बच्चों की शुरुआती पहचान करनें और उन्हें समय पर उपचार केन्द्र तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, माता-पिता की नियमित कांउसलिंग भी की जाती हैं ताकी उपचार और फॉलो अप लगातार जारी रहे। अनुष्का फाउण्डेशन फार इलीमिनेटिंग क्लबफुट के सहयोग से जिला अस्पतालों को प्रशिक्षित डॉक्टरो आवश्यक उपकरणों और व्यवस्थित फॉलो अप प्रणाली के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उपचार सेवाएँ प्रदान करनें के लिए मजबूत किया जा रहा है।

जिला चिकित्सालय में हुआ शांति के जन्मजात टेड़े पैरों का ईलाज

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जहां सही समय पर उपचार चिकित्सकों का मार्गदर्शन और परिवार का विश्वास साथ हो वहां असंभव भी संभव हो जाता है। विकासखण्ड पाटी के ग्राम कालाखेत निवासी शांति जमरे (उम्र 3 वर्ष) पिता सियाराम जन्म से क्लब फुट (टेड़े पैर) की समस्या से पीड़ित थीं। जन्म के समय परिवार इस स्थिति को लेकर चिंतित था लेकिन जिला चिकित्सालय बड़वानी में चिकित्सको द्वारा उचित परामर्श एवं निशुल्क उपचार की जानकारी मिलने से परिवार को नई आशा मिली। आरबीएसके टीम के चिकित्सक डॉ रवि सावले एच डॉ मोनिका गुप्ता ने परिवार को बताया कि क्लब फुट का उपचार निःशुल्क कास्टिंग एवं ब्रेसिंग के माध्यम से सफलतापूर्वक किया जा सकता है। इसके बाद जिला चिकित्सालय के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक मुवेल के मार्गदर्शन में बच्ची की नियमित कास्टिंग की गई। उपचार प्रक्रिया के दौरान अनुष्का फाउंडेशन के समन्वयक श्री हेमराज यादव के सहयोग से बच्ची को चार बार निःशुल्क ब्रेसिंग उपलब्ध कराई गई। चिकित्सकीय टीम के सतत प्रयास, परिवार के धैर्य और नियमित उपचार जो परिणामस्वरूप आज शांति जमरे सामान्य बच्चों की तरह चलने-फिरने लगी है। जन्मजात विकृतियों की समय पर पहचान, सही उपचार और सकारात्मक सोच से बच्चों को एक स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य दिया जा सकता है। परिवार ने जिला चिकित्सालय बड़वानी, सीएमएचओ, सिविल सर्जन, डॉ दीपक मुवेल, डॉ. रवि सांवले, डॉ. मोनिका गुप्ता, डॉ अर्पिता पॉल तथा अनुष्का फाउंडेशन को इस सराहनीय कार्य हेतु हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

बिजली बिल को नियंत्रित रखने की चाबी अब आपके हाथ में

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। अधिकतर उपभोक्ता बिजली का बिल ज्यादा आने पर स्मार्ट मीटरों या बिजली कंपनी को शिकायत हैं जबकि वास्तविकता यह है कि उपकरणों के ज्यादा उपयोग से बिजली का बिल ज्यादा आता है। यदि आप थोड़ी सी सावधानी बरतें तो बिल ज्यादा आने की आपकी चिंता बढ़ेगी नहीं। आप चाहें तो अपने बढ़ते बिल को नियंत्रण में रख सकते हैं। बस आपको अपनी आदतों में बदलाव करना होगा। एक आंकलन के अनुसार अधिकांश शहरवासी रिमोट चलित विद्युत उपकरणों को ''स्टैंडबाय'' मोड पर छोड़ देते हैं, जिससे उपकरण तो बंद हो जाते हैं परन्तु इनमें सतत् विद्युत प्रवाहित होती रहती है। यदि आप रिमोट से चलने वाले उपकरणों को स्विच ऑफ नहीं करते है और रिमोट से बंद करके उपकरणों को छोड़ देते हैं तो बिजली की खपत बढ़ जाती है, जिससे बिल बढ़ जाता है। एक सर्वे के अनुसार 70 फीसदी लोग टी.वी. को मैन स्विच से ऑन-ऑफ न करके रिमोट से ऑन-ऑफ करते हैं। इससे टी.वी.ऑफ होने के बावजूद भी पॉवर सप्लाई चालू रहती है। इससे 21 इंच के टी.वी. में 15 वाट का करंट निरन्तर प्रवाहित होता रहता है एवं आपके मीटर को आगे बढ़ाता रहता है, जिसके कारण इन 70 फीसदी लोगों को हर महीने लगभग 200 रूपये और हर साल 1500 रूपये का अतिरिक्त भार सहना पड़ता है।

इलेक्ट्रीशियन की सलाह के अनुसार एक व्यवसायी द्वारा 1200 वॉट क्षमता के एलईडी बल्ब अपने घर में लगाने के लिए खरीद लिए गए। इसी प्रकार एलईडी ट्यूबलाईट एवं ऊर्जा दक्ष पंखे लगा लिए तो उनके घर में बिजली की 30 प्रतिशत तक बिजली बचत हुई।

बिजली विशेषज्ञों के अनुसार अब तो एल.ई.डी. जैसे उपकरण बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं, उनके उपयोग से और अधिक बिजली की बचत और ज्यादा रोशनी प्राप्त हो सकती है।

म्यूजिक सिस्टम, टी.वी., ए.सी., कम्प्यूटर आदि स्टैंडबाय मोड पर 5 से 15 वॉट तक बिजली की खपत करते हैं। अगर महीने भर भी टी.वी. बंद रहे जब भी 15 वॉट के हिसाब से एक दिन में 0.36 यूनिट व 30 दिन में 10.8 यूनिट बिजली खर्च होती है।

कम्प्यूटर के मॉनिटर एवं कापीअर्स को स्लीप मोड में रखने से लगभग 40 प्रतिशत ऊर्जा की बचत होती है। एलईडी मॉनिटर का प्रयोग करें यह पारंपरिक सी.आर.टी. मॉनिटर की तुलना में कम ऊर्जा खर्च करता है। यदि कम्प्यूटर को चालू रखना आवश्यक हो तो मॉनिटर अवश्य बंद रखें जो कि कुल ऊर्जा का 50 प्रतिशत से अधिक खर्च करता है। यदि एक कम्प्यूटर 24 घंटे चालू रखा जाए तो यह एक ऊर्जा दक्ष फ्रिज से अधिक विद्युत खर्च करता है। अतः उपयोग न होने पर कम्प्यूटर बंद रखें।

वर्तमान में एलईडी बल्ब ऊर्जा बचत हेतु अतिउत्तम विकल्प है क्योंकि इनका उपयोग करके हम बिजली की बचत कर सकते हैं। एलईडी बल्ब बार-बार चालू/बंद करने से उनकी उम्र पर असर नहीं पड़ता है जबकि साधारण बल्ब जल्दी ही फ्यूज हो जाता है। एक 40 वाट के साधारण बल्ब के प्रकाश के बराबर के प्रकाश के लिए 4 से 5 वाट क्षमता के एलईडी बल्ब की आवश्यकता होती है। एलईडी बल्ब परंपरागत बल्ब की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक प्रकाश देते हैं एवं इनकी टिकाऊ होने की अवधि सामान्य बल्ब की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक है। यह कम ऊर्जा ग्रहण करते हैं और ज्यादा गर्म भी नहीं होते हैं।

राजपूत हितकारिणी सभा ग्वालियर द्वारा सर्वसम्मति से स्थानीय उपसमिति गठित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राजपूत हितकारिणी सभा ग्वालियर के बसंत विहार स्थित कार्यालय पर सभा के अध्यक्ष पूज्य संत कृपाल सिंह महाराज ग्वालियर की गरिमामय उपस्थिति में महामंत्री उत्तम सिंह कुशवाह द्वारा उज्जैन में माधव बोर्डिंग हाउस से संबंधित समस्त संपत्तियों के समुचित रख रखाव तथा स्थानीय व क्षेत्रीय राजपूत समाज के हितार्थ अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के व्यापक दृष्टिकोण से राजपूत हितकारिणी सभा ग्वालियर द्वारा सर्वसम्मति से गठित की गई स्थानीय उपसमिति की घोषणा की गई। इस दौरान राजपूत हितकारिणी सभा ग्वालियर के संयुक्त सचिव सरनाम सिंह तोमर, जागेश्वर सिंह भदौरिया एवं सहसचिव भरत सिंह भदौरिया तथा नव गठित उपसमिति के सभी सम्मानित पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यगण उपस्थित रहे।

उज्जैन की नव गठित उप समिति इस प्रकार है

सुरेन्द्र सिंह कुशवाह - संयोजक

चेतन सिंह परमार - कार्यकारी सचिव

ऋषिराज सिंह सिसोदिया - संयुक्त सचिव

जुगल प्रताप सिंह - सहसचिव

सुंदर सिंह भदौरिया - कार्यालय सचिव

वीरेन्द्र सिंह सिसोदिया - कार्यकारिणी सदस्य

रवि प्रकाश सिंह कुशवाह - कार्यकारिणी सदस्य

एडव्होकेट अरविंद प्रताप सिंह बिसेन - कार्यकारिणी सदस्य

राजवीर सिंह तोमर - कार्यकारिणी सदस्य

सुरेन्द्र सिंह भदौरिया - कार्यकारिणी सदस्य

प्रदीप सिंह सिकरवार - कार्यकारिणी सदस्य

अभिषेक बिसेन - कार्यकारिणी सदस्य

अमित सिंह भदौरिया - कार्यकारिणी सदस्य

राणा प्रताप सिंह जी तोमर - कार्यकारिणी सदस्य

जितेन्द्र सिंह भदौरिया - कार्यकारिणी

यश प्रताप सिंह परमार - कार्यकारिणी सदस्य

रणवीर झाला - कार्यकारिणी सदस्य

चन्द्रभान सिंह चंदेल - कार्यकारिणी सदस्य

एडवोकेट कर्ण सिंह ठाकुर - कार्यकारिणी सदस्य

एडवोकेट रवीन्द्र सिंह कुशवाह कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किए गए।

अंत में परम पूज्य संत कृपाल सिंह महाराज ने नव गठित उप समिति के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान करते हुए निष्काम भाव से समाज के जरूरत मंदों के हितार्थ सभी को मिलजुलकर एक दिशा में कार्य करने की आवश्यकता पर बल देते हुए वास्तविक क्षात्र धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। भरत सिंह भदौरिया द्वारा समस्त नवगठित उपसमिति का माल्यार्पण कर हार्दिक अभिनन्दन किया गया।

कच्चे घर से आत्मनिर्भरता तक का प्रेरक सफर, सरकारी योजनाओं ने बदली धारू आदिवासी के परिवार की तस्वीर

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सच्ची लगन और मेहनत के साथ कार्य किया जाए तो जीवन की हर मुसीबत से उबरकर अपने जीवन को बेहतर बनाया जा सकता है। केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार की जनहित में अनेक योजनायें संचालित हैं। इन योजनाओं का लाभ उठाकर अनेक लोगों ने अपने जीवन को खुशहाल बनाया है। प्रधानमंत्री आवास योजना से अपने स्वयं का आवास बनाने के साथ-साथ अनेक योजनाओं का लाभ लेकर ग्वालियर जिले के धारू आदिवासी ने अपने जीवन को बेहतर और सशक्त बनाने का उदाहरण प्रस्तुत किया है। धारू आदिवासी ने न केवल अपने परिवार की स्थिति को मजबूत किया है बल्कि अन्य लोगों के लिये भी मिशाल कायम की है।

ग्वालियर जिले की घाटीगांव ग्राम पंचायत के ग्राम चैत निवासी श्री धारू आदिवासी ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लिये पंचायत में अपना आवेदन किया। आवास की स्वीकृति मिलने पर उन्होंने स्वयं ही मजदूरी कर अपने मकान को बनाया। जिसके लिये उन्हें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम से 90 दिन की मजदूरी भी प्राप्त हुई। स्वयं का आवास बन जाने से धारू आदिवासी और उसके परिवार को अब बरसात में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती है।

ग्राम चैत के धारू आदिवासी ने पंचायत में शासन की अन्य योजनाओं की जानकारी भी ली और पात्रता अनुसार आवेदन देने पर उन्हें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से गैस सिलेण्डर, मुख्यमंत्री भू-अधिकार आवास पट्टा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना से बिजली कनेक्शन, जल जीवन मिशन से घर में शुद्ध पेयजल की प्राप्ति, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आहार अनुदान योजना से 1500 रुपए प्रतिमाह की राशि मिलने के साथ-साथ आधारकार्ड, राशनकार्ड की भी सुविधा उपलब्ध हुई है।

धारू आदिवासी एवं उसके परिवार को पक्के घर से न केवल सुरक्षा प्राप्त हुई है बल्कि अनेक सुविधायें भी मिलने लगी हैं। इनकी पत्नी गीता आदिवासी ने अपने घर के आसपास अनेक प्रकार के फल-फूल के पेड़ लगाए हैं। जिससे उन्हें न केवल पेड़ की छाया मिलती है बल्कि पौष्टिक खाद्य पदार्थ भी मिल रहे हैं। गीता आदिवासी ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्व-सहायता समूह से जुड़कर सिलाई का काम सीखा और समूह से ऋण लेकर सिलाई मशीन भी खरीदी। गीता आदिवासी अब ग्रामवासियों के कपड़े सिलती हैं। इससे उन्हें आय भी प्राप्त हो रही है। धारू आदिवासी एवं उसकी पत्नी ने थोड़े-थोड़े पैसे जोड़कर अपने बेटे रिंकू के लिये गाँव में ही एक छोटी सी किराना दुकान भी खुलवाई है। जहां दैनिक जरूरत की वस्तुएं उपलब्ध हैं और उसके परिवार को थोड़ा-बहुत आर्थिक लाभ भी मिल रहा है।

धारू आदिवासी एवं उसके परिवार का मानना है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जरूरतमंदों के लिये इनेक कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंद लोग इसका लाभ लेकर अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलने पर धारू आदिवासी व उसका परिवार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रदेश सरकार को धन्यवाद भी ज्ञापित करते हैं।

प्रवासी श्रमिकों के हित में विशेष पहल, जिलेभर में शुरू हुआ पंजीयन अभियान

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रवासी श्रमिकों के कल्याण, सुरक्षा और उन्हें शासन की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में विशेष पंजीयन अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत अन्य राज्यों से आकर ग्वालियर जिले में कार्यरत प्रवासी श्रमिकों तथा ग्वालियर जिले से अन्य राज्यों में रोजगार के लिए गए श्रमिकों का पंजीयन प्रवासी श्रमिक पोर्टल पर किया जाएगा। सहायक श्रम आयुक्त ने बताया कि अभियान के दौरान ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों के माध्यम से प्रवासी श्रमिकों की जानकारी व्यवस्थित रूप से एकत्रित कर पोर्टल पर दर्ज की जाएगी। इससे जिले में कार्यरत एवं बाहर रोजगार प्राप्त कर रहे श्रमिकों का अद्यतन और प्रमाणिक डाटाबेस तैयार हो सकेगा। उन्होंने बताया कि पंजीयन के माध्यम से श्रमिकों की वास्तविक स्थिति और आवश्यकताओं का आकलन करने में सहायता मिलेगी। साथ ही शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों एवं श्रमिक हितैषी सुविधाओं का लाभ पात्र श्रमिकों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकेगा।

शहर की आबोहवा को शुद्ध करने के लिये सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों ने भी की पहल

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर शहर की आबोहवा को बेहतर बनाए रखने के लिये शासन-प्रशासन के साथ-साथ अब शहर की सामाजिक संस्थाओं और गणमान्य नागरिकों को जोड़ने का एक अभिनव नवाचार शुरू किया गया है। इसमें लोगों ने भी कंधे से कंधा मिलाकर शहर के उद्यानों, डिवाइडरों और चौराहों को हरा-भरा और सौंदर्यीकृत बनाने का बीड़ा उठाया है।

नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने नगर निगम के माध्यम से शहर के सामाजिक संस्थाओं और गणमान्य नागरिकों को शहर की आवोहवा को बेहतर बनाने और उद्यानों, चौराहों और डिवाइडरों को हरा-भरा बनाए रखने के लिये सहयोग करने के आह्वान पर शहर की अनेक संस्थाओं और गणमान्य नागरिकों ने न केवल आगे आकर अपनी इच्छा व्यक्त की बल्कि नगर निगम के उद्यानों, चौराहों और डिवाइडरों को हरा-भरा बनाने के साथ-साथ सौंदर्यीकृत करने की भी सहमति दी। प्रथम चरण में शहर के 14 पार्क एवं चौराहों को सामाजिक संस्थाओं एवं शहर के प्रबुद्ध नागरिकों ने गोद लिया है।

बिना अनुमति के जुलूस, धरना व प्रदर्शन करने पर रहेगा प्रतिबंध

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री ऋषव गुप्ता ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत आदेश जारी कर जिले में बिना अनुमति के धरना, प्रदर्शन व जुलूस कार्यक्रमों के आयोजनों पर प्रतिबंध लगाया है। जारी आदेश अनुसार आगामी 5 अगस्त 2026 तक खण्डवा, हरसूद, पंधाना, मूंदी और ओंकारेश्वर नगरों की सीमा के भीतर कोई भी जुलूस बिना अनुमति के नहीं निकाला जा सकेगा। नगरीय क्षेत्रों में यह सुनिश्चित किया जायेगा कि इन कार्यक्रमों से जन सामान्य को आवागमन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। किसी भी आयोजन से कम से कम 15 दिन पूर्व इसकी अनुमति के लिए आवेदन दिया जाना अनिवार्य होगा। जारी आदेशानुसार आयोजकों की यह जिम्मेदारी होगी कि वे जुलूस या रैली के दौरान मार्ग से निकलने वाले एम्बूलेंस, फायर ब्रिगेड, शासकीय वाहनों को मार्ग देकर वाहनों को निकालने में सहयोग करेंगे।

कलेक्टर श्री गुप्ता द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि रैली व जुलूस के आयोजकों को आवेदन में अपना मोबाईल नम्बर, फोटोग्राफ तथा रैली में शामिल होने वाले व्यक्तियों की संख्या भी देना होगी। रैली व जुलूस की अनुमति से पूर्व आयोजकों को शामिल होने वाले दो पहिया व चार पहिया वाहनों की संख्या की जानकारी भी देना होगी। प्रतिबंधात्मक आदेश के तहत ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के लिए भी अनुमति लेना होगी। ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग रात्रि 10 बजे के बाद करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। इसके साथ ही सार्वजनिक भवनों, खम्बों एवं सड़कों के आसपास झण्डे, बेनर, पोस्टर्स लगाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

रैली में शामिल वाहनों में ओवरलोडिंग की अनुमति नहीं दी जायेगी तथा इस तरह के कार्यक्रमों की वीडियोग्राफी भी अनिवार्यतः करानी होगी। जुलूस आयोजकों को अपने जुलूस की वीडियोग्राफी की व्यवस्था भी कराना होगी। यह वीडियोग्राफी पुलिस विभाग के निर्देशन में सम्पन्न होगी, जिसका व्यय जुलूस आयोजक को उठाना होगा। विभिन्न धर्मावलंबियों द्वारा आयोजित जुलुस, शोभायात्रा, धरना प्रदर्शन एवं आयोजनों में खण्डवा शहर को नो ड्रोन जोन घोषित किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित के विरूद्ध धारा 223 के तहत कार्यवाही की जायेगी।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

चरक अस्पताल में ब्लड की कमी बढ़ी, प्रसूताओं की जरूरतें पूरी करना बना चुनौती

डिलीवरी के लिए भर्ती गर्भवतियों को जरूरत पड़ने पर नहीं मिल पा रहा पर्याप्त रक्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला शासकीय मातृ एवं शिशु चरक अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती होने वाली गर्भवती महिलाओं के उपचार के दौरान आवश्यक रक्त उपलब्ध कराने में परेशानी सामने आने लगी है। अस्पताल के ब्लड बैंक में कई बार जरूरत के अनुरूप विभिन्न ग्रुप के रक्त की उपलब्धता नहीं होने से मरीजों और उनके परिजनों की चिंता बढ़ रही है।

अस्पताल सूत्रों के अनुसार प्रसव के दौरान कई मामलों में अचानक रक्त की आवश्यकता पड़ती है। विशेष रूप से जटिल डिलीवरी और ऑपरेशन के मामलों में तत्काल ब्लड की जरूरत होती है। ऐसे समय में ब्लड बैंक में पर्याप्त स्टॉक नहीं होने से परिजनों को रक्त की व्यवस्था के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है।

जानकारों का कहना है कि जिला अस्पताल की पैथोलॉजी लैब और ब्लड बैंक में पहले की तुलना में रक्तदाताओं की संख्या लगातार घट रही है। नियमित रक्तदान करने वाले लोगों की संख्या कम होने से ब्लड बैंक का स्टॉक प्रभावित हो रहा है। इसका असर सबसे अधिक उन मरीजों पर पड़ रहा है जिन्हें आपात स्थिति में रक्त की आवश्यकता होती है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला अस्पताल प्रबंधन ने रक्त संग्रह बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत शहर और आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रक्तदान शिविर आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है। सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और युवाओं को भी इस अभियान से जोड़ने की पहल की जा रही है। अस्पताल प्रबंधन का मानना है कि यदि नियमित अंतराल पर रक्तदान शिविर आयोजित होते रहे तो ब्लड बैंक में पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा जा सकेगा और जरूरतमंद मरीजों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सकेगा।

रक्तदान से ही बनेगी व्यवस्था मजबूत- स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार एक यूनिट रक्त कई मरीजों के जीवन को बचाने में मददगार साबित हो सकता है। ऐसे में अधिक से अधिक लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की आवश्यकता है, ताकि अस्पतालों में रक्त की कमी जैसी स्थिति उत्पन्न न हो।

द्वितीय युवा संस्कृत सम्मेलन का भव्य समापन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन द्वारा आयोजित द्वितीय युवा संस्कृत सम्मेलन का रविवार को भव्य समापन समारोह संपन्न हुआ। सम्मेलन के द्वितीय दिवस का कार्यक्रम प्रातः 10=30 बजे मंगलाचरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ आरंभ हुआ, जिसमें डॉ. महेंद्र पाण्डेय एवं डॉ. मीनाक्षी सिंह ने दीप प्रज्वलित किया।

सत्र का शुभारंभ करते हुए अकादमी के निदेशक डॉ. गोविंद गंधे ने कहा कि संस्कृत हमारी व्यावहारिक भाषा है। संस्कृत को सरल समाधान के रूप में अपनाकर हम देश भर से पधारे संस्कृतज्ञों को अपना जीवन समर्पित कर सकते हैं। उन्होंने संस्कृत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न विद्वानों का सम्मान किया।

प्रथम सत्र में विद्वानों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। श्री कैलाश किशोर, श्री हरिप्रित मिश्र, श्री राधेश्याम मनु भाई, डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय, डॉ. शशिकांत तिवारी, डॉ. मधुसूदन मिश्र, डॉ. सपना चंदेल, डॉ. रविशंकर द्विवेदी, डॉ. सपना कुमार निशाद, डॉ. शशिकांत तिवारी आदि ने संस्कृत साहित्य, काव्यपाठ एवं अपनी रचनाओं का पाठ किया।

डॉ. विपिन कुमार द्विवेदी ने कहा कि काव्य ऐसी होनी चाहिए जिससे सुनने में भी अच्छा लगे, शब्दों का चयन सटीक हो। उन्होंने मधुर मधुशाला कविता का पाठ किया।

डॉ. शिवकांत तिवारी (पटना) ने महर्षि वाल्मीकि एवं तुलसीदास जी का स्मरण करते हुए संस्कृत काव्य की महत्ता पर प्रकाश डाला।

डॉ. प्रीति पुजारा (अहमदाबाद) ने लघु नीतिका प्रस्तुत की।

द्वितीय सत्र संस्कृत पत्रकारिता विषय पर केंद्रित रहा। डॉ. ऋषिराज पाठक (नई दिल्ली) ने संस्कृत पत्रकारिता की वर्तमान समस्याओं एवं भविष्य पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. अशोक कुमार विश्नोई, डॉ. रविशंकर द्विवेदी, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय (चित्रकूट) ने भी अपने विचार रखे। उज्जैन के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. जगदीश शर्मा ने संस्कृत भाषा के उपयोग को हिंदी के साथ जोड़ते हुए कहा कि संस्कृत का व्यावहारिक उपयोग बढ़ाना चाहिए। उन्होंने संस्कृत पत्रकारिता से बाहर निकलने की आवश्यकता पर बल दिया।

उज्जैन में शुरू होंगे चलित मिल्क एटीएम, घर-घर पहुंचेगा ताजा दूध

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहरवासियों को जल्द ही चलित मिल्क एटीएम की सुविधा मिल सकती है।उज्जैन में शहरी क्षेत्रों के लिए मिल्क एटीएम शुरू किए जाएंगे। विशेष वाहनों के माध्यम से लोगों तक ताजा दूध पहुंचाया जाएगा। इसके लिए सप्लाई चेन तैयार की जाएगी। कल आयोजित हुई संभागीय समीक्षा बैठक में बताया गया कि यह पहल उज्जैन सहकारी दुग्ध संघ और स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से लागू की जाएगी। शनिवार को कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक वर्णवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग की योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव ने कहा कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए पशुओं की नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान और संतुलित आहार पर विशेष ध्यान देना होगा। पशुपालकों को पशुओं के पोषण संबंधी जानकारी देने के लिए शासन के गोरस ऐप का अधिक उपयोग कराने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में बताया गया कि उज्जैन जिले को इस वर्ष सेक्स सॉर्टेड सीमेन के माध्यम से एक लाख कृत्रिम गर्भाधान का लक्ष्य मिला है। वहीं मत्स्य पालन क्षेत्र में युवाओं को जोड़ने, बड़े जलाशयों में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने और मुख्यमंत्री मछुआ कल्याण योजना के तहत संचालित स्मार्ट फिश पार्लर को प्रभावी ढंग से चलाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि विभागीय योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक हितग्राहियों तक पहुंचाई जाए तथा सफल कार्यों का प्रचार सोशल मीडिया के माध्यम से किया जाए।

चरक अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड के सामने बनेगी नई पुलिस चौकी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय मातृ शिशु चरक अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में नई पुलिस चौकी का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड के सामने पुलिस चौकी के कक्ष का ढांचा तैयार करने का प्रारंभिक कार्य चल रहा है। अब तक पुलिस चौकी अस्पताल परिसर के बाहरी हिस्से में संचालित हो रही थी, जिससे किसी घटना या विवाद की स्थिति में पुलिस को मौके तक पहुंचने में समय लगता था। नई चौकी के इमरजेंसी वार्ड के सामने स्थापित होने से अस्पताल परिसर में होने वाली किसी भी आपात स्थिति, विवाद, दुर्घटना या कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच सकेगी। अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज और उनके परिजन आते हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस चौकी को अस्पताल के मुख्य गतिविधि क्षेत्र के नजदीक स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इससे मरीजों, परिजनों तथा अस्पताल स्टाफ को भी सुरक्षा का बेहतर माहौल मिलेगा।अस्पताल प्रबंधन और पुलिस विभाग का मानना है कि नई चौकी के शुरू होने के बाद अस्पताल परिसर में होने वाली घटनाओं पर प्रभावी निगरानी रखी जा सकेगी तथा शिकायतों का त्वरित निराकरण भी संभव होगा। वर्तमान में निर्माण कार्य प्रारंभिक चरण में है और जल्द ही चौकी का भवन तैयार होने की उम्मीद है।

त्योहारों तक सीमित रह गई खाद्य विभाग की कार्रवाई

महाकाल क्षेत्र सहित शहर के कई इलाकों में खुले में बिक रहे खाद्य पदार्थ, सालभर निगरानी और सैंपलिंग की उठी मांग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर शहर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। आम लोगों का कहना है कि खाद्य सुरक्षा विभाग की सक्रियता मुख्य रूप से दीपावली और अन्य प्रमुख त्योहारों के दौरान ही नजर आती है, जबकि पूरे साल शहर में मिलावटी और गुणवत्ताहीन खाद्य सामग्री खुलेआम बिकती रहती है।

शहर के प्रमुख धार्मिक क्षेत्र महाकाल मंदिर के आसपास रोजाना हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। यहां कई स्थानों पर खाद्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए खुले में खाद्य पदार्थों की बिक्री की जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई होटल, रेस्टोरेंट और खाद्य प्रतिष्ठान कम लागत के लिए निम्न गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन नियमित जांच नहीं होने से ऐसे मामलों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा समय-समय पर सैंपलिंग और जांच की कार्रवाई की जाती है, लेकिन यह गतिविधियां अधिकतर त्योहारों तक सीमित दिखाई देती हैं। वर्षभर नियमित निरीक्षण और साप्ताहिक अभियान नहीं होने से मिलावटी खाद्य पदार्थों का कारोबार जारी रहता है।

कभी-कभी जिला प्रशासन या कलेक्टर के निर्देश पर विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जाती है तथा शिकायत मिलने पर भी जांच होती है, लेकिन नागरिकों का मानना है कि खाद्य सुरक्षा को लेकर निरंतर निगरानी आवश्यक है। उनका कहना है कि विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस केवल जागरूकता तक सीमित न रहे, बल्कि शहर में खाद्य गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित और प्रभावी कार्रवाई भी होनी चाहिए।विशेषज्ञों का मानना है कि खाद्य पदार्थों की नियमित जांच, सैंपलिंग और मानकों का पालन सुनिश्चित करने से ही उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा संभव है। शहरवासियों ने मांग की है कि महाकाल क्षेत्र सहित सभी प्रमुख बाजारों और खाद्य प्रतिष्ठानों पर नियमित निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए।

48 घंटे में 3 डिग्री उछला दिन का पारा, रात में भी 5 डिग्री बढ़ा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। दो दिन पहले हुई बारिश के बाद दिन और रात के तापमान में जहां गिरावट आई, वहीं कल तेज धूप निकली। इसके बाद पारा और चढ़ गया। मौसम विभाग के अनुसार आज शाम को बारिश की संभावना है। वेधशाला स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक कल दिन का अधिकतम तापमान 38 डिग्री रहा, जो परसों की अपेक्षा 3 डिग्री अधिक था, वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान परसों 21 डिग्री था, वह 24.8 डिग्री पर पहुंच गया। आज यह और बढ़कर 26 डिग्री पर आ गया जो 48 घंटे में 5 डिग्री बढ़ गया। यानी 48 घंटों में ही तापमान में 5 डिग्री से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। इस दौरान हवाओं की दिशा पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी रही। हवाओं की अधिकतम रफ्तार 8 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंची। परसों सुबह से लेकर आज सुबह 8.30 बजे तक वेधशाला में बारिश दर्ज नहीं की गई। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आज शाम बारिश की संभावना है। वहीं कल से अगले कुछ दिन मौसम खुल सकता है। इससे तापमान में तेजी भी देखने को मिलेगी।

नाली निर्माण के साथ मलबा हटाने का काम तेज करें-कलेक्टर श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ महापर्व 2028 के लिए शहर में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर मार्ग चौड़ीकरण के कार्य किए जा रहे है। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने के लिए नियमित निरीक्षण किए जा रहे है। रविवार शाम को नियमित निरीक्षण के तहत कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के साथ नगर निगम के माध्यम से प्रगतिरत शहर के विभिन्न मार्गों के चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि मार्ग चौड़ीकरण कार्य के दौरान मार्ग के दोनों ओर साईट नाली निर्माण करने और सड़क का मलबा हटाने का कार्य प्राथमिकता के साथ करें। जिससे कार्य के दौरान रहवासियों को आने-जाने में परेशानी नही हो।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने रविवार को महाकाल मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन के लिए प्राचीन महाकाल द्वार के समीप से कहारवाड़ी तक निर्माणाधीन मार्ग का कार्य किया जा रहा है। मौके पर निगम आयुक्त श्री मिश्रा ने जानकारी दी कि मार्ग में दोनों ओर रिटर्निंग वाल का कार्य प्रगतिरत है। हेरिटेज होटल के सामने मार्ग में राफ्ट फाउंडेशन का कार्य किया गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने मार्ग निर्माण के लिए संसाधन बढ़ाकर तेज गति से करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने हरसिद्धि की पाल से रामघाट तक निर्माणाधीन मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निगम आयुक्त श्री मिश्रा ने कार्य प्रगति की जानकारी दी। मौके पर कलेक्टर श्री सिंह ने निर्माण सामग्री का अवलोकन कर निर्माण कार्य के दौरान गुणवत्ता का ध्यान रखने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिला फुटबॉल टीम को दी बधाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय महिला फुटबॉल टीम को साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन चैम्पियनशिप-2026 जीतने पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह शानदार विजय भारत की बेटियों के साहस, प्रतिभा और टीम भावना का प्रतीक है। भारतीय टीम की यह सफलता खेल जगत में प्रेरणा का नया अध्याय लिखेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय महिला फुटबॉल खिलाड़ियों ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। पूरी टीम हार्दिक बधाई की पात्र है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी हैं। उल्लेखनीय है कि गोवा राज्य के मडगांव में 25 मई से 6 जून की अवधि में हुई।

गुजरात से पकड़ाया ठगी करने वाले आरोपी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ऑनलाइन ठगी करने वाले आरोपी को 3 माह बाद पुलिस ने गुजरात से गिरफ्तार किया है। आरोपी द्वारा इन्वेस्टमेंट का झांसा देकर ठगी की वारदात को अंजाम देता था। इंगोरिया थाना क्षेत्र के ग्रामबकड़ाई में रहने वाले गोपाल पिता प्रेमसिंह ठाकुर के साथ 8 फरवरी 2026 को इन्वेस्टमेंट का झांसा देकर ऑनलाइन 1.95 लाख रुपए की ठगी को अज्ञात बदमाश द्वारा अंजाम दिया गया था इंगोरिया थाना पुलिस द्वारा मामले में धारा 318(4), 319(2) बीएनएस का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। 3 माह की तलाश के बाद तकनीकी साक्ष्य के आधार पर राजेश पिता विधिया भाई निवासी पिपलिया, थाना लिमड़ी, जिला दाहोद (गुजरात) की ठगी करने वाले के रूप में पहचान होने पर पुलिस की एक टीम गुजरात पहुंची थी जहां से आरोपी को गिरफ्तार कर उज्जैन लाया गया है उसे तक में आरोपी ने ऑनलाइन 2 लाख लगभग की ठगी करना स्वीकार कर लिया। इंगोरिया थाना प्रभारी दीपेश व्यास के अनुसार आरोपी को न्यायालय में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया जाएगा। आरोपी को गिरफ्तार करने में उपनिरीक्षक राजेन्द्र सिंह तोमर, सहायक उप निरीक्षक दिनेश निनामा, प्रधान आरक्षक नरेन्द्र सिंह परिहार, अशोक कटारा, आरक्षक भोजराज परमार, दिलीप सिंह राणा एवं दीपक मालवीय की सराहनीय भूमिका रही।

14 साल बाद गिरफ्त में आया इनामी स्थाई वारंटी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आपराधिक मामलों में कोर्ट पेशी पर उपस्थित नहीं होकर 14 सालों से फरार चल रहे आरोपी के खिलाफ स्थाई वारंटी जारी किया गया था, गिरफ्तारी नहीं होने पर पुलिस द्वारा 10 हजार का इनाम भी घोषित किया गया था। माधवनगर थाना पुलिस लगातार उसकी तलाश में थी। आरोपी हर बार अपना ठिकाना बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था। बीती रात मुखबीर सूचना मिली थी फरार इनामी वारंटी अपने क्षेत्र में घूम रहा है। थाना प्रभारी गजेंद्र पचोरिया ने इनामी वारंटी की धरपकड़ के लिये टीम को रवाना किया। वारंटी अपने घर के समीप हीरा मिल की चाल से गिरफ्त में आ गया। पुलिस के अनुसार स्थाई फरार इनामी वारंटी अविनाश सुनहरा पिता रमेशचंद्र सुनहरा 45 वर्ष को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेजा गया है। उसके खिलाफ दो मामलों में स्थाई वारंट जारी हुए थे। दोनों मामलों में 5-5 हजार का इनाम था। फरारी के दौरान उसने अपनी दाड़ी और सिर के बाल बढ़ा कर हुलिया भी बदल लिया था।

महाकाल की भस्म आरती में शामिल बॉलीवुड की गायिका और अभिनेत्री

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर के दरबार में रविवार सुबह प्रसिद्ध गुजराती लोक गायिका किंजल दवे और फिल्म अभिनेत्री मोनल गज्जर ने प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर महाकाल के दर्शन किए। दोनों कलाकारों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की।

भस्म आरती के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति का वातावरण रहा। दर्शन के बाद दोनों ने भगवान महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया और मंदिर की आध्यात्मिक परंपरा की सराहना की।

इस अवसर पर महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उप प्रशासक एस.एन. सोनी ने उनका स्वागत एवं सम्मान किया। मंदिर समिति द्वारा उन्हें प्रसाद और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया।

महाकाल मंदिर में देशभर की कई नामी हस्तियां समय-समय पर दर्शन के लिए पहुंचती हैं। इसी क्रम में किंजल दवे और मोनल गज्जर की उपस्थिति श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र रही।

बड़नगर से लापता युवक की हातोद में मिली लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़नगर से लापता हुए युवक की शनिवार को इंदौर के समीप हातोद में लाश मिलना सामने आया है। बोरे में बंद मिली लाश की पहचान पत्नी द्वारा की गई। मामले में बड़नगर और हातोद पुलिस जांच कर रही है।

ग्राम पीरझलार में रहने वाला सुल्तान पिता अजगर 30 वर्ष 29 मई को अचानक रात के समय घर से लापता हो गया था। वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने दूसरे दिन परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच शुरू की तो कुछ पता नहीं चला लेकिन यह सामने आया कि भाई से झगड़ा होने के बाद सुल्तान का पता नहीं चल रहा है। पुलिस ने भाई दिलपुकार से पूछताछ शुरू की लेकिन उसने विवाद होने से ही इंकार कर दिया। परिवार भी कुछ स्पष्ट नहीं कर पा रहा था। लगातार भाई से पूछताछ जारी थी। इस बीच शनिवार को इंदौर के ग्रामीण क्षेत्र हातोद में बोरे में बंदबलाश मिलना सामने आया। जिसकी जानकारी लगने पर बड़नगर थाना पुलिस तस्दीक के लिए पहुंची। लेकिन लाश 8 से 10 दिन पुरानी थी जो गर्मी बारिश की वजह से पूरी तरह सड़ चुकी थी। चेहरे का मांस उतर चुका था और खोपड़ी नजर आ रही थी। पहचान कर पाना मुश्किल था। बावजूद इसके बड़नगर पुलिस द्वारा अपने यहां से लापता सुल्तान की पहचान के लिए पत्नी को हातोद बुलवाया। जहां उसके द्वारा लाश की पहचान सुल्तान के रूप में कर ली गई। थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि पत्नी ने कपड़े और दांत से पहचान कर शव पति सुल्तान का होना बताया है। बावजूद इसके हातोद पुलिस द्वारा मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। रविवार को मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया। हातोद पुलिस द्वारा जांच के बाद अगर मर्ग डायरी सौंपी गई तो बड़नगर पुलिस स्थानीय स्तर पर जांच शुरू करेगी। फिलहाल हातोद और बड़नगर थाना पुलिस अपने क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने में लगी है।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर आयोजित किया गया जनजागरूकता कार्यक्रम

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त खाद्य सुरक्षा मध्यप्रदेश एवं कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा रविवार को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर खाद्य सुरक्षा एवं सही भोजन शैली के संबंध में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विभाग द्वारा चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा संचालित निःशुल्क अन्नक्षेत्र तथा मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम द्वारा संचालित होटल उज्जैयिनी पर कार्यरत फूड हेण्डलर्स एवं श्रद्धालुओं को भोजन निर्माण, संग्रहण एवं सर्विसिंग के संबंध में रखी जाने वाली सावधानियों, व्यैक्तिक स्वच्छता के संबंध में तथा सही खान पान की आदतों के बारे में प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में मौजूद कर्मचारियों व श्रद्धालुओं को अपने भोजन में नमक, तेल, शक्कर आदि की मात्रा धीरे-धीरे कम करने, दैनिक आहार में श्रीअन्न अर्थात् मिलेट्स को शामिल करने, पैक्ड खाद्य पदार्थों के लेबल को पढ़ने, स्थानीय व मौसमी फल-सब्जियों को अपने आहार में सम्मिलित तथा अखबार के भोजन परोसने आदि में उपयोग नहीं करने के संबंध में प्रशिक्षित किया गया।

रस्सी के फंदे पर लटका मिला शराबी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार सुबह घर के गलियारे में रस्सी के फंदे पर शराबी की लाश लटकी हुई भाई ने देखी। रात में नशा कर घर पहुंचा था। पुलिस ने मामले में पोस्टमार्टम कराकर जांच शुरू की है।

नीमनवासा में रहने वाला हुकुम पिता केसरसिंह मालवीय 45 साल शराब पीने का आदी था और पीएचई में संविदाकर्मी था। रात में वह नशा कर घर पहुंचा था जिसके चलते परिजनों ने ध्यान नहीं दिया। सुबह पास में ही रहने वाला भाइ देवकरण पानी

की मोटर चालू करने के लिए गलियारे में पहुंचा तो उसने हुकुमसिंह को रस्सी के फंदे पर लटका देखा। तत्काल परिजनो को जानकारी दी गई। पुलिस भी सूचना मिलने पर घटना स्थल पहुंच गई थी। शव को फंदे से उतारा गया और पोस्टमार्टम के लिए चरक अस्पताल लाया गया। पंवासा थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा है। इस दौरान भाई ने बताया कि हुकुमसिंह दो बच्चों का पिता था। शराब की वजह से वह आए दिन विवाद भी करता था। जिसके चलते परिजन उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देते थे। संभवतः उसने नशे में ही आत्मघाती कदम उठाया है।

चेकिंग में पकड़ाये बदमाश से मिले चोरी के 7 वाहन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दो माह पहले चोरी हुई बाइक के साथ पुलिस ने आरोपी को हिरासत लिया तो उसने अपने साथी के साथ मिलकर उज्जैन और रतलाम में वाहनों की चोरी करना कबूल कर लिया। पुलिस ने उसके निशानदेही पर पांच बाइक और दो ट्रैक्टर बरामद किए हैं। आरोपी का साथी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

राघवी थाना एसआई वीरेंद्र वंदेबार ने बताया कि 18 मार्च को ग्राम नीमखेड़ा में रहने वाले बारिश पिता मदनलाल नायक की बाइक ग्राम खेड़ामदा गौशाला के पास से चोरी हो गई थी। पुलिस द्वारा मामले में चोरी का प्रकरण दर्ज कर बाइक चुराने वाले की तलाश की जा रही थी। 2 माह बाद सूचना मिलने पर ग्राम नीमखेड़ा के ही रहने वाले तोफानसिंह पिता बनेसिंह गुर्जर 26 वर्ष को हिरासत में लिया गया और पूछताछ की गई तो उससे चोरी की बाइक बरामद हो गई। वाहन चोरी का खुलासा होते ही आरोपी से अन्य वाहनों के संबंध में पूछताछ शुरू की गई तो उसने अपने साथी श्यामसिंह के साथ मिलकर उज्जैन और रतलाम से वाहन चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदही पर उसके ही खेत पर बने मकान की तलाशी ली तो वहां से चोरी की चार अन्य बाइक को दो ट्रैक्टर भी बरामद हो गए। एसआई बंदेवार के अनुसार पूरे मामले का खुलासा थाना प्रभारी काजलसिंह के मार्गदर्शन एएसआई सेवाराम डोडियार, प्रधान आरक्षक राजेन्द्र सिंह, रविन्द्र मंडलोई, आरक्षक मुकेश परमार, अर्चित यादव, रविन्द्र सिंह सेंगर एवं सैनिक नरेन्द्र सिंह चौहान द्वारा किया गया है। आरोपी तोफानसिंह को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है। उसका साथी श्याम सिंह फरार है जिसकी तलाश की जा रही है संभावना है कि उसके गिरफ्त में आने पर अन्य चोरी के वाहनों की जानकारी भी सामने आ सकती है।